THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 46 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख अमावस्या 2081 बुधवार, 8 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

रील बनाने के लिए लगा दी जंगल में आग

डीजीपी बोले-लोगों की मानसिकता हो चुकी खराब

देहरादून, 7 मई (एजेंसियां)। जंगल में जान बूझकर आग लगाने के मामले में पुलिस ने 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें चार लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अज्ञात हैं। वन विभाग ने 351 मुकदमे दर्ज किए हैं, जिसमें 290 अज्ञात, जबकि 61 नामजद मुकदमे हैं। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार के मुताबिक, वन, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम ऐसे लोगों की पहचान कर रही है।

डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा, कुछ लोगों की मानसिकता इतनी खराब हो चुकी है कि रील बनाने के लिए जंगल में आग लगा दी। ऐसे एक मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं मुख्य सचिव ने कहा, सरकार उन गांवों को पुरस्कृत करेगी, जहां ग्रामीणों ने अपने गांवों को जंगल की आग से बचाने का काम किया है। वनाग्नि प्रबंधन समिति के तहत भी पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में जंगल की आग बेकाबू हो गई है। गढ़वाल से कुमाऊं तक सोमवार को 20 जगह जंगल धधके, जिससे 52 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र जल गया। गढ़वाल में सबसे अधिक 10 और कुमाऊं में नौ घटनाएं हुई हैं। आग पर काबू पाने के लिए एनडीआरएफ के साथ ही एयरफोर्स की मदद ली जा रही है। हेलिकॉप्टर से दो राउंड में लगभग पांच हजार लीटर पानी का छिड़काव किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया, हेलिकॉप्टर से आग बुझाने का अभियान जारी रहेगा। वहीं, कृत्रिम बारिश के लिए तकनीकी संस्थाओं को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल पर पहली बार बोले मोदी

प्रज्वल जैसों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति, उसे देश छोड़ने की इजाजत कर्नाटक सरकार ने दी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल पर पीएम नरेंद्र मोदी ने पहली बार चर्चा की। उन्होंने कहा- प्रज्वल जैसों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति है। उसे देश छोड़ने की इजाजत कर्नाटक सरकार ने दी है। ये कानून व्यवस्था का मुद्दा है। अगर घटना गुजरात में होती तो इसके लिए गुजरात की सरकार जिम्मेदार होती। ऐसे ही इस मामले में कदम उठाने के लिए कर्नाटक सरकार जिम्मेदार है।

मोदी ने कहा-ऐसे अत्याचारियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। सख्त सजा होनी चाहिए। महिलाओं के 2 हजार- 3 हजार वीडियो वायरल हुए हैं, वह अभी के तो होंगे नहीं। इन वीडियो का संबंध तब से है जब जेडीएस और कांग्रेस साथ में थे। उन्होंने इन वीडियो को इकट्ठा करके रखा था।

दरअसल, 28 अप्रैल को कर्नाटक के हसान से जेडीएस के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ उनकी पुरानी हाउसमेड ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। शिकायत के बाद प्रज्वल के कई वीडियो सामने आए। दावा किया गया है कि महिलाएं खुद को छोड़ने की गुहार लगा रही हैं और प्रज्वल वीडियो शूट कर रहे हैं। वे देश छोड़कर जा चुके हैं। उनके खिलाफ ब्लूकॉर्नर नोटिस भी जारी हो चुका है। मोदी ने कहा- कांग्रेस प्रज्वल के देश छोड़ने पर हमसे सवाल कैसे पूछ सकती है। पहले कांग्रेस ही उसे राज्य से बाहर जाने दे रही है। उनके पास जानकारी थी तो उन्होंने एयरपोर्ट पर नजर क्यों नहीं रखी। राज्य को केंद्र सरकार को सूचना देनी थी। इसका मतलब यह कांग्रेस का राजनीतिक खेल है। प्रज्वल को वापस लाना चाहिए और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस के नेताओं के भाषण और उनके मैनिफेस्टो की

बातों को एक कैनवास पर रखना होगा। पहले मनमोहन सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों है। उनके द्वारा लिए गए फैसले भी उनके हिडन एजेंडे को दर्शाते हैं। मैंने कांग्रेस के इसी हिडन एजेंडे को बेनकाब किया है। इसलिए वो बौखला गए हैं। हम अपने मैनिफेस्टो में राम मंदिर की बात कहते थे, तो मीडिया हम से तारीख पूछने लगता था। यह मीडिया का काम था कि कांग्रेस के पिछले 5 मैनिफेस्टो का एनालिसिस करे। जब मैंने पार्लियामेंट में संविधान दिवस बनाने की बात कही तो खड़गे जी ने विरोध किया था।

जब संविधान बन रहा था तो संविधान सभा में सभी संप्रदाय के लोग बैठे थे। सबने मिलजुलकर चर्चा की थी कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने में भारत का नुकसान होगा। संविधान सभा में ज्यादातर सनातनी ही थे। नेहरू जी अपवाद थे। वे अपने आप को सनातन से ऊपर मानते थे। सभा के सनातनियों ने फैसला लिया था कि दलित-आदिवासियों को आरक्षण मिलना चाहिए, क्योंकि पिछले सैकड़ों वर्षों में छूत-अछूत का भाव देश में बना हुआ था।

मैं संविधान की स्पिरिट को जीना चाहता हूं। हमने सामान्य वर्ग के 10 परसेंट गरीबों को आरक्षण का फैसला लिया था। उसमें हिंदू, मुसलमान सभी धर्मों के सामान्य वर्ग के गरीब लोग शामिल हैं। हम किसी का हक नहीं छीन रहे हैं। धर्म को आधार मानने से विरोध कर रहे हैं।

ये धर्म के आधार पर जो वोट बैंक के खेल जो खेले जाते हैं, मैं उसका विरोधी हूं। कांग्रेस ने मैनिफेस्टो में कहा है कि हम जो ठेके देंगे उसमें माइनोरिटी के लिए आरक्षण होगा।

प्रज्वल के वीडियो राज्य सरकार ने जानबूझकर फैलाए : कुमारस्वामी

इसमें पुलिस की मिलीभगत; एसआईटी ने रेवन्ना के घर की तलाशी ली

बेंगलुरु, 7 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल केस में पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर जानबूझकर प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 21 अप्रैल को पुलिस की मदद से बेंगलुरु ग्रामीण, मांड्या और हसन में वीडियो के पेन ड्राइव सर्कुलेट किए ।

कुमारस्वामी ने आगे कहा 22 अप्रैल को प्रज्वल के इलेक्शन एजेंट पूर्णचंद्र ने भी नवीन गौड़ा नाम के शख्स पर एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसने 21 अप्रैल की रात ट्वीट करके प्रज्वल के वीडियो देखने की बात कही थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मैं किसी को भी डिफेंड नहीं कर रहा हूं। कानून अपना काम करेगा और दोषी को बिना किसी भेदभाव के सजा दी जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

'निष्पक्ष जांच नहीं चाहती राज्य सरकार'

कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर निष्पक्ष जांच न करने के आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा सरकार एचडी रेवन्ना की छवि खराब करना चाहती है। इसके लिए वे सरकारी तंत्र का उपयोग कर रहे हैं। ऐसें में हम सरकार के खिलाफ कार्रवाई के लिए गवर्नर को एक ज्ञापन

सौपेंगे। इससे पहले एसआईटी ने 3 मई को किडनैपिंग केस में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को गिरफ्तार किया था। सोमवार (6 मई) को इसी मामले में एसआईटी ने सबूत इकट्ठे करने के लिए उनके घर की तलाशी ली।

विक्टिम की बहन बोलीं-प्रज्वल को सजा नहीं मिली तो वह फिर ऐसा करेगा

उधर, आरोप लगाए जा रहे हैं कि रेवन्ना के बेटे प्रज्वल ने महिलाओं से यौन शोषण के करीब 3 हजार वीडियो बनाए। इन वीडियो को लेकर विक्टिम महिलाओं और उनके परिवारों को बदनामी का डर सता रहा है। वीडियो में दिखने वालीं विक्टिम मृदुला (बदला हुआ नाम) की बहन माला (बदला हुआ नाम) का कहना है कि प्रज्वल को ऐसी सजा दी जानी चाहिए कि वह कभी भी सिर ऊंचा करके नहीं चल सके। अगर उसे सजा नहीं मिली तो वह फिर से ऐसा करेगा। उनका कहना है कि परिवार को कुछ पता चलता उससे पहले मृदुला को रेवन्ना का एक गुर्गा और रिश्तेदार सतीश बबन्ना अपने साथ ले गया। इसके बाद परिवार को उत्पीड़न का पता चला। मृदुला और उनके पति ने 6 साल तक प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना के होलेनरासिपुरा में गन्निकाडा फार्म में फार्म हेल्पर के रूप में काम किया। उन्होंने 3 साल पहले नौकरी छोड़ दी। 3 मई को सतीश को गिरफ्तार कर लिया गया और 4 मई को पुलिस मृदुला को पूछताछ के लिए ले गई।

विक्टिम के दामाद ने बताया कि हमारे घर के सामने एक पुलिस वैन तैनात है। अब पूरी दुनिया हमारे बारे में जानती है। गांव में हर कोई जानता है कि मेरी सास विक्टिम है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि हम कितना दर्द झेल रहे हैं। दामाद ने कहा- जब उन्होंने (सास) नौकरी छोड़ी तो उनका दो महीने का वेतन लंबित था। वीडियो सामने आने से कुछ दिन पहले, रेवन्ना के फार्महाउस पर काम पर लौटने के लिए कहा गया था और उसके लंबित वेतन का भुगतान करने का वादा किया गया था।

भारी बारिश के कारण बंगाल में नौ लोगों की मौत

बर्धमान, मिदनापुर और पुरुलिया सबसे ज्यादा प्रभावित

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आंधी-तूफान के कारण नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पांच पूर्वी बर्धमान और दो-दो पश्चिम मिदनापुर और पुरुलिया के निवासी शामिल हैं। इसके अलावा नादिया में दीवार ढहने से दो लोगों की और दक्षिण 24 परगना में पेड़ गिरने से एक की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जिला प्रशासन 24 घंटे आपदा प्रबंधन मोड पर काम कर रहे हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार सहायता राशि प्रदान करने की प्रक्रिया पर भी काम किया जा रहा है। इस तूफान में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं।

तीसरे चरण के मतदान में भी हिंसा

बंगाल में भाजपा उम्मीदवार से भिड़ा टीएमसी का बूथ कार्यकर्ता

मुर्शिदाबाद, 7 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के बीच भी कई क्षेत्रों में हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के जंगीपुर में वोटिंग के दौरान ही मतदान केंद्र में भाजपा उम्मीदवार धनंजय घोष के साथ तृणमूल कांग्रेस के बूथ प्रेसीडेंट की झड़प हो गई। भाजपा उम्मीदवार ने टीएमसी पर धमकी देने का आरोप लगाया है।

भाजपा उम्मीदवार धनंजय घोष ने कहा, मैं भाजपा उम्मीदवार हूं और मुझे तृणमूल के बूथ एजेंट द्वारा धमकाया गया है। एक उम्मीदवार के साथ अगर ऐसा व्यवहार हो सकता है तो आम लोगों के साथ क्या-क्या हो सकता है। हम चुनाव आयोग से इस बारे में शिकायत करेंगे।

केजरीवाल खालिस्तान के साथ मिले हुए हैं ये कोई नई बात नहीं है : रोहन गुप्ता

अहमदाबाद, 7 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने कहा, केजरीवाल खालिस्तान के साथ मिले हुए हैं ये कोई नई बात नहीं है। जब राज्य सरकार के चुनाव हुए तब हर पार्टी ने मुद्दा उठाया था और हर पार्टी ने कहा था कि केजरीवाल खालिस्तान से मिले हुए। उन्होंने कहा कि ये शर्म की बात है कि इतने गंभीर आरोप होने बावजूद भी आज केजरीवाल की पार्टी भाजपा पर लोकतंत्र की हत्या के आरोप लगा रही है। उनके पास कोई नैतिक अधिकार नहीं है। क्या केजरीवाल की हिम्मत है कि इस पर जवाब दें? ।

बीजेपी में शामिल हुए शेखर सुमन

कहा-आम आदमी हूं, हीरामंडी का नवाब नहीं...

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। हिंदी फिल्मों के चर्चित अभिनेता शेखर सुमन भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं. लंबे समय से सुर्खियों से दूर बने रहने के बाद शेखर सुमन अचानक ही संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज 'हीरामंडी' से चर्चा में आए हैं.

हीरामंडी रीलीज होने के बाद अब वे बीजेपी में शामिल हो गए हैं. शेखर सुमन के साथ कांग्रेस की प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने भी बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की. नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में दोनों ही नेताओं को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई गई. इस अवसर पर बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। बीजेपी में शामिल होने के बाद बीजेपी दफ्तर में पत्रकारों से बात करते हुए शेखर सुमन ने कहा- 'कल तक मुझे खुद मालूम नही था कि मैं आज यहां बैठुंगा. मैं सकारात्मक सोच के साथ आया हूं. जो राम ने सोचा है वह करना है. मेरे दिमाग में सिर्फ देश का खयाल है. मोदी जी के सानिध्य में देश विकास कर रहा है उस प्रवाह में शामिल होना हर हिंदुस्तानी का फर्ज है.' हीरामंडी में नवाब के किरदार के बारे में पूछे जाने पर शेखर सुमन ने कहा- 'मैं हीरामंडी के हिट होने का इंतजार कर रहा था ताकि लोग यह न कहे कि मैं खाली था. मेरी नबावियत हीरामंडी तक सीमित है। शेखर सुमन पहले कांग्रेस में थे. उन्होंने 2009

लोकसभा चुनाव में पटना साहिब सीट से बीजेपी उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ चुनाव लड़ा था. हालांकि उस चुनाव में शेखर सुमन को हार का सामना करना पड़ा था.

प.बंगाल के गवर्नर बोस बोले : दीदीगिरी बर्दाश्त नहीं करूंगा

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कहा-ममता बनर्जी गंदी राजनीति कर रही हैं

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के गवर्नर आनंद बोस ने अपने ऊपर लगे यौन शोषण के आरोपों को टीएमसी की साजिश बताया है। केरल दौरे से लौटने के बाद कोलकाता एयरपोर्ट पर आनंद बोस ने कहा- मैं दीदीगिरी बर्दाश्त नहीं करूंगा। ममता बनर्जी राज्य में गंदी राजनीति कर रही है। बोस ने कहा- मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि ममता को इन सब से बचाए, लेकिन यह काम भगवान के लिए भी मुश्किल है। मुझ पर लगे आरोप ड्रामेबाजी है। राज्य में हो रही हिंसा और भ्रष्टाचार को उजागर करने की मेरी कोशिश जारी रहेगी। मुझे इस मुद्दे पर अब और कुछ नहीं कहना है।

दरअसल, राजभवन में काम करने वाली एक महिला ने 3 मई को राज्यपाल बोस के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि वो 24 मार्च को स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर बोस के पास गई थी। तब बोस ने उनके साथ बदसलूकी की थी। उधर, मामले को लेकर टीएमसी नेता सांतनु सेन ने कहा- ममता बनर्जी पर आरोप लगाने से पहल बोस को अपने आरोपों पर सफाई देनी चाहिए। अगर उन्होंने कुछ गलत नहीं किया तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। सबको पुलिस के साथ कॉपरेट करना चाहिए।

बोस पर लगे आरोपों को लेकर पुलिस ने जांच के लिए एक टीम गठित की थी। टीम ने राजभवन के कर्मचारियों से पूछताछ के लिए समन जारी किए थे। बोस ने 5 मई को कर्मचारियों को आदेश दिया पुलिस के समन को इग्नोर करें। बोस ने X पर राजभवन के कर्मचारियों के लिए एक पोस्ट में लिखा कि यह साफ है कि संविधान के आर्टिकल 361 (2) और (3) के तहत राज्य पुलिस गवर्नर के खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले सकती है। राष्ट्रपति, गवर्नर के पद पर रहने के दौरान उनके खिलाफ किसी कोर्ट में कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती है।

पुलिस ने शनिवार को 4 कर्मचारियों को तलब किया था

एक सीनियर पुलिस अफसर के हवाले से शनिवार को बताया- हमने एक जांच टीम बनाई है जो अगले कुछ दिनों में इस मामले में कुछ संभावित गवाहों से बात करेगी। हमने राजभवन से सीसीटीवी फुटेज मिलने पर उसे देने की भी अपील की है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने राज्यपाल बोस के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर पूछताछ के लिए कोलकाता राजभवन के 4 कर्मचारियों को तलब किया है। उन्हें आज शाम 4 बजे तक हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा गया है।

राजभवन में पुलिस के प्रवेश पर रोक

संविधान के आर्टिकल 361 के तहत मौजूदा गवर्नर के खिलाफ किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। राजभवन ने भी एक स्टेटमेंट जारी किया है, जिसमें गवर्नर बोस ने राजभवन में पुलिस की एंट्री बैन कर दी है। बोस का कहना है कि इलेक्शन के दौरान अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए पुलिस गैरकानूनी ढंग से जांच कर सकती है।

टीएमसी ने कहा-क्या मोदीजी राज्यपाल से सफाई मांगेंगे

तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने महिला के आरोपों को लेकर एक वीडियो बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक गंभीर आरोप लगाया गया है। एक महिला जब राजभवन गई तो राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उनके साथ छेड़छाड़ की, यौन उत्पीड़न किया और गलत व्यवहार किया। महिला अब पुलिस स्टेशन पहुंच चुकी है, जहां वह अपनी शिकायत दर्ज करा रही है। उन्होंने आगे कहा कि ये गंभीर आरोप तब लग रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता पहुंच रहे हैं।

रोचक खबरें

महिला ने बनाई देसी वॉशिंग मशीन, धुलती दिखी कपड़े

लोग बोले-'भारत में बहुत तेजस्वी लोग हैं!'

भारत में लोगों का दिमाग कंप्यूटर से भी तेज चलता है. इसी वजह से वो अपने रोजमर्रा के जीवन को आसान करने के लिए ऐसे-ऐसे जुगाड़ खोज लेते हैं कि उसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता. हाल ही में एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है. जो एक देसी वॉशिंग मशीन को चलाते हुए नजर आ रही है. ये महिला एक प्लास्टिक के बड़े टब में कपड़े धो रही है. महनत बचाने के लिए उसने साइकिल का प्रयोग किया है. महिला का दिमाग देख लोग बोल रहे हैं कि भारत में बहुत तेजस्वी लोग हैं!

ऐसे बहुत से लोग हैं, जो पैसों की कमी के चलते वॉशिंग मशीन नहीं खरीद सकते. इस वजह से उन्हें हाथ से ही कपड़े धोने पड़ते हैं. पर पैसों की कमी, इंसान के दिमाग पर ताला नहीं लगा सकती. इंसान अपनी तेज और चतुर बुद्धि की वजह से भी उन कामों को कुछ हद तक कर सकता है, जो पैसे वाले करते हैं. अब इस महिला को ही ले लीजिए. वॉशिंग मशीन न होने की वजह से, इसने कपड़े धुलने का गजब तरीका निकाल लिया। महिला ने एक प्लास्टिक के तसले को जमीन पर रखा है. उसमें धुलने के लिए कपड़े, पानी और वॉशिंग पाउडर पड़ा हुआ है. महिला ने उस टब के ऊपर एक साइकिल को लेटाकर रख लिया है. साइकिल इस तरह रखी है कि पैडल टब के अंदर है. वो ऊपरी पैडल को घुमाई जा रही है और कपड़े वॉशिंग मशीन की तरह घूम-घूमकर धुलते जा रहे हैं।

वीडियो हो रहा है वायरल

महिला का नाम इंद्रा पंकज है इंस्टाग्राम पर उसे 3 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. उसके इस वीडियो को 9.5 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि 16 हजार से ज्यादा लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक ने कहा कि भारत नौसिखियों के लिए नहीं है. वहीं एक ने कहा कि भारत में बहुत तेजस्वी लोग रहते हैं. एक ने कहा कि इस महिला ने बहुत सी औरतों की परेशानी को दूर कर दिया है।

पलक झपकते ही पहाड़ चढ़ जाता है ये सांप

पहले नहीं दिखा ऐसा जीव, एक्सपर्ट्स भी देखकर हुए हैरान!

सांप के बारे में सोचते ही आप के दिमाग में एक ऐसे जीव की तस्वीर बनती है, जो खतरनाक भी है और फुर्ती से खतरे से बच भी सकता है. हालांकि आमतौर पर हम सांपों को ज़मीन पर ही रेंगते हुए देखते हैं. ये अन्य जानवरों की तरह तेज़ी से चढ़ाई नहीं कर सकते हैं, खासतौर पर अगर पहाड़ों या चट्टानों पर चढ़ने की बात हो, तो सांपों को इसमें ट्रेंड तो नहीं माना जा सकता। अगर कोई कहे कि सांप पहाड़ पर चढ़ गया, तो यकीन करना ज़रा मुश्किल हो जाता है. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक थाईलैंड में सांप की एक अजीबोगरीब प्रजाति ढूंढी गई है. इसके न सिर्फ तेज़ ब्लेड जैसे दांत हैं बल्कि वो चट्टान पर भी तेज़ी से चढ़ सकता है. पहले कभी ऐसी प्रजाति देखी नीहं गई थी।

पहाड़ चढ़ने वाला सांप मिला

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस जीव को देखने में ये सांप जैसा ही है लेकिन ये अपने आसपास के माहौल को अलग तरीके से एडॉप्ट कर चुका है.

इसके दो बड़े और तेज़ दांत इसी का हिस्सा हैं. इस सांप को केव कुक्री स्नेक का नाम दिया गया है. इसे थाईलैंड की लाइमस्टोन माउंटेन केव्स में ढूंढा गया है. इसके सैंपल को इकट्ठा करने के लिए एक्सपर्ट हैरी वॉर्ड स्मिथ ने पांच मंज़िला ऊंचाई तक की चढ़ाई चढ़ी. उनका कहना है कि ये रिस्की था लेकिन उन्हें ये करना ही था।

एक अन्य रैप्टाइल एक्सपर्ट ग्रासबाइ लेविस ने बताया कि ये महत्वपूर्ण खोज है. रिसर्चर्स का मानना है कि पहाड़ों पर और भी ऐसे जीव मिल सकते हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन और लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट के विशेषज्ञ कहते हैं कि दबी हुई गुफाओं में इनके और सैंपल मिल सकते हैं. पहले भी इन एक्सपर्ट्स की जोड़ी ने ऐसे अनोखे सांपों की खोज की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कश्मीर के कुलगाम में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर, 7 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकवादी को मार गिराया। अभी भी एनकाउंटर जारी है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जाएगी। एनकाउंटर में लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार मारा गया है। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बासित कश्मीर में कई गैर स्थानीय और अन्य लोगों की हत्या में शामिल रहा है। इसके अलावा मारे जाने वाले दूसरे व्यक्ति का नाम फहीम अहमद है। वह ओवर ग्राउंड वर्कर था, जो आतंकियों की मदद करता था। हालांकि, फहीम को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

वर्ष-29 अंक : 46 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख अमावस्या 2081 बुधवार, 8 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कांग्रेस के नेता कसाब को निर्दोष बता रहे : पीएम मोदी

* पाकिस्तान इनका समर्थन करता है * 4 जून के बाद इनका झंडा उठाने वाला भी नहीं मिलेगा

अहमदनगर, 7 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तीसरे फेज की वोटिंग के दौरान महाराष्ट्र के अहमदनगर में रैली की। करीब 30 मिनट की स्पीच में मोदी इंडी गठबंधन, महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी, कांग्रेस के घोषणापत्र, तुष्टिकरण की राजनीति पर बोले।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवादी अजमल कसाब ने पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या नहीं की थी बल्कि आरएसएस से जुड़े एक पुलिसकर्मी ने उन्हें गोली मारी थी। उन्होंने कहा, चुनाव से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी (एससीपी) ने मिलकर भानुमति का कुनबा बनाया है। ये कुनबा 4 जून को रेत के टीले की तरह बिखरने वाला है। 4 जून के बाद इंडी-अघाड़ी वालों का झंडा उठाने वाला भी कोई नहीं मिलेगा।

कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप :

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी के पूरे घोषणापत्र में 'मुस्लिम लीग' की छाप है। आप खुद देखिए कि एनडीए और कांग्रेस के मुद्दों और एजेंडे में कितना अंतर है। हमारा ध्यान भारत के विकास, कल्याण, सुरक्षा,

सुरक्षा और सम्मान पर है। दूसरी ओर, कांग्रेस के पास इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी कुछ नहीं है। पीएम ने कहा, इस बार का चुनाव, संतुष्टिकरण और तुष्टिकरण के बीच हो रहा है। भाजपा-एनडीए का पूरा प्रयास अपनी मेहनत से देशवासियों को संतुष्ट करने का है, वहीं इंडी-अघाड़ी वाले अपनी साजिशों से अपने वोट बैंक के तुष्टिकरण में लगे हैं।

कांग्रेस के नेता आतंकी कसाब का पक्ष ले रहे :

उन्होंने कहा, ये कांग्रेसी मिलकर अब आतंकी कसाब का पक्ष ले रहे हैं। मुंबई में 26/11 का आतंकी हमला पाकिस्तान ने करवाया था। यह बात दुनिया को पता है। अदालतें फैसला दे चुकी हैं, यहां तक की पाकिस्तान भी स्वीकार कर चुका है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आतंकियों के बेकसूर होने का सर्टिफिकेट जारी कर रही है। इंडी-अघाड़ी का कोई हथकंडा जनता के सामने नहीं चल रहा है। ये हताशा सीमा पार भी दिखाई दे रही है। यहां वाली ए टीम हार रही है, इसलिए कांग्रेस की सीमा पार वाली बी टीम एक्टिव हो गई है। सीमा पार से कांग्रेस का हौसला बढ़ाने के लिए ट्वीट किए जा रहे हैं। बदले में कांग्रेस, पाकिस्तान को आतंकी हमलों में क्लीनचिट दे रही है। ये मुंबई हमले में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों, सुरक्षा बलों और शहीद तुकाराम ओम्बले जैसे शहीदों का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 4 जून के बाद इंडी-अघाड़ी वालों का झंडा उठाने वाला भी कोई नहीं मिलेगा। चुनाव से पहले ये जो भानुमति का कुनबा (महाविकास अघाड़ी) जुड़ा था, ये 4 जून को रेत के टीले की तरह बिखरने वाला है। तीसरे चरण के मतदान ने ये साफ कर दिया है कि 4 जून को इंडी-आघाड़ी की एक्सपायरी डेट तय हो गई है।

सिसोदिया को बड़ा झटका, 15 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मामले में एक बार फिर दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को झटका लगा है। सीबीआई मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है।

इससे पहले बीती तीन मई को उच्च न्यायालय ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ओर से आबकारी नीति मामले में जमानत की मांग को लेकर दायर याचिकाओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने मामले की सुनवाई आठ मई तय की है। अदालत ने सिसोदिया को सप्ताह में एक बार हिरासत में पत्नी से मिलने की इजाजत भी दे दी।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर फैसला नहीं दिया

शर्त रखी-सरकारी काम में दखल नहीं देंगे ईडी से कहा-चुनाव हैं, ये असाधारण हालात

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले में मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर फैसला सुनाए बिना सुप्रीम कोर्ट की बेंच उठ गई। सुबह साढ़े 10 बजे सुनवाई शुरू होने के बाद लंच से पहले तक कोर्ट ने जमानत की शर्तें तय कर ली थीं। हालांकि तब ईडी ने कहा कि केजरीवाल के वकील को 3 दिन सुना गया। हमें भी पर्याप्त समय दिया जाए।

अदालत ने जमानत का विरोध कर रही ईडी से कहा कि चुनाव चल रहे हैं और केजरीवाल मौजूदा मुख्यमंत्री हैं। चुनाव 5 साल में सिर्फ एक बार आते हैं। अदालत ने केजरीवाल से कहा कि हम आपको जमानत दे देते हैं तो आप ऑफिशियल ड्यूटी नहीं करेंगे। हम नहीं चाहते कि आप सरकार में दखल अंदाजी करें। अगर चुनाव नहीं होते तो अंतरिम जमानत का सवाल ही नहीं उठता था। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, हम किसी फाइल पर साइन नहीं करेंगे। शर्त है कि एलजी किसी भी काम को इस आधार पर ना रोकें कि फाइल पर साइन नहीं है। ऐसा कुछ नहीं बोलूंगा, जो नुकसान पहुंचाने वाला हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और आम आदमी में फर्क किया जाना सही नहीं है। राजनेताओं के लिए अलग कैटेगरी ना बनाएं। जनता के बीच गलत संदेश जाएगा। लंच के बाद जस्टिस खन्ना ने कहा, फिलहाल हम देखते हैं कि दलीलें खत्म होती हैं या नहीं।

11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग खत्म

64% मतदान, असम में सबसे ज्यादा 75%, सबसे कम महाराष्ट्र में 53%

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08% लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75%, सबसे कम महाराष्ट्र में 53% लोगों ने मतदान किया।

शाम पांच बजे तक 63.77% वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73.93% और सबसे कम महाराष्ट्र में 53.40% वोटिंग हुई। दोपहर तीन बजे तक 53.60% वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 63.11% वोटिंग हुई और सबसे कम महाराष्ट्र में 42.63% लोगों ने वोट डाले थे। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडिडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री सफेद कुर्ता-पायजामा और भगवा जैकेट पहने हुए थे। वहीं अमित शाह सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ भगवा रंग का गमछा लिए हुए थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया। वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री ने बच्चों के हाथ पर ऑटोग्राफ दिया। लोगों के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। एक बच्ची को गोद में लेकर हवा में उछाला। मीडिया से बातचीत में उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में वोटिंग की अपील की।

बंगाल में 25000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने पर रोक

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में ममता सरकार को राहत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (7 मई) को 25000 शिक्षकों की भर्ती रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सीबीआई को केस की जांच जारी रखने का आदेश भी दिया। जांच एजेंसी से कहा कि इस दौरान कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई एक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से कहा कि यह व्यवस्थागत धोखाधड़ी है। इससे लोगों का भरोसा उठ जाएगा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस साल 22 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों की 25 हजार 753 नियुक्तियों को अवैध करार दे दिया था। साथ ही इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12% इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए थे। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरी तरह से नियुक्तियों को रद्द करना नासमझी है। वैध और अवैध भर्तियों को अलग करने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल सरकार इसके तरीके को तय कर सकती है। बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है।

सोनिया ने जारी किया वीडियो संदेश

कहा-कांग्रेस-'इंडिया' संविधान-लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज देश के हर कोने में युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है, महिलाओं को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों को भयानक भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। यह माहौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की मंशा के कारण है। उनका ध्यान केवल किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने पर है। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए नफरत को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस पार्टी और मैंने हमेशा सभी की प्रगति, वंचितों को न्याय और देश को मजबूत करने के लिए लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें और साथ मिलकर एक मजबूत भारत का निर्माण करें।

सीएम योगी बोले–राम पर आस्था रखने वाले विकास कर सकते हैं

आतंकियों के मुकदमे वापस लेने वाले नहीं

सीतापुर, 7 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतापुर के नैमिषराण्य में अपने भाषण की शुरुआत रामचरितमानस की पंक्तियों के साथ की है। उन्होंने कहा कि तीर्थवर नैमिष विख्याता.... मैं नैमिष की इस पवित्र धरा को प्रणाम करता हूं। वह मंगलवार को चुनाव प्रचार के सिलसिले में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। जहां उन्होंने कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज मुझे एक बार फिर भारत के वैदिक ज्ञान की परंपरा को प्रदान करने वाली पावन धरा... मां ललिता की इस दैवीय शक्ति वाली धरा में आने का सौभाग्य मिला। यह नैमिष का ही महत्व है कि आज दुनिया जनपद सीतापुर और उत्तर प्रदेश की ओर देख रही है।

जब भी कोई राम के अस्तित्व को नकारने का काम करता है तो नैमिषारण्य की धरती प्रमाण के साथ खड़ी होती है। भगवान राम के अस्तित्व, कृष्ण के अस्तित्व को चुनौती देना एक फैशन सा बन गया है। इसके बारे में यही कहूंगा विनाशकाले विपरीत बुद्धि। जब किसी की बुद्धि भ्रष्ट होती है तो वह आपके सनातन धर्म को अपशब्द कहता है। यहां प्रभु श्रीराम की सत्ता को चुनौती देने वाले कहां ठहर पाएंगे। बीते 10 साल में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। जैसे एक नई अयोध्या तैयार हो गई है, ऐसे ही एक नया नैमिषारण्य बनकर तैयार हो रहा है।

मां ललिता के धाम के पुनरुद्धार के लिए सरकार कार्य कर रही है

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिस दिन नया नैमिषारण्य पूरी तरह उभर कर आएगा, रोजगार भी सृजित होगा। यह काम वही कर सकता है जो राम पर आस्था रखता हो। जो राम भक्त है। यह काम भाजपा ही कर सकती है। यह वो नहीं कर सकते जो आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेते हैं।

आज तीसरे चरण में फिर से मतदान हो रहा है। यह 400 पार करने का लक्ष्य नजदीक आ गया है। अबकी बार मोदी सरकार फिर आएगी। 400 का लक्ष्य भी पूरा होगा। आज की पीढ़ी सौभाग्यशाली है, जिसने बदलते भारत को देखा है। आज की पीढ़ी कह सकती है कि हमने वो काल देखा है जब प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजमान हुए। आतंकवाद को नेस्तनाबूत करके हमेशा के लिए राम नाम सत्य कर दिया। हमने वो भारत देखा है जब हाईवे, एक्सप्रेस वे, ट्रिपल आईटी से लेकर हर घर जल की योजना लागू हो रही है। 80 करोड़ लोग राशन की सुविधा का फ्री में लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अब तक 12 करोड़ लोगों को शौचालय दिए जा चुके हैं। 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि प्राप्त हो रही है। सीतापुर जिले को सर्वाधिक गैस सिलेंडर व शौचालय दिए गए। जिनके घर मे सिलेंडर नहीं हैं। चुनाव के बाद उन्हें मिलेगा। जिसको घर नहीं मिल पाया है चुनाव बाद घर मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब आपका वोट कांग्रेस या सपा को जाता था तो अयोध्या में और काशी में हमला होता था। आज मंगलवार का दिन है सपा ने संकटमोचक मंदिर में हमला करवाया था। जब अखिलेश यादव आए तो उन्होंने आतंकवादियों के मुकदमो को वापस लेने का कुत्सित प्रयास किया था। अभी एक माफिया की मौत हुई तो फातिहा पढ़ने के लिए सपा के लोग उसके घर गए थे। कल्याण सिंह की मौत पर एक भी संवेदना का शब्द नहीं बोला था। चुनाव के महापर्व में ऐसे वोट करिए कि ये सब गायब हो जाएं।

लखनऊ की डॉक्टर से 85 लाख की ठगी

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में केजीएमयू के डॉक्टर को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 85 लाख रुपए की ठगी की गई। डॉ.सौम्या गुप्ता इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट में रहती हैं। पुलिस ने सोमवार को आरोपी देवाशीष को गिरफ्तार कर लिया। मास्टरमाइंड एमसीए पास है। उसने फोन कॉल के दौरान 2 घंटे के भीतर पैसे ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद डॉक्टर को 10 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। डॉक्टर सौम्या गुप्ता को जब फोन आया, तब कॉलर ने खुद को कस्टम ऑफिसर बताया। कार्गो में फर्जी कागजात के साथ ड्रग्स होने की बात कही। फिर सीबीआई ऑफिसर बनकर जेल भेजने की धमकी दी। डॉक्टर ने बताए गए बैंक खाते में 85 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। साइबर थाना प्रभारी बृजेश कुमार यादव का कहना है कि डॉक्टर 10 दिन डिजिटल अरेस्ट होने के बाद भी वह किसी से कुछ शेयर नहीं की। जिस बैंक खाते में आरोपी ने पैसे ट्रांसफर काराया था वहां के बैंक मैनेजर को शक हुआ। मैनेजर ने खाता फ्रीज कर दिया। इसके बाद आरोपी देवाशीष नेट बैंकिंग के सहारे दूसरे खातों में पैसे ट्रांसफर कराया।

राम गोपाल बोले-राम मंदिर बेकार, नक्शा ठीक नहीं

मंदिर ऐसे नहीं बनते; भाजपा बोली-इनके लिए कब्रिस्तान बनवाना अच्छा, मंदिर बेकार

मैनपुरी, 7 मई (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. राम गोपाल यादव ने मंगलवार को कहा- हम रोज राम के दर्शन करते हैं। वो मंदिर तो बेकार का है। मंदिर ऐसे बनाए जाते हैं? मंदिर ऐसे नहीं बनते हैं। मंदिर वास्तु के हिसाब से भी ठीक नहीं बना है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पुराने मंदिर देख लीजिए कैसे बनते हैं? राम गोपाल यूपी के सैफई में वोट डालने पहुंचे थे, वहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

इसके तुरंत बाद भाजपा ने सपा-कांग्रेस को टारगेट पर ले लिया। मध्यप्रदेश के खरगोन में पीएम मोदी ने कहा- अब मोदी 400 सीटें इसलिए मांग रहा है...ताकि मैं कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हर साजिश को रोक सकूं। कांग्रेस कश्मीर में धारा 370 फिर से लागू न कर दे। अयोध्या के राम मंदिर पर ताला न लगा दे। कांग्रेस देश की खाली जमीन, खाली द्वीप दूसरे देशों को न सौंप दे।

एससी/एसटी/ओबीसी को मिले आरक्षण पर वोटबैंक के लिए डाका न डाले। कांग्रेस अपने वोटबैंक की सभी जातियों को रातोंरात ओबीसी न घोषित कर दे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से कहा- समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का चरित्र हिंदू और राम विरोधी है। 'जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'। ये रामभक्तों पर गोली चलाने, श्रीराम के अस्तित्व को नकारने और मर्यादा प्रभु श्रीराम की ईश्वरीय सत्ता को चुनौती देने वाले लोग हैं। भारत की आस्था और राष्ट्र नायकों का सम्मान करें, आजादी के आंदोलनों में योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति श्रद्धा का भाव रख सकें, इन लोगों से ऐसी उम्मीद करना बेमानी है। सीतापुर पहुंचे सीएम योगी ने कहा- ये प्रभु राम और कृष्ण की सत्ता को चुनौती देने वाले कहां ठहर पाएंगे। अपनी हार को देखते ही ये लोग फिर से राम के अस्तित्व को चुनौती देने लगे हैं। क्या आप लोग इन्हें स्वीकार करेंगे? क्या भारत इन्हें स्वीकार करेगा?

इंडी गठबंधन राम मंदिर में ताला लगवाना चाहता है दिल्ली में भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- कब्रिस्तान बनवाना अच्छा था, मंदिर बेकार है। कल तक यूपी मुख्तार अंसारी, अबू सलेम, अतीक अहमद और छोटा शकील के लिए जाना जाता था। यूपी में जिला गाजियाबाद, लखनऊ सेंट्रल, मिर्जापुर नाम की फिल्में बनती थीं। यानी पूरी तरह क्राइम पर आधारित फिल्में। यह इनके लिए अच्छा था। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा- आज अयोध्या, काशी, कुशीनगर, प्रयाग यहां पर उभरता हुआ यूपी इनके लिए बेकार है। मैं प्रोफेसर रामगोपाल यादव से पूछना चाहूंगा कि सूर्य तिलक हुआ, इतना शानदार और साइंटिफिक। क्या वो भी बेकार था? एक लाख करोड़ का बिजनेस तो उस समय हुआ, जब मंदिर का उद्घाटन हुआ। अयोध्या में एयरपोर्ट बन गया, वो भी बेकार था?

गायत्री प्रजापति केस से जज ने खुद को अलग किया

पूर्व मंत्री ने गैंगरेप मामले में उम्रकैद की सजा को चुनौती दी; 2021 में आया था फैसला

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। यूपी की सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गायत्री प्रजापति ने लखनऊ हाईकोर्ट में उम्रकैद की सजा को चुनौती दी है। इस केस में पिछले सप्ताह सुनवाई होनी थी लेकिन लखनऊ बेंच के एक जज ने खुद को मामले से अलग कर लिया है। इसकी वजह से सुनवाई टाल दी गई है और अब नई बेंच सुनवाई करेगी। 1 मई 2024 को गायत्री प्रजापति व दूसरे अपीलकर्ताओं की याचिका पर जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव प्रथम बेंच के सामने सुनवाई होनी थी। लेकिन जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव प्रथम ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। यह साफ नहीं हो पाया है कि जज ने किस वजह से मामले से खुद को अलग किया है। माना जा रहा है कि इस याचिका पर अगली सुनवाई दूसरी खंड पीठ के सामने 8 मई को हो सकती है।

2017 में गायत्री पर मुकदमा दर्ज हुआ

18 फरवरी 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह के लखनऊ के गौतम पल्ली थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। उनके खिलाफ गैंगरेप, जानमाल की धमकी व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पीड़िता ने गायत्री प्रजापति व उसके साथियों पर खुद के साथ गैंगरेप और नाबालिग बेटी के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया था। केस दर्ज होने के करीब 6 महीने बाद यानी 18 जुलाई 2017 को पॉक्सो कोर्ट ने गायत्री प्रजापति सहित विकास, आशीष, अशोक, अमरेंद्र, चंद्रपाल व रुपेश्वर के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 डी, 354 ए(1), 509, 504 व 506 में आरोप तय किया। 12 नवंबर 2021 को कोर्ट ने गायत्री प्रजापति, आशीष शुक्ला व अशोक तिवारी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

अखिलेश बोले–जिन्होंने मंदिर धोया कन्नौज की जनता उनको धोएगी

उन्नाव में बोले- योगी भगवान राम की कसम खाकर कहें पेपर लीक नहीं कराया

उन्नाव, 7 मई (एजेंसियां)। सपा मुखिया अखिलेश यादव आज उन्नाव पहुंचे। शहर के जीआईसी मैदान में सपा प्रत्याशी अनु टंडन के लिए चुनावी सभा को संबोधित किया। कन्नौज में मंदिर धोने वाले मामले पर अखिलेश ने कहा- जिन लोगों ने मंदिर को धोया है, कन्नौज की जनता उनको इतना धोएगी कि वो किसी लायक नहीं रहेंगे। जहां पेपर लीक हुआ वहां भाजपा की सरकार है, इन्होंने 60 लाख युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, योगी जी भगवान राम की कसम खाकर कहें कि पेपर लीक में उनके लोग शामिल नहीं थे। समाजवादी लोग सभी भगवानों को मानते हैं। जीआईसी मैदान में चुनावी सभा में सपा प्रमुख ने कहा- इस बार उन्नाव में जो हवा चल रही है, इंडिया गठबंधन के पक्ष में अपील करते चले आ रहे हैं। पहले ही चरण से जिन मतदाताओं ने मन बना लिया, उन करोड़ों मतदाताओं का मैं आभार व्यक्त करता हूं। भारतीय जनता पार्टी की सफाई करेंगे। हार देखकर इनकी भाषा बदल गई है। अब ये 400 पार नहीं, 400 पर हारने जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा- बीजेपी वालों ने बड़ी बड़ी होर्डिंग लगा रखी हैं उसमें लिखा है कि डबल इंजन की सरकार है, उसमें एक इंजन गायब है। जो उन्नाव का खटारा इंजन था वो पहले से गायब है, उसे जगह ही नहीं मिली। 10 साल में दिल्ली सरकार में हमारा किसान घाटे में चला गया है। इस सरकार में कोई किसान कह दे कि उसकी आय दोगुनी हुई हो। हक के लिए जब दिल्ली गए तो सरकार ने नहीं जाने दिया। किसान अपना हक मांग रहा था, इस सरकार ने दीवार बना दी। गोली चलवा दी। किसान शाहिद भी हुए। तब सरकार ने तीन कानून वापस लिए, तब पीछे हटी।

हम अपने किसान भाइयों से कहकर जा रहे हैं कि अपने किसानों को एमएसपी के लिए कानूनी अधिकार दिलाएंगे। बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया। 16 लाख करोड़ का। जब नियम बनाया था जिन लोगो का बैंकों का कर्ज 5 करोड़ के ऊपर है, उनका माफ होगा। लेकिन जो किसान लाखों का कर्ज लेता है वह माफ नहीं होता है।

10 मई को कन्नौज और कानपुर में सपा-कांग्रेस की संयुक्त जनसभा

राहुल गांधी-अखिलेश यादव करेंगे संबोधित

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। अयोध्या और कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के बाद अब इंडिया गठबंधन ने अपने अगले कदम का एलान कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 10 मई को पहले कन्नौज और फिर कानपुर में संयुक्त रूप से जनसभा को संबोधित करेंगे। इस संबंध में कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राहुल गांधी आने वाले शुक्रवार को अखिलेश यादव के समर्थन में कन्नौज में जनसभा को संबोधित करेंगे। अखिलेश यादव कन्नौज लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हैं। इसके बाद दोनों नेता कानपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। कानपुर में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा चुनावी मैदान में हैं। यूपी में इंडिया गठबंधन के तहत सपा 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

लखीमपुर-खीरी पहुंचीं बसपा प्रमुख मायावती

बोलीं-अजय मिश्र टेनी ने इतना बड़ा कांड किया, इनकी जमानत जब्त करानी है

लखीमपुर, 7 मई (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती आज लखीमपुर खीरी पहुंचीं। उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा- यहां भाजपा के जो सांसद हैं जो उनकी जमानत जब्त कराने का काम करना है। मेरी अपने किसान भाईयों से अपील है कि अपने ऊपर ज्यादती को न सहें। भारतीय जनता पार्टी जुमले बाजी करती है और वह कहती है कि हम राशन फ्री दे रहे हैं, जबकि राशन वह फ्री नहीं दे रहे, हम लोग जो टैक्स अदा करते हैं उसे पैसे से सरकार राशन दे रही है। इसका श्रेय भारतीय जनता पार्टी खुद ले रही है, उन्होंने रोजगार का दावा किया था, मगर कितने नौजवानों को रोजगार मिला, भाजपा के लोग बाबा साहब द्वारा लिखा गया संविधान खत्म करना चाहते हैं। जिसे बहुजन समाज पार्टी के लोग खत्म नहीं होने देंगे।

टेनी पर किया हमला

बसपा सुप्रीमो ने कहा- लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अजय मिश्रा ने अपने कार्यकाल में इतना बड़ा कांड कर दिया। सरदारों का उत्पीड़न हुआ, किसानों का उत्पीड़न हुआ। किसान और सरदार अब चुप नहीं बैठेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री आज शहर के जीआईसी ग्राउंड में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं।

बदायूं के 16 गांवों में लोगों ने किया मतदान का बहिष्कार

बदायूं, 7 मई (एजेंसियां)। बदायूं जिले में मतदान के लिए तमाम प्रयास किए गए, लेकिन जनसमस्याओं के समाधान पर उतनी गंभीरता नहीं दिखी। नतीजा चुनाव के दिन सामने आ गया। तीसरे चरण के चुनाव में मंगलवार को मतदान के दौरान जिले के 16 गांव में बिजली और सड़क का मुद्दा छाया रहा। इसको लेकर ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। दोपहर तक उन्हें मनाने का क्रम चलता रहा।

मतदान करने के लिए 13 गांवों के लोग मान गए लेकिन शाम चार बजे तक तीन गांव के लोग मतदान करने नहीं पहुंचे। उन्हें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समझाने में लगे रहे। सहसवान ब्लॉक क्षेत्र के गांव बसंतनगर, इस्लामनगर के पुरदलपुर और खुशहालपुर में लोग नहीं माने तो तीन बजे के बाद अधिकारियों ने मतदान का शून्य खत्म करने के लिए कुछ मतदाताओं को राजी किया। वोट डलवाए।

सड़क के लिए सड़क पर उतरे ग्रामीण, प्रदर्शन

सहसवान ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत खंडुआ के मझरा बसंतनगर के ग्रामीणों ने सड़क को लेकर मतदान का बहिष्कार कर दिया। जब सुबह 11 बजे तक ग्रामीण मतदान करने नहीं पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे तो पीठासीन अधिकारी ने उच्चाधिकारियों को सूचना दी, जिससे सहसवान एसडीएम प्रेमपाल सिंह और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों ने मतदान न करने की वजह पूछी तो ग्रामीणों ने बताया कि बसंतनगर गांव से करियामई तक करीब तीन किलो मीटर तक कच्ची सड़क है। वह पिछले कई साल से सड़क निर्माण कराने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन हर बार मामला टाल दिया जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया था। तब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाबुझाकर मतदान करा दिया था लेकिन सड़क का निर्माण फिर भी नहीं हो पाया। सड़क न बनने से कई युवाओं की शादी तक नहीं हुई है। ग्रामीणों को काफी समझाया गया लेकिन उन्होंने शाम तक मतदान नहीं किया। इसी तरह भरतपुर गांव के लोग भी नजदीकी गांव उदयपुर में मतदान केंद्र बनाने से नाराज हैं, जिससे वह मतदान करने नहीं पहुंचे। यहां केवल दो-तीन लोगों ने ही मतदान किया।

बिजली नहीं मिली तो लोग आक्रोशित हुए

इस्लामनगर ब्लॉक क्षेत्र के गांव पुरदलपुर में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। उन्होंने बताया कि उनके गांव में रुदायन फीडर से बिजली आती है। लगातार ट्रिपिंग होती है। बिजली कटौती भी खूब होती है। किसानों की फसलें सूख जाती हैं। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। गांव में 40 बीघा जमीन विद्युत उपकेंद्र के नाम से पड़ी हुई है लेकिन आज तक उपकेंद्र नहीं बन पाया। उनके गांव में 1250 मतदाता हैं। इसकी सूचना पर सहसवान एसडीएम प्रेमपाल सिंह, इस्लामनगर इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख गजेंद्र सिंह गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की लेकिन ग्रामीण नहीं माने। पुलिस ने दबाव बनाकर दो-तीन महिलाओं से मतदान करा दिया लेकिन उसके बाद किसी ग्रामीण ने मतदान नहीं किया। इसी तरह खुशहालपुर के ग्रामीणों ने भी बिजली समस्या को लेकर मतदान नहीं किया।

गुस्सा भड़का तो मनाने पहुंचे विधायक और एसडीएम

आसफपुर ब्लॉक क्षेत्र के पांच गांव के लोगों ने मतदान करने से इन्कार कर दिया। इनमें दौलतपुर, मुंसिया नगला, भरतपुर, बीधा नगला और ललुआ नगला के ग्रामीणों ने बिजली और सड़क की समस्या को लेकर बहिष्कार किया।

पत्नी पर गिरा हाईटेंशन लाइन का तार, बचाने दौड़ा पति-दोनों की मौत

हरदोई, 7 मई (एजेंसियां)। हरदोई जिले के हरपालपुर में अरवल थाना क्षेत्र के तेरापुरसौली गांव में फसल की रखवाली कर रहे पति को खाना देने गई पत्नी पर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। करंट की चपेट में आई पत्नी को बचाने के लिए पति भी पहुंच गया। घटना में दोनों की मौत हो गई। अरवल थाना क्षेत्र के तेरापुरसौली गांव निवासी रामभजन (65) खेती करते थे। उनके खेत में इन दिनों मूंगफली की फसल तैयार हो रही है। मंगलवार को वह फसल की रखवाली करने के लिए खेत में मौजूद थे। दोपहर में उनकी पत्नी हेमकली (60) उनके लिए खाना देने गई थीं। पति का इंतजार करने के लिए वह पीपल के पेड़ के नीचे बैठ गईं। इसी दौरान ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर हेमकली गिर गया। पत्नी को झुलसते देख खेत से पेड़ की तरफ आ रहे रामभजन ने दौड़ लगा दी।

लालू यादव मुसलमानों को धर्म आधारित आरक्षण देने के पक्ष में

पटना, 7 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी नेता मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर इंडी गठबंधन पर हमला कर रहे। दरभंगा की जनसभा में पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस और राजद पूरे देश में कर्नाटक मॉडल लागू करना चाहती है। पिछड़ों का हक छीन मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। अब इस मामले पर इंडी गठबंधन के वरीय नेता और राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़ा बयान दिया है।

मोदी-शाह जनता को भड़का रहे

ओबीसी का हक छीन कर मुसलमानों को देने के सवाल पर लालू प्रसाद ने स्पष्ट कहा कि मुसलमानों को तो आरक्षण मिलना ही चाहिए। लालू प्रसाद ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जनता को भड़का रहे हैं। इंडी गठबंधन से डर गए हैं। इसलिए जनता को भड़का रहे हैं। कांग्रेस की सरकार बनने पर धर्म के आधार पर आरक्षण के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि एनडीए वालों संविधान को खत्म करना चाहते हैं। लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। जनता के जेहन में यह बात आ गई है। जनता सब कुछ समझ चुकी है।

भाजपा ने किया पलटवार

राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने लालू के बयान पर पलटवार करते हुए एएनआई से कहा, भाजपा और पीएम मोदी जिन आशंकाओं को व्यक्त कर रहे थे वे अब पूरी तरह से सच साबित होती दिख रही है। मुस्लिम आरक्षण का जिन्न इंडी गठबंधन के चिराग से बाहर निकल कर दक्षिण से लेकर अब गंगा के मैदान तक पहुंच कर भारत के आकाश पर दिख रहा है। लालू प्रसाद यादव ने जो बयान दिया है उसमें गौर करने लायक बात ये है कि हां मिलना चाहिए। आगे सबसे गंभीर शब्द था पूरा का पूरा यदि पूरा का पूरे मुस्लिम समाज को आरक्षण मिलना चाहिए तो ये साफ हो गया कि एससी, एसटी और ओबीसी का हिस्सा मारकर वे मुस्लिम समाज को आरक्षण देना चाहते हैं। ये आशंका सत्य साबित हो गई। इससे एक और बात साफ हो गई की अब राजद के एमवाई समीकरण में एम प्राथमिक हो गया और वाई पीछे रह गया। प्रचलित धारणा के हिसाब से एम का अर्थ मुस्लिम और वाई यादव माना जाता था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 8 मई, 2024 5

युविचार

मन की बात कह देने से फैसले हो जाते है, मन में रखने से फासले हो जाते है

बिना किसी गलती के सम्पन्न हो मतदान प्रक्रिया

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर शशांक ने सुझाव दिया कि मतदान प्रक्रिया बिना किसी गलती के सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

संसदीय चुनावों के मद्देनजर, चेवेल्ला रिटर्निंग ऑफिसर कलेक्टर शशांक ने विकाराबाद जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर राहुल शर्मा और सहायक कलेक्टर उमाहरती के साथ विकाराबाद में मैरी ए नॉट्स स्कूल में स्थापित वितरण केंद्र की व्यवस्था और कमीशनिंग प्रक्रिया की समीक्षा की। विकाराबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और तांडूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए सेंट मार्क इंटरनेशनल हाई स्कूल, तांडूर में स्थापित वितरण केंद्र की व्यवस्था और कमीशनिंग प्रक्रिया और पारिगी में मिनी स्टेडियम में स्थापित वितरण केंद्र की व्यवस्था और कमीशनिंग प्रक्रिया।

परिगी विधानसभा क्षेत्र के संबंध में जांच की गई। विकाराबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में जिला परिषद बॉयज हाई स्कूल में मतदाता सुविधा केंद्र स्थापित किया गया, तांडूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में सरकारी हाई स्कूल नंबर-1 में मतदाता सुविधा केंद्र स्थापित किया गया, बॉयज हाई स्कूल नंबर-1 के संबंध में मतदाता सुविधा केंद्र स्थापित किया गया परिगी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कर्मचारियों द्वारा मतपत्र के माध्यम से मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के तरीके की जांच की गई। इस मौके पर निर्वाची पदाधिकारी ने कहा कि इस माह की 13 तारीख को होने वाले मतदान को लेकर सभी सावधानियां बरती जाये।

यह सुझाव दिया गया है कि आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्टाफ का गठन किया जाना चाहिए ताकि मतदान कर्तव्यों में बाधा न आए। विकाराबाद समाहरणालय में प्रथम चेवेल्ला संसदीय रिटर्निंग अधिकारी शशांक, जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी, जिला एसपी एन. कोटिरेड्डी, सहायक कलेक्टर उमाहारती, जेडडीपी सीईओ सुधीर और डीआरडीओ श्रीनिवास ने फूलों से स्वागत किया। विकाराबाद के तहसीलदार लक्ष्मीनारायण, सुविधा केंद्र की नोडल अधिकारी साजिदा बेगम, डाक मतपत्र के नोडल अधिकारी प्रवीण और अन्य ने इस यात्रा में भाग लिया।

बीयर और शराब की आपूर्ति बढ़ाओ सरकार

उत्पाद शुल्क विभाग से हस्तक्षेप का अनुरोध

टीएस वाइन डीलर्स एसोसिएशन ने लिखा पत्र

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वाइन डीलर्स एसोसिएशन ने निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग को पत्र लिखकर बीयर और शराब की आपूर्ति में अभूतपूर्व कमी को दूर करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

आयुक्त, निषेध और उत्पाद शुल्क को एक पत्र में एसोसिएशन ने कहा कि तेलंगाना भर में शराब और बीयर की आपूर्ति की कमी का गंभीर मुद्दा, विशेष रूप से खुदरा विक्रेताओं को प्रभावित कर रहा है। मार्च 2024 से, हमारे डिपो में स्टॉक की आपूर्ति में लगातार गिरावट आ रही है, जिससे पूरे राज्य में भारी कमी हो गई है।

हाल के महीनों में बीयर की बढ़ती मांग और इस साल की असामान्य रूप से तीव्र गर्मी ने स्थिति को और खराब कर दिया है, मांग उपलब्ध आपूर्ति से कहीं अधिक है। एसोसिएशन ने कहा कि निर्माताओं से पूछताछ के बावजूद, हमें अनियमित आपूर्ति आवृत्तियों के लिए स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं मिला है। खुदरा विक्रेताओं के रूप में हम बीयर की बिक्री पर बहुत अधिक निर्भर हैं, विशेष रूप से अप्रैल से जून के महीनों के दौरान, लोकप्रिय ब्रांडों की अनुपलब्धता हमारे व्यवसाय संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान हो रहा है।

खत्म हो गई मोदी जी की गारंटी की वारंटी : रेवंत रेड्डी

इंडिया गठबंधन को मिलेंगी जादुई संख्या 272 से अधिक सीटें

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को विश्वास व्यक्त किया कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को जादुई संख्या 272 से अधिक सीटें मिलेंगी और केंद्र में सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी जी की गारंटी की वारंटी समाप्त हो गई है और भाजपा के चुनाव हारने के साथ देश में बदलाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि मैं केरल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश गया। मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से चुनावों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा हूं। मोदी जी की गारंटी की वारंटी खत्म हो गई। वारंटी खत्म होने पर लोगों के लिए मोदी जी को वोट देना मुश्किल है। इसीलिए, देश में बदलाव दिख रहा है।

भाजपा के '400 पार' के नारे और चुनाव में कांग्रेस के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगी। तेलंगाना में कांग्रेस के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम केरल में 20 सीटें, तमिलनाडु में 39 में से 39 सीटें, पांडिचेरी में एक सीट, कर्नाटक में कम से कम 14 सीटें, तेलंगाना में 14 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि मोटे तौर पर 272 जादुई संख्या है और इंडिया गठबंधन को 272 से अधिक सीटें मिलेंगी।

यह पूछे जाने पर कि भाजपा के नारे 'अबकी बार 400 पार' की पृष्ठभूमि में कांग्रेस पार्टी का नारा क्या है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी केवल नारों के लिए नहीं बोलती है और वह '5 न्याय, 25 गारंटी' पर चुनाव लड़ रही है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी ने प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियों, काला धन वापस लाने और गरीबों के खातों में 15 लाख रुपये जमा करने और किसानों की आय दोगुनी करने के अपने 'वादों' को लागू नहीं किया है।

छात्र वीजा नियुक्तियों की पहली किश्त जल्द होगी जारी

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की घोषणा

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्र वीजा के लिए प्रत्याशा बढ़ रही है क्योंकि हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने मई के अंत में होने वाले साक्षात्कार के लिए छात्र वीजा नियुक्ति स्लॉट की प्रारंभिक किश्त जारी करने की घोषणा की है। हाल की एक घोषणा में वाणिज्य दूतावास ने आगामी हफ्तों में जून, जुलाई और अगस्त के लिए अतिरिक्त नियुक्ति किश्तों का अनावरण करने की योजना का उल्लेख किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका विशेष रूप से भारतीय छात्रों के लिए वीज़ा प्रसंस्करण समय को कम करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। यह पहल अधिक भारतीय छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक आसान मार्ग प्रदान करने के लिए भारत में अमेरिकी मिशन के प्रयासों के बीच आई है। इस वर्ष वीज़ा आवेदनों में वृद्धि की उम्मीद के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य इच्छुक छात्रों के लिए वीज़ा अधिग्रहण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

हैदराबाद में जल संकट गहराया

अवैध बोरवेल बन रहे कारण, राज्य में भूजल की गहराई -1.74 मीटर गिरी

हैदराबाद में -1.03 मीटर गिर गई गहराई

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और पूरे तेलंगाना में भूजल स्तर में भारी गिरावट देखी गई है, जिसका मुख्य कारण अवैध बोरवेल का प्रसार है। अधिकारियों के मुताबिक, अप्रैल 2023 से अप्रैल 2024 तक राज्य में भूजल की गहराई -1.74 मीटर और हैदराबाद में -1.03 मीटर गिर गई। अप्रैल 2024 में हैदराबाद के निवासियों को औसतन जमीन से 10.51 मीटर नीचे से पानी मिल सका, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 9.48 मीटर था। भूजल विभाग के निदेशक एन शंकर ने कहा कि खासकर हैदराबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अवैध बोरवेल का बड़े पैमाने पर होना और वर्षा जल संचयन प्रणालियों के रखरखाव की कमी पानी की कमी के संकट में प्राथमिक योगदानकर्ता हैं।

नागरिकों और भूजल विभाग की शिकायतों के बावजूद अवैध बोरवेलों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई अपर्याप्त है। शंकर ने भूजल विभाग के भीतर प्रवर्तन तंत्र की कमी और अन्य संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाईयों के बारे में अनिश्चितता पर चिंता व्यक्त की। इसके अलावा जैसे-जैसे भूजल का स्तर गिरता जा रहा है, लोग गहरे बोरवेल खोद रहे हैं, जिससे कमी बढ़ रही है और दशकों से जमे पानी के भंडार का दोहन हो रहा है। इन ख़त्म हुए जलभृतों को रिचार्ज करने में वर्षों लग सकते हैं, जो जल संरक्षण उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। भूजल विभाग ने 33 जिलों में 1,718 स्टेशनों के माध्यम से स्तरों की निगरानी की, जिससे अप्रैल 2024 में जमीनी स्तर से नीचे 10.51 मीटर की औसत गहराई का पता चला, जिसमें जगित्याल में 5.70 एमबीजीएल से लेकर मेदक में 15.79 एमबीजीएल तक की भिन्नता थी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 मई - 2024

क्या ब्लू कॉर्नर नोटिस से प्रज्वल वापस आएगा

सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को लेकर कांग्रेस के आरोपों के बाद विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान सामने आया है। कांग्रेस का कहना है कि पीएम मोदी को 'प्रज्वल का सच' पता था, उसके बावजूद केंद्र सरकार ने उसे देश छोड़कर भागने की इजाजत दी। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि राजनयिक पासपोर्ट होने की वजह से प्रज्वल को वीजा और दूसरी किसी भी तरह की यात्रा से जुड़ी हुई औपचारिकता की जरूरत नहीं थी। इसलिए वो बिना परमिशन के देश छोड़कर भाग गया। प्रज्वल के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी कर दिया गया है। ऐसे में सवाल है कि ब्लू कॉर्नर नोटिस क्या है, क्या इससे प्रज्वल को भारत वापस लाया जा सकेगा, क्या डिप्लोमैटिक पासपोर्ट होने पर विदेश जाने के लिए परमिशन की जरूरत नहीं पड़ती।

बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं और कर्नाटक के हासन से जेडीएस के मौजूदा सांसद हैं। लोकसभा चुनाव में जेडीएस, कर्नाटक में बीजेपी की सहयोगी पार्टी है। प्रज्वल के देश छोड़कर जाने के बाद से कांग्रेस, बीजेपी पर हमलावर है। कर्नाटक कांग्रेस ने प्रज्वल से जुड़े मामले में पीड़ित महिलाओं को आर्थिक मदद देने की भी घोषणा की है। बीते दिनों कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, प्रज्वल का सच जानते थे, फिर भी उन्होंने सच छिपाया।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हमने प्रज्वल की जर्मनी यात्रा को लेकर कोई मंजूरी नहीं दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'प्रज्वल के जर्मनी जाने को लेकर मंत्रालय से कोई राजनीतिक मंजूरी न ही मांगी गई और न ही जारी की गई थी। प्रज्वल को कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया गया, क्योंकि जिन लोगों के पास राजनयिक पासपोर्ट होता है उन्हें किसी भी देश में जाने के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती।'

डिप्लोमैटिक या ऑफिशियल पासपोर्ट राजनयिक दर्जा रखने वाले लोगों, संसद के सदस्यों और विदेश में आधिकारिक सेवाएं देने वाले अधिकारियों को जारी किए जाते हैं। इस तरह के पासपोर्ट को 'टाइप डी' पासपोर्ट भी कहा जाता है। राजनयिक पासपोर्ट धारकों को कुछ विशेषाधिकार मिलते हैं, हालांकि प्रशासन को यह भी ध्यान रखना होता है कि इसका गलत इस्तेमाल न किया जाए।

साल 2011 में जर्मनी के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत, भारत के राजनयिक पासपोर्ट धारकों को 90 दिनों तक बिना वीजा जर्मनी में रहने की अनुमति है। अभी तक फ्रांस, ऑस्ट्रिया, अफगानिस्तान, चेक रिपब्लिक, इटली, ग्रीस, तुर्की, ईरान, स्विट्जरलैंड और जापान जैसे 34 देश भारतीय राजनयिक पासपोर्ट धारकों को 30 से 90 दिनों तक बिना वीजा अपने यहां रहने की अनुमति देते हैं।

दिसंबर 2022 में राज्यसभा के संसदीय बुलेटिन के मुताबिक, 'डिप्लोमैटिक पासपोर्ट पर यात्रा के लिए सदन के सदस्य (सांसद) खुद ही संबंधित विदेशी दूतावास या हाई कमीशन से वीजा की व्यवस्था करते हैं। यह नियम उन संसद सदस्यों पर भी लागू होता है जो अपनी व्यक्तिगत क्षमता पर विदेश से बुलावे या बिना बुलावे के अपनी विशेषज्ञता या जानकारी के क्षेत्रों से जुड़े सेमिनारों या सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए विदेश जाते हैं।'

इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाईजेशन यानी इंटरपोल दुनिया के 196 देशों का संगठन है। फ्रांस में इसका मुख्यालय है। इंटरपोल अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अपराधियों पर शिकंजा कसने और देशों के बीच अलग-अलग तरीके के अपराधों से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए बनाया गया है। इंटरपोल, ब्लू कॉर्नर को मिलाकर कुल सात तरीके के नोटिस जारी करता है। ये नोटिस, सदस्य देशों के इंटरपोल नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के अनुरोध पर इंटरपोल के सेक्रेटेरिएट की तरफ से जारी किए जाते हैं। इसके बाद ये नोटिस सभी सदस्य देशों को उपलब्ध करवा दिए जाते हैं।

ब्लू नोटिस केवल जांच एजेंसियों की जांच को आगे बढ़ाने के लिए है। सीबीआई की वेबसाइट ब्लू कॉर्नर नोटिस को 'बी सीरीज (ब्लू) नोटिस' या 'इन्क्वायरी नोटिस' कहती है। वेबसाइट के मुताबिक, 'ऐसे नोटिस, किसी की पहचान सत्यापित करने, उसके आपराधिक रिकॉर्ड की डिटेल्स इकट्ठा करने, किसी ऐसे व्यक्ति का पता लगाने के लिए जो लापता है या ज्ञात/अज्ञात अंतर्राष्ट्रीय अपराधी है या सामान्य आपराधिक कानूनों से जुड़े किसी मामले में वांछित है या जिसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया जा सकता है। आम तौर पर ब्लू नोटिस आपराधिक आरोप दायर करने से पहले या तुरंत बाद में जारी किया जाता है, जबकि रेड नोटिस सजा मिलने के बाद किसी भगोड़े अपराधी की गिरफ्तारी के लिए जारी किए जाते हैं। इंटरपोल के नोटिस पूरी तरह से उसके अपने विवेक पर निर्भर होते हैं, यानी इंटरपोल खुद किसी देश के अधिकारियों या पुलिस को किसी नोटिस के मुताबिक, कार्रवाई करने पर मजबूर नहीं कर सकता। ऐसे में काफी हद तक इंटरपोल के नोटिस जारी होने के बाद की कार्रवाई दो देशों के संबंधों पर निर्भर करती है। जर्मनी और भारत के संबंध काफी अच्छे रहे हैं, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि जर्मनी के अधिकारी प्रज्वल के मामले को सुलझाने में सहयोग की भूमिका में रहेंगे।

कथित रूप से सैकड़ों सेक्स वीडियो क्लिप सामने आने के बाद 27 अप्रैल को प्रज्वल भारत छोड़कर जर्मनी चले गए थे। 28 अप्रैल को उनकी पूर्व घरेलू सहायिका ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाई थी। इस दौरान कथित रूप से प्रज्वल से जुड़े सेक्स स्कैंडल के 200 से ज्यादा वीडियो सामने आए। दावा किया गया कि महिलाएं खुद को छोड़ने की गुहार लगा रही हैं और प्रज्वल वीडियो शूट कर रहे हैं। इन आरोपों के बाद 30 अप्रैल को प्रज्वल को पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया। प्रज्वल और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ अपहरण का मामला भी दर्ज किया गया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। 3 मई को एसआईटी ने एचडी रेवन्ना और उनके करीबी सतीश बबन्ना को गिरफ्तार कर लिया था। एच डी रेवन्ना ने अग्रिम जमानत की अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। एचडी रेवन्ना की हिरासत 8 मई तक के लिए बढ़ा दी गई है।

कहां से बन रहा पैसों का पहाड

काले कानून से निपटने के लिए तरह-तरह के जतन किए गए। हजारों कर्मचारियों की फौज खडी की गई। जरूरत के अनुसार नियम व कायदों में काफी बदलाव कर सख्त कानून बनाए गए। इसके बाद भी भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता व अफसर कई-कई करोड़ नगद डकार कर अपने घरों में रखने में तनिक भी खौफ नहीं खाते। बता दें कि लंबे समय से देश भर में काले धन के खिलाफ अभियान चल रहा है। जांच एजेंसियां लगातार इसके पीछे काम कर रही हैं। लेकिन इतनी सक्रियता के बाद भी इस समस्या से छुटकारा पाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने झारखंड की राजधानी रांची में राज्य सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घर नहीं बल्कि उसके घरेलू सहायक के घर छापेमारी की, जिसमें पैतीस करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद हुई। खबरों के मुताबिक, यह छापेमारी झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता से जुड़े मामले में हुई है, जिसे ईडी ने पिछले वर्ष धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। खोजबीन के बाद पता चला कि धनशोधन का सिरा मंत्री के निजी सचिव और उसके घरेलू सहायक से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए ईडी ने उसे जांच और कार्रवाई के दायरे में लिया। सवाल है कि इतनी बड़ी रकम काले धन के रूप में किसी के घर में पड़ी थी, तो इस तरह का भ्रष्टाचार बिना किसी उच्च स्तरीय संरक्षण के चलना कैसे संभव है! जाहिर है इस पर अभी और कार्रवाई की जाए तो कई बागडबिल्ले पकड में आ सकते हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ अभियान चलाने और इसके खात्मे के लिए हर स्तर पर कार्रवाई करने का दावा तो खूब किया जाता है लेकिन बीते वर्षों में जितने दावे किए गए, उसके मुकाबले कामयाबी उतनी नहीं दिखती है, जितनी की होनी चाहिए थी! आखिर क्या वजह है कि इतनी निगरानी के बाद भी छोटे-छोटे अंतराल के बाद किसी नेता या अधिकारी के घर या दफ्तर में छापे मारे जाते हैं, वहां से करोड़ों रुपए नगद बरामद होते हैं? ऐसे में लोगों की समझ से परे है कि आखिर जांच एजेंसियों की आंखों से बचकर भ्रष्ट अधिकारी व नेता कैसे नोटों के कुबेर बन जाते हैं। जांच एजेंसियों की सघन कार्रवाइयों के बीच इतनी भारी मात्रा में नगदी मिलना वाकई में हैरान करने वाली घटना है। कहा जा सकता है कि सरकारी एजेंसियां भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या को खत्म करने को लेकर सक्रिय हैं। लेकिन यह भी सच है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने और संबंधित महकमों या एजेंसियों की अति-सक्रियता के बावजूद इस समस्या पर काबू पाना आज भी मुश्किल साबित हो रहा है। ऐसे में एक बार फिर से सरकारी रणनीति बदलने की जरूरत महसूस की जाने लगी है, ताकि धन पिपासुओं की मुट्ठी मरोडी जा सके।

क्या कुछ बदला जम्मू कश्मीर में 370 हटने के बाद?

राज सक्सेना

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के भारत में समायोजन को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने विवादित बयान क्या दे दिया, पूरे देश में तहलका मच गया है। दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में साफ कहा था कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस पर बलपूर्वक कब्जा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसके लोग कश्मीर में विकास को देखने के बाद स्वयं भारत का हिस्सा बनना चाहेंगे।

राजनाथ सिंह के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान ने भी चूड़ियां नहीं पहनी हैं। वस्तुतः अब्दुल्ला परिवार पीओके का कश्मीर में सम्मिलन चाहता ही नहीं है क्योंकि उसके सम्मिलन से कश्मीर के कश्मीरी वोटरों का संतुलन बिगड़ता है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में धमकी भरे अंदाज में कहा, 'अगर रक्षा मंत्री कह रहे हैं तो आगे बढ़ें। हम रोकने वाले कौन होते हैं लेकिन याद रखें, पाकिस्तान ने भी चूड़ियां नहीं पहनी हैं, उनके पास भी एटम बम है और दुर्भाग्य से वह परमाणु बम हमारे ऊपर गिरेगा'। इसी क्रम में अब्दुल्ला ने पुंछ में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले पर कहा, 'यह बहुत अफसोसनाक है। वे (भाजपा) कहते थे कि आतंकवाद के लिए 370 जिम्मेदार है तो आज 370 नहीं है, अब इस देश में आतंकवाद है या नहीं, इसका जवाब आप गृह मंत्री अमित शाह से पूछें? हमारे सिपाही रोज शहीद होते हैं लेकिन वे खामोश हैं'। हालांकि उनके इस बयान पर बहुत सी प्रतिक्रियाएं आयीं मगर सबसे कड़ी प्रतिक्रिया गिरिराज सिंह की आयी और निर्वाचन में व्यस्तता के कारण बात आयी गयी सी हो गयी। यहाँ प्रश्न यह उठता है कि आखिर फारुख अब्दुल्ला ने इस तरह का बयान दिया ही क्यों? क्या कश्मीर में 370 हटने की कोई प्रतिक्रिया न होने से वे भी महबूबा मुफ़्ती की तरह कुंठित हैं या फिर अपने आपको समय समय पर 'लिबरल' घोषित करने वाले फारुख के अंदर का कट्टरपंथी बोल रहा है। या अपनी पकड़ से बाहर होते कश्मीर की विकास यात्रा उनसे सहन नहीं हो रही है। सच बात तो यही है कि जम्मू कश्मीर बदल रहा है। दो-तीन परिवारों की सामन्ती सोच और इन परिवारों के अपने हितों के लिए बनाये गये कानूनों के बीच जकड़ा कश्मीरी जनमानस जब उन पाबंदियों से बाहर निकल कर अंगडाई ले रहा है तो वह एक नयी दुनिया देख रहा है। वह एक नया भारत भी केवल देख ही नहीं रहा है बल्कि उसके कदमों से कदम मिलाकर चलने की कोशिश भी कर रहा है। एक नया विकसित कश्मीर उड़ने की तैयारी कर रहा है। अब्दुल्ला और मुफ़्ती जैसे परिवारों के कट्टरवादी सोच के बनाये गये पिंजरे में रहने को तैयार ही नहीं हो रहा है। यह भी सच है कि वर्षों से बड़ी मशक्कत से तैयार की गयी कट्टरपंथी चाहरदीवारी की ऊंची ऊंची दीवारें अब 370 हटने के बाद जब भरभरा कर गिर रही हैं तो फारुख जैसे एक वर्ग विशेष के नेता से यह सब सहन हो ही नहीं पा रहा है और वे वह सब भी कह जा रहे हैं जो उन्हें नहीं कहना चाहिए। आइये देखें कश्मीर कैसे बदल रहा है।

एक देश में दो प्रधान, दो निशान और दो विधान चल रहे थे जिन्हे ख़त्म करने के लिए डॉ श्यामाप्रसाद मुख़र्जी अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके थे।

आजादी के समय कतिपय कारणों से केवल अब्दुल्ला परिवार को सत्ता में बनाये रखने के उद्देश्य से लागू की गयी इस धारा का दंश भारत समेत पूरा जम्मू कश्मीर 70 वर्ष झेलता रहा। केंद्र सरकार से राज्य को जाने वाले तथाकथित विकास फंड से कुछ परिवार अपनी जागीरें खड़ी करते रहे। शायद इसीलिए उन्हें 370 पसंद था जिसे बनाये रखने के लिए राज्य में पत्थरबाजों की ब्रिगेड हर समय तैयार रखी जाती थी। 370 हटने के बाद सब कुछ बंद हो गया, आतंकी ठोक दिए गए, पत्थरबाज जब पैसे मिलने बंद हो गए तो अपने अपने रोजगार पर लग गए।

मालदीव और भारत में फिर हो सकती है दोस्ती ?

अशोक भाटिया

भारत के साथ तनाव के चलते मालदीव जाने वाले पर्यटकों में लगातार कमी आई है । इसका असर द्वीपसमूह देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है । इसे देखते हुए मालदीव के प्रधानमंत्री ने सोमवार को भारतीयों से उसकी इकनोमी में योगदान देने की अपील की है । पी टी आई को दिए एक इंटरव्यू में इब्राहीम फैजल ने अपने देश और भारत के बीच एतिहासिक संबंधो पर जोर दिया है । उन्होंने कहा ' हमारा इतिहास रहा है । हमारी नई सरकार भारत के साथ मिल कर काम करना चाहती है । हमने हमेशा शांति और मैत्रीपूर्ण माहौल को बढ़ावा दिया है । यहाँ के लोग और सरकार भारतीयों के आगमन को गर्मजोशी से स्वागत करेंगे ।

गौरतलब है की भारत-मालदीव के बीच का संबंध राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू की नई सरकार के सत्ता संभालने के समय से उथल-पुथल भरे हालात का सामना कर रहा है। भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर मालदीव के जूनियर मंत्रियों की विवादित और अपमानजनक टिप्पणियां, इसके जवाब में भारत में सोशल मीडिया पर 'बायकॉट मालदीव' कैंपेन का ट्रेंड होना, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू की तरफ से परोक्ष रूप से ये फटकार लगाना कि 'मालदीव एक छोटा द्वीपीय देश हो सकता है लेकिन वो किसी को इस बात की इजाज़त नहीं देता कि मालदीव पर धौंस जमाए'- इन सभी बातों ने दिखाया कि कैसे एक समय का मज़बूत द्विपक्षीय संबंध तेज़ी से सार्वजनिक तौर पर कूटनीतिक हार में बदल सकता है। भारत अपने पड़ोस के कई देशों में चुनावी अभियानों के निशाने पर रहा है जो आख़िर में ख़त्म हो गया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विदेश नीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल रहा है। छोटे देशों के सामने भागीदारी के लिए कई नए विकल्प और अवसर पेश हो रहे हैं जिन पर अब ऐतिहासिक संबंधों और भौगोलिक नज़दीकी का दबदबा नहीं है। इसके नतीजतन विदेश नीति में यू-टर्न और झुकाव भविष्य में अपवाद की तुलना में कसौटी बनने जा रहा है। हालांकि दुनिया भर में संबंधों और गठबंधनों में अस्थिरता के बावजूद द्विपक्षीय समीकरणों के कुछ पहलू, विशेष रूप से भारत और मालदीव जैसे पुराने साझेदारों के बीच, नीति में निरंतरता दिखाएंगे। चुनाव अभियान के दौरान की बयानबाज़ी, जो उत्साही और कभी-कभी तीखी भी होती है, सरकार के सत्ता संभालने और कामकाज शुरू करने के साथ संयमित दृष्टिकोण में बदल जाती है।

ये चुनावी राजनीति है। भारत अपने पड़ोस के कई देशों में चुनावी अभियानों के निशाने पर रहा है जो आख़िर में ख़त्म हो गया। जैसे ही चुनाव पीछे छूटता है, वैसे ही गवर्नेंस का काम महत्वपूर्ण हो जाता है और फिर भारत के पड़ोसी अपनी राजनीतिक अर्थव्यवस्था में भारत के द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को पहचानते हैं। इसके साथ-साथ वो अपने पास मौजूद विकल्पों को भी पहचानते हैं और फिर वो विकल्पों को तौलना और अपना दांव लगाना शुरू करते हैं। मालदीव में राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू की नई सरकार बिल्कुल यही करने की प्रक्रिया में है। जैसे-जैसे मुइज़्ज़ू सरकार भारत पर मालदीव की निर्भरता कम करने के लिए संभावित विकल्पों की तलाश कर रही है । जैसे कि तुर्किए से ड्रोन की ख़रीदारी के लिए समझौता, संयुक्त अरब अमीरात और थाईलैंड के अस्पतालों को कवर करने वाला स्वास्थ्य बीमा, वैसे-वैसे मालदीव भारत के साथ संबंधों को फिर से सामान्य बनाने के लिए भी कदम उठा रहा है। मुश्किल हालात में कुछ अच्छी बातें भी हैं जो भविष्य में दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच नज़दीकी भागीदारी और सहयोग के लिए संभावना को उजागर करती हैं। पिछले साल नवंबर में कार्यभार संभालने के बाद मीडिया के साथ अपने पहले इंटरव्यू में राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने बयान दिया था कि भारत मालदीव का सबसे करीबी सहयोगी बना रहेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इसको लेकर कोई सवाल नहीं है। मुइज़्ज़ू ने कहा कि 'विवाद होने की इकलौती वजह मालदीव में भारतीय सेना की मौजूदगी थी।' उन्होंने ये भी जोड़ा कि 'भारत ने भी इस बात को स्वीकार किया है और सैन्य कर्मियों को वापस लेने पर सहमत हो गया है।' लगता है कि अपने पहले के कड़े रुख के विपरीत मुइज़्ज़ू ने एक समाधान वाला सुर अपना लिया है जब उन्होंने ये कहा "चर्चा और बातचीत के ज़रिए सब कुछ हासिल किया जा सकता है। मेरा तो यही मानना है।"राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू की टिप्पणी को ध्यान में रखते हुए उच्च-स्तरीय कोर ग्रुप की तीसरी बैठक को भारत और मालदीव के बीच संबंधों में सुधार की तरफ एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। ये बैठक 17 मार्च 2024 को माले में हुई। वैसे तो दोनों देशों की सरकारों ने भारतीय सैन्य कर्मियों की पहले तैनाती और मौजूदा वापसी को अलग-अलग नज़रियों से देखा लेकिन अब ये मुद्दा विवाद का विषय नहीं रह गया है।दोनों देशों की सरकारों ने भारतीय सैन्य कर्मियों की पहले तैनाती और मौजूदा वापसी को अलग-अलग नज़रियों से देखा लेकिन अब ये मुद्दा विवाद का विषय नहीं रह गया है।

एविएशन प्लैटफॉर्म पर तैनात भारतीय कर्मियों की वापसी मुइज़्ज़ू के चुनाव अभियान का एक प्रमुख वादा था। राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने एक इंटरव्यू में बयान दिया कि एक समाधान तक पहुंचा जा चुका है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि "सबसे महत्वपूर्ण बात सेना का नहीं होना है। दूसरा सर्वश्रेष्ठ विकल्प है कि मालदीव के लोग उनका संचालन करें। इन दोनों विकल्पों के बीच समझौते के रूप में एक समाधान पर हम पहुंच गए हैं।" तीसरी मीटिंग के बाद मालदीव के विदेश मंत्रालय ने ये बयान जारी किया कि "दोनों पक्षों ने मालदीव में एविएशन प्लैटफॉर्म पर सैन्य कर्मियों को असैनिक कर्मचारियों से बदलने की दिशा में प्रगति पर गौर किया।" महत्वपूर्ण बात ये है कि ऐसी ख़बरें आईं कि उच्च-स्तरीय कोर ग्रुप की तीसरी बैठक में भारत और मालदीव ने कई दूसरे मुद्दों पर भी चर्चा की। इनमें मौजूदा विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेज़ी, नियमित रूप से साझा निगरानी की व्यवस्था, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने की कोशिशें और क्षमता निर्माण एवं यात्रा के माध्यम से लोगों के बीच आपसी संपर्क में बढ़ोतरी शामिल हैं। ये दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग में व्यापक विस्तार को उजागर करता है। भारत-मालदीव-श्रीलंका के बीच त्रिपक्षीय 'दोस्ती 16' कोस्ट गार्ड अभ्यास, जो कि मार्च 2024 में हुआ और जिसकी मेज़बानी मालदीव ने की, एक और संकेत है कि नई सरकार मतभेदों को अलग रखने के लिए उत्सुक है और द्विपक्षीय रिश्तों को आगे ले जाना चाहती है। दोस्ती 16 के अतिरिक्त मालदीव भारत के द्विवार्षिक मिलन नौसेना अभ्यास में भी शामिल हुआ जो 19-27 फरवरी 2024 के बीच विशाखापट्टनम में आयोजित हुआ। 2023 के आख़िर में मॉरीशस में आयोजित सालाना कोलंबो सिक्युरिटी कॉन्क्लेव से बाहर रहना, ये कहकर भारत के साथ हाइड्रोग्राफी समझौते को रद्द करना कि "मालदीव के समुद्र के बारे में सूचना पर किसी दूसरे देश का अधिकार नहीं होना चाहिए" और "ये फैसला देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए लिया गया" और शी जिनपिंग की ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (GSI) के साथ-साथ मालदीव-चीन रक्षा समझौते का समर्थन करना- ये सभी इस बात के संकेत हैं कि मालदीव भारत से दूर हो रहा है और चीन की तरफ झुक रहा है।

अमेठी ने लोकतांत्रिक व्यवहार में बड़े बदलाव का संदेश दिया है

राजेश कुमार पासी

जब अंग्रेज इस देश को छोड़कर गए थे तो यूरोपीय राजनीतिक चिंतकों का कहना था कि भारत जल्दी ही टूटकर बिखर जायेगा क्योंकि ये एक राष्ट्र है ही नहीं । इसकी वजह यह थी कि उन्होंने यूरोप में एक नस्ल, एक भाषा और एक धर्म वाले राष्ट्रों को ही बनते देखा था इसलिए उनका मानना था कि भारत के लोगों की भाषा, धर्म और संस्कृति में इतनी विभिन्नताएं हैं कि ये एक देश के रूप में रह ही नहीं सकता लेकिन आजादी के 77 वर्षों बाद भी भारत मजबूती से खड़ा हुआ है । इसी प्रकार उनका कहना था कि भारत में लोकतंत्र स्थापित करना बन्दर के हाथ में बंदूक देना है लेकिन भारत की जनता ने लोकतंत्र की ताकत को पूरी दुनिया के सामने रख दिया है । इस देश का अनपढ़ मतदाता भी राजनीति की बेहतर समझ प्रदर्शित करता रहता है ।

भारत की जनता की लोकतान्त्रिक समझ को इससे समझा जा सकता है कि वो लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय चुनावों में अलग-अलग मुद्दों के आधार पर वोट देती है । दिल्ली के 2014 और 2019 लोकसभा चुनावों में भाजपा सभी सात सीटें जीत जाती है लेकिन विधानसभा चुनावों में वो बुरी तरह से हार जाती है । केजरीवाल की आम आदमी पार्टी लोकसभा में खाली हाथ रह जाती है लेकिन विधानसभा में उसे जनता का भरपूर समर्थन मिलता है । पिछले दस सालों से दिल्ली की जनता यह संदेश दे रही है कि वो मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में पसंद करती है लेकिन वहीं दूसरी तरफ कि वो मोदी के कट्टर विरोधी केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में पसंद करती है । इसी तरह 2018 में भाजपा को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में बड़ी हार का सामना करना पड़ा लेकिन कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनावों में इन राज्यों की जनता ने लगभग सभी सीटें भाजपा की झोली में डाल दी । जनता ने दिखा दिया कि वो किसी की गुलाम नहीं है और वो अपनी समझ से वोट करती है । जनता ने दिखा दिया कि भारत में लोकतांत्रिक जड़ें बहुत मजबूत हैं ।

राहुल गांधी 2019 में दो जगह से लोकसभा चुनाव लड़े थे । जहां उन्हें केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर जीत मिली लेकिन अपनी पुश्तैनी लोकसभा सीट अमेठी में उन्हें निराशा हाथ लगी। इसका अहसास उन्हें था कि अमेठी में उनकी हार हो सकती है इसलिए उन्होंने केरल की मुस्लिम बाहुल्य लोकसभा सीट वायनाड से भी चुनाव लड़ने का फैसला किया। इस बार भी वो दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन उन्होंने अपनी पिछली सीट अमेठी को जगह रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। देखा जाए तो दो सीटों से चुनाव लड़ने की जरूरत नहीं है लेकिन यह कांग्रेस की रणनीति हो सकती है कि गांधी परिवार का एक सदस्य यूपी से चुनाव जरूर लड़े । इसकी दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि इस बार वायनाड की जीत पर पूरा भरोसा नहीं है क्योंकि उनके सामने सीपीएम ने एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा किया है । देखा जाये तो सीट बदलना कोई बड़ी बात नहीं है और ये कांग्रेस की रणनीति भी हो सकती है ।

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था कुछ अलग किस्म की है । यहां संसद और विधानसभा की कुछ सीटों ही पहचान किसी व्यक्ति या परिवार के प्रतिनिधित्व से लंबे समय तक की जाती रही है । ऐसी सीटों को पार्टी या नेता विशेष का गढ़ कहा जाता है । ऐसी सीटों में अमेठी और रायबरेली का भी नाम आता है और दोनों सीटों से गांधी परिवार की पहचान जुड़ी हुई है । इन दोनों सीटों पर ज्यादातर समय गांधी परिवार या इनके नजदीकी नेताओं का कब्जा रहा है । अमेठी से गांधी परिवार का रिश्ता मोतीलाल नेहरू से शुरू हो गया था क्योंकि उन्होंने इसे अपनी राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनाया था । 1999 में सोनिया गांधी ने यहां से चुनाव जीता लेकिन 2004 में उन्होंने राहुल गांधी को अपनी यह सीट दे दी और वो स्वयं रायबरेली से चुनाव लड़ने चली गईं । अमेठी से राहुल गांधी लगातार पन्द्रह साल तक सांसद रहे लेकिन 2019 में वो भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए । रायबरेली से सोनिया गांधी लगातार बीस साल तक सांसद रहीं लेकिन इस बार वो लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही हैं । कांग्रेस नेताओं और सोनिया गांधी को लगता है कि राहुल के लिए अमेठी की अपेक्षा रायबरेली ज्यादा सुरक्षित सीट है ।

यह एक सच है कि राहुल गांधी कांग्रेस के सर्वेसर्वा हैं, चाहे वो किसी पद हों या न हों । कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है और उसने 55 साल देश पर राज किया है । मोदी को चुनौती देने का काम विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में ही कर रहा है और कांग्रेस का नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं । ये एक बड़ा सवाल है कि जिस नेता पर मोदी को चुनौती देने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, उसी नेता के लिए सुरक्षित सीट की तलाश की जा रही है । सवाल यह भी है कि जिस नेता को अपनी एक सीट जीतने का पूरा भरोसा नहीं है, उस पर विपक्ष कैसे भरोसा कर सकता है । राहुल गांधी का अमेठी छोड़ना कोई सामान्य घटना नहीं है क्योंकि इस सीट ने ज्यादातर समय गांधी परिवार का साथ दिया है । अमेठी कांग्रेस के लिए कोई सामान्य सीट नहीं है बल्कि ये सीट गांधी परिवार की सत्ता का प्रतीक है । अमेठी छोड़ने का संदेश बहुत दूर तक जाने वाला है । सबसे बड़ा संदेश तो यह है कि राहुल गांधी ने बिना लड़े ही मोदी के एक सहयोगी नेता ने हार मान ली है । इसका दूसरा पहलू यह भी है कि अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ कर जीत भी जाते तब भी यूपी की राजनीति पर इसका कोई असर नहीं पड़ता । यूपी से कांग्रेस का तंबू उखड़ चुका है और दोबारा अपना तंबू गाड़ना राहुल गांधी जैसे नेता के बस का नहीं है । वास्तव में अमेठी छोड़कर राहुल गांधी ने पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हताश और निराश कर दिया है । सेनापति के बिना लड़े मैदान छोड़ने का संदेश जा रहा है और ये संदेश सिर्फ कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि पूरे इंडिया गठबंधन के लिए हताश करने वाला है ।

धांधली के जरिए खेला करबो

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

'इतने सारे स्वर्ण पदक! हाँ यह सब तुम्हारी मेहनत के हैं। बताओ इन्हें पाकर तुम्हें कैसा लग रहा है? इन्हीं पदकों की तलाश में जीवन खपा दिया और एक वो हैं जो बिना कुछ किए मलाई उड़ा रहे थे। पहली बार लगा कि यह खेल हम खेल रहे थे।' 'मतलब...? मैं कुछ समझा नहीं। साफ-साफ कहो।' 'तुमसे क्या छिपा है। तुम तो सब जानते ही हो। एक समय था जब यह खेल भ्रष्टाचारियों के लिए हुआ करता था। कोई आयोजन करके स्वर्ण पदक झटकने के चक्कर में था तो कोई खेल सामग्री में धांधली करके। कोई खिलाड़ियों के ठहरने के खर्चों में तो कोई उनके भोजन के ठेके ले-लेके पदकों की झड़ी लगाने के चक्कर में रहता था। वो क्या है न कि जब-जब भ्रष्टाचारी ऊँचे पद हथिया लेते हैं और खिलाड़ी सड़ते रहते हैं तब-तब पदक नहीं घोटाले के पटल खुलते रहते हैं। आज पहली बार लगा कि यह खेल भ्रष्टाचारियों के लिए नहीं खिलाड़ियों के लिए था।' सो तो है। लेकिन तुम जिस घटना के बारे में बता रहे हो वह तो कॉमनवेल्थ का 'महाखेल' था। भ्रष्टाचारी कहाँ नहीं होते। जैसे हवा है, वैसे वे हैं। तुम्हें तो अपने खेल धर्म का पालन करना चाहिए। इन सबसे तुम्हारा क्या लेना-देना?'

अरे! यह भी खूब कही। लेना-देना कैसे न होगा। हम लोग खेल जमीन पर खेलते हैं। आसमान पर नहीं। मछली तो जीती पानी में ही है न! पानी के बिना उसका कैसा अस्तित्व?' 'खिलाड़ियों का काम खेलना होता है। इन सब धांधलियों के बारे में सोचना नहीं। ऐसा भी तो हो सकता है कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा की बिसात पर अपने खराब खेल का ठीकरा धांधली के मत्थे फोड़कर खुद को पाक साबित करना चाहते हो। क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?' 'खिलाड़ियों के लिए खेल ही उसका धर्म होता है। वह तो हर बार देश का नाम ऊँचा करने के लिए अपना सौ फीसदी देने का प्रयास करता है। लेकिन कुछ धांधलीबाज होते हैं जो बिना स्टेडियम बनाए, बिना खेल सामग्री दिए, बिना सुविधाओं के हमें हवा में तीर मारने की बात करते हैं। कागज पर सबका हिसाब होता है, जमीन पर आते-आते सब कुछ शून्य। फिर उसके बाद खेल की जो फजीहत होती है उसका ठीकरा हमारे मत्थे फोड़ दिया जाता है।' मैं तो सब जानता हूँ। फिर भी यूँ ही जानना चाहता था कि खेल और खिलाड़ी के बारे में तुम्हारे विचार क्या हैं?' अब तुम्हें क्या लगता है?' लगता नहीं, पूर्ण विश्वास हो गया है कि खिलाड़ी धांधली से ऊपर उठकर देश के लिए मर मिटता है। ऐसे में देश ईमानदारी से उनका साथ दे तो दलदल में भी कमल खिला सकता है। क्योंकि खेल से खिलाड़ी है और खिलाड़ी से खेल। इन सबके बीच धांधली का कोई स्थान नहीं है।'

आज वैशाख महीने की अमावस्या

इस दिन स्नान-दान और पीपल पूजा की परंपरा, मान्यता- इससे पितरों को मिलती है संतुष्टि

स्नान-दान की वैशाख अमावस्या 8 मई को मनेगी। इस दिन शुभ योग रहेंगे। जिससे इस त्योहार की शुभता और बढ़ जाएगी। इसी दिन शनिदेव के साथ ही शिवजी और पितरों की पूजा की जाएगी। वैशाख अमावस्या पर जरुरतमंद लोगों को दान देने की परंपरा भी है।

इस बार वैशाख अमावस्या पर सौभाग्य और सर्वार्थसिद्धि नाम के शुभ योग बन रहे हैं। सूर्य और शनि खुद की राशियों में रहेंगे। सितारों की इस शुभ स्थिति में इस पर्व पर किए गए शुभ कामों का फल और भी बढ़ जाएगा।

8 मई को स्नान-दान की वैशाख अमावस्या

8 मई का सूर्योदय अमावस्या तिथि में होगा। ये तिथि सुबह तकरीबन 9 बजे तक रहेगी, इसलिए इस पर्व में सुबह तीर्थ और पवित्र नदियों में स्नान-दान किया जाएगा।

इस दिन किए गए स्नान-दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है। इसी दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भी रहेगा, लेकिन भारत में नहीं दिखने से इसका धार्मिक महत्व भी नहीं रहेगा।

वैशाख की अमावस्या पर भगवान भोलेनाथ के साथ ही श्राद्ध और पितृ पूजा करने से पितर संतुष्ट हो जाते हैं। जाने-अनजाने में जो गलती हो, उसके लिए इस दिन पितरों से क्षमा मांगनी चाहिए। साथ ही सूर्यदेव को जल अर्पण करके तुलसी पौधे की 108 परिक्रमा करनी चाहिए।

वैशाख अमावस्या पर पीपल पूजा करने का विधान

वैशाख महीने की अमावस्या पर पीपल की पूजा का खास महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर पानी में गंगाजल, कच्चा दूध और तिल मिलाकर पीपल को चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है और पितृ भी तृप्त हो जाते हैं।

वैशाख अमावस्या पर सुबह स्नान करने के बाद सबसे पहले घर के ईशान कोण में गाय के घी का दीपक जलाएं। इस दीपक को कम से कम सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक जलाकर रखें। ऐसा करने से आपके ऊपर मां लक्ष्मी और विष्णु भगवान की कृपा होती है। साथ ही दुर्भाग्य दूर होकर सुख समृद्धि आती है।

वैशाख अमावस्या के दिन घर की ठीक से साफ सफाई करें। कहीं भी किसी कोने में धूल मिट्टी या फिर गंदगी न रहे और यदि घर में कहीं जाले लगे हों तो उन्हें भी हटा दें। उसके बाद पानी में नमक डालकर पूरे घर का पोंछा लगाएं। ऐसा करने से आपके घर की नकारात्मकता दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

वैशाख अमावस्या के शुभ अवसर पर गाय की सच्चे मन से सेवा करें। गाय को इस दिन हरा चारा खिलाएं और साथ ही गुड़ चना भी खिलाएं। गाय को हिंदू धर्म में मां समान माना गया है। अमावस्या के दिन गौमाता की सेवा करने से आपको परम पुण्य की प्राप्ति होती है।

वैशाख अमावस्या पर सुबह स्नान करने के बाद पीपल के पेड़ की जड़ में दूध मिश्रित जल चढ़ाएं और उसमें गुलाब की पंखुड़ियां और काले तिल भी डाल लें। इस उपाय को करने से आपकी आर्थिक तंगी दूर होती है और पैसों की बरकत बढ़ती है।

वैशाख अमावस्या पर शाम के वक्त प्रदोष काल में पीपल के पेड़ पर सरसों के तेल का दीपक भी जलाएं। यह उपाय आपका दुर्भाग्य दूर करके आपके घर में आर्थिक समृद्धि को बढ़ाता है। इसके साथ ही तुलसी के पेड़ की 11 बार परिक्रमा भी करनी चाहिए।

इंद्र की सबसे सुंदर अप्सरा का ऐसे हुआ जन्म

इंद्र की अनेक अप्सराओं में एक अप्सरा का नाम तिलोत्तमा है। इनका नाम इनके अद्भुत सौंदर्य की वजह से है। इस अद्भुत सौंदर्य वाली अप्सरा के जन्म के पीछे बड़ी ही रोचक कथा है। पुराणों में मौजूद कथाओं में दो घटनाओं में जिक्र मिलता है कि क्यों तिलोत्तमा का जन्म हुआ। ये दोनों कहानियां एक जगह आकर मिलती हैं और वह लक्ष्य पूरा होता है जिसके लिए इसका जन्म हुआ था। ऐसे पड़ा यह नाम तिलोत्तमा स्वर्ग की परम सुंदर अप्सरा में से एक थी। हमारे पुराणों में तिलोत्तमा नाम की एक अप्सरा का कई स्थानों पर उल्लेख मिलता है।

शास्त्रों में तिलोत्तमा के बारे में कहा जाता है कि तिलोत्तमा की रचना के लिए ब्रह्माजी ने तिल-तिल भर संसार की सुंदरता को इसमें समाहित किया था, इसीलिए इसका नाम 'तिलोत्तमा' पड़ा। कहा यह भी जाता है कि ब्रह्मा के हवनकुंड से इसका जन्म हुआ।

अष्टावक्र से मिला शाप

अष्टावक्र से मिला शाप दुर्वासा ऋषि के शाप से यही तिलोत्तमा बाण की पुत्री हुई थी। माघ मास में यह सौर गण के साथ सूर्य के रथ पर रहती है। दूसरी मान्यता अनुसार तिलोत्तमा अश्विन मास (वायुपुराण के अनुसार माघ) में अन्य सात सौरगण के साथ सूर्य के रथ की मालकिन के रूप में रहती है। अष्टावक्र द्वारा भी इसे शाप मिला था। एक अप्सरा के कई संबंध, सौ से अधिक बच्चों की बनी मां ब्रह्माजी की मुश्किल बने दो असुर भाई हिरण्यकश्यप के वंश में निकुंभ नामक एक असुर उत्पन्न हुआ था, जिसके सुन्द, उपसुन्द नामक दो पुत्र हुए। विश्वविजय की इच्छा से सुन्द और उपसुन्द विंध्याचल पर्वत पर तप करने लगे जिससे प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने वर मांगने को कहा। तब इन दोनों ने अमरत्व का वरदान मांगा लेकिन ब्रह्माजी ने ऐसा वरदान देने से मना कर दिया।

ऐसे पड़ा यह नाम

तिलोत्तमा स्वर्ग की परम सुंदर अप्सरा में से एक थी। हमारे पुराणों में तिलोत्तमा नाम की एक अप्सरा का कई स्थानों पर उल्लेख मिलता है। शास्त्रों में तिलोत्तमा के बारे में कहा जाता है कि तिलोत्तमा की रचना के लिए ब्रह्माजी ने तिल-तिल भर संसार की सुंदरता को इसमें समाहित किया था, इसीलिए इसका नाम 'तिलोत्तमा' पड़ा। कहा यह भी जाता है कि ब्रह्मा के हवनकुंड से इसका जन्म हुआ।

अष्टावक्र से मिला शाप

दुर्वासा ऋषि के शाप से यही तिलोत्तमा बाण की पुत्री हुई थी। माघ मास में यह सौर गण के साथ सूर्य के रथ पर रहती है। दूसरी मान्यता अनुसार तिलोत्तमा अश्विन मास (वायुपुराण के अनुसार माघ) में अन्य सात सौरगण के साथ सूर्य के रथ की मालकिन के रूप में रहती है। अष्टावक्र द्वारा भी इसे शाप मिला था।

ब्रह्माजी की मुश्किल बने दो असुर भाई

हिरण्यकश्यप के वंश में निकुंभ नामक एक असुर उत्पन्न हुआ था, जिसके सुन्द, उपसुन्द नामक दो पुत्र हुए। विश्वविजय की इच्छा से सुन्द और उपसुन्द विंध्याचल पर्वत पर तप करने लगे जिससे प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने वर मांगने को कहा। तब इन दोनों ने अमरत्व का वरदान मांगा लेकिन ब्रह्माजी ने ऐसा वरदान देने से मना कर दिया।

विश्वकर्मा भगवान ने की रचना

विश्वकर्मा भगवान ने की रचना दोनों भाइयों ने सोचा कि उनमें तो आपसी प्रेम बहुत अधिक है और वे कभी भी आपस में नहीं लड़ सकते। इसीलिए उन्होंने वरदान मांगा कि एक-दूसरे को छोड़कर त्रिलोक में उन्हें किसी से मृत्यु का भय न हो। वरदान प्राप्त होने के बाद सुन्द और उपसुन्द के अत्याचारों से संसार त्रस्त हो उठा। तब इन दोनों भाइयों के अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए ही ब्रह्माजी ने विश्वकर्मा जी से एक दिव्य सुंदरी की रचना के लिए निवेदन किया।

दो दैत्य भाइयों के वध के लिए हुआ जन्म

विश्वकर्मा जी ने ने तीनों लोकों की तिल-तिल भर सुंदरता लेकर एक अवर्णनीय सौंदर्य प्रतिमा स्वरूप इस सुंदरी का निर्माण किया। सुन्द-उपसुन्द तिलोत्तमा के रूप सौंदर्य को देखते ही उसे पाने के लिए आपस में लड़ने लगे और एक-दूसरे के हाथों मारे गए।

ऐसे बनी भगवान श्रीकृष्ण की बहू

ऐसे बनी भगवान श्रीकृष्ण की बहू सौंदर्य के अभिमान में एक बार तिलोत्तमा ने महर्षि विश्वामित्र का अपमान कर दिया। इससे क्रोधित होकर ऋषि ने इन्हें असुर बन जाने का शाप दिया। इस शाप से यह वाणासुर की पुत्री उषा हुई। उषा भगावन श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न को पसंद करने लगी और एक रात उन्हें सोते हुए से उठाकर अपने महल में ले आई। बाद में प्रद्युम्न के साथ इनका विवाह हुआ।

मूंगा पहनने से खुल सकते है किस्मत के ताले

ग्रहों की चाल ठीक करने के लिए राशि के अनुसार रत्न पहनने से व्यक्ति के जीवन में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह का रत्न मूंगा को बताया गया है। कहते हैं यदि किसी की कुंडली में मंगल की स्थिति अच्छी है तो उसके साथ सब मंगल ही मंगल होगा। अगर मंगल की स्थिति कमजोर है तो व्यक्ति को काफी संघर्ष करना पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मूंगा रत्न पहनने से व्यक्ति मंगल की स्थिति ठीक होने लगती है। आइए जानते हैं मूंगा पहनने के क्या फायदे है और कैसे इसे धारण करें।

हिंदू धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल संबंधित कोई परेशानी हो तो उसे किसी जानकारी से सलाह लेकर मूंगा को धारण करना चाहिए। माना जाता है कि मूंगा पहनने से व्यक्ति को कई सफलताएं मिलती हैं। साथ मूंगा व्यक्ति को मानसिक अवसाद से मुक्ति दिलाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सही वजन वाला मूंगा सही विधि से धारण करता है तो ये रत्न उसे धनवान तक बना देता है। लेकिन मूंगा धारण करने से पहले कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

मूंगा धारण करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

– बिना कुंडली दिखाए मूंगा नहीं पहनना चाहिए। दरअसल, मंगल की दो राशियां होती हैं मेष और वृश्चिक।

– जिस व्यक्ति की राशि मेष, वृश्चिक हो या लग्न में सिंह, धनु, मीन राशि हो वह लोग मूंगा पहन सकते हैं।

– यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष हो तो ऐसे व्यक्ति को मूंगा धारण करना से लाभ मिलता है। मूंगा मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करता है।

–किसी व्यक्ति में अगर आत्मविश्वास की कमी हो या फिर जो सपनों में ड र जाता हो तो वह अपनी कुंडली दिखाकर मूंगा धारण कर सकते हैं।

मूंगा पहनने से क्या लाभ होता है

मूंगा धारण करने से व्यक्ति के अंदर साहस आता है साथ ही आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े छात्रों को मूंगा पहनने से काफी लाभ होता है।

कैसे करें मूंगा की पहचान

मूंगा रत्न बाकी रत्नों की तुलना में काफी चिकना होता है। इसलिए ये हाथों में लेने पर फिसलता रहता है। इसके अलावा असली मूंगा पर पानी की बूंदे ठहर जाती हैं जबकि नकली मूंगा पर बूंदे ठहरती नहीं है। बता दें कि मूंगा धारण करने के 21 दिनों बाद अपना असर दिखाना शुरू करता है।

ऐसे धारण करें मूंगा

मूंगा रत्न को सोना चांदी या तांबे की अंगूठी में बनाकर धारण किया जा सकता है। मूंगा की अंगूठी धारण करने से पहले कच्चे दूध और गंगाजल से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद मंगलवार के दिन सुबह से लेकर दोपहर तक किसी भी वक्त दाएं हाथ की अनामिका उंगली में धारण करें। वहीं, स्त्रियां अगर बाएं हाथ की अनामिका उंगली में मूंगा धारण करें तो उन्हे बेहतर परिणाम मिलने लगते हैं।

क्या आपकी छत पर भी पड़ा रहता है कूड़ा

हम सभी के घरों में कुछ ऐसा सामान जरूर पड़ा होता है, जो हमारे काम का नहीं होता। अक्सर हम इस बेकार पड़े सामान को ठिकाने लगाने चक्कर में घर की छत के ऊपर फेंक देते हैं। ये सामान कई महीनों और कभी-कभी तो सालों तक वहीं पड़ा रहता है। हर मौसम की मार सहते-सहते ये सामान किसी भी काम का नहीं रहता और लोहे की चीजों पर तो जंग भी लग जाता है। सेहत और पर्यावरण के लिहाज से यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। वहीं, वास्तु शास्त्र में भी घर की छत पर पड़े कूड़े को दुर्भाग्य का सूचक बताया गया है। आपके घर की छत पर अगर लम्बे समय तक कूड़ा पड़ा रहता है, तो इससे आपको आर्थिक तंगी, रोग और कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आइए, जानते हैं छत पर कूड़ा रखने से जुड़े वास्तु के नियम और इससे जुड़ीं खास बातें।

छत पर रखा कूड़ा आर्थिक हानि का कारण बन सकता है

छत पर कूड़ा रखने से आर्थिक हानि का खतरा रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इससे आपको ऐसी जगहों पर खर्च करना पड़ सकता है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर पाते। जैसे, आपको जीवन में किसी रोग का सामना करना पड़ सकता है। रोग के इलाज के लिए आपको पैसे खर्च करना पड़ सकता है या फिर आपके घर में अचानक ही टूट-फूट हो सकती है, जिसकी मरम्मत के लिए आपको पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

कई तरह के मानसिक और शारीरिक रोग हो सकते हैं

घर में रखा कूड़ा आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसका असर और भी खतरनाक हो सकता है। छत पर रखे कूड़े का असर आपके मानसिक स्वास्थय के लिए भी ठीक नहीं है। इससे आपको हमेशा सिर में भारीपन की समस्या लग सकती है। साथ ही आपको सिरदर्द और नकारात्मक विचार आने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

माता लक्ष्मी नाराज होती है और भाग्य कमजोर होता है

आपके जीवन में अगर अचानक ही कोई परेशानी आने लगी है या बहुत मेहनत के बाद भी आपका भाग्य आपका साथ नहीं देता, तो हो सकता है कि यह घर की छत पर रखे कूड़े का असर हो। माता लक्ष्मी हमेशा स्वच्छता में निवास करती है, ऐसे में अगर आपके घर की छत पर कूड़ा पड़ा रहता है, तो माता लक्ष्मी आपसे नाराज हो जाती है और आपका भाग्य कमजोर होता चला जाता है।

राहु का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है

आप अगर घर की छत पर कूड़ा रखते हैं, तो इससे आप राहु दोष से पीड़ित हो सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार नव ग्रहों में राहु उन लोगों को प्रताड़ित करता है, जो अपने वातावरण को गंदा रखते हैं। घर की छत खुली जगह होती है, इसलिए छत पर रखा कूड़ा सिर्फ आपके घर को ही प्रदूषित नहीं करता बल्कि इसका असर आपके घर पर ही नहीं पड़ता बल्कि इससे वातावरण भी प्रदूषित होता है।

लव लाइफ पर पड़ता है असर, पति-पत्नी के रिश्ते खराब होते हैं

घर की छत पर रखा कूड़ा आपकी लव लाइफ पर भी बुरा असर डालता है। इससे आपके लाइफ पार्टनर को बात-बात पर गुस्सा आ सकता है, जिससे आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। वहीं, इससे घरेलू लड़ाइयां, गलतफहमियां भी बढ़ती हैं, जिससे पति-पत्नी के बीच दूरियां आने लग जाती है।

इन पांच कारणों की वजह से भगवान गणेश को प्रिय हैं मोदक

गणेश जी

गणेश जी को क्यों प्रिय हैं मोदक -

पहली वजह: प्रचलित कथा के मुताबिक, एक बार भगवान शिव सो रहे थे और गणेश जी द्वार पर पहरा दे रहे थे। तभी परशुराम वहां पहुंचे तो गणेश जी ने उन्हें द्वार पर रोक दिया। परशुराम क्रोधित हो गए और गणेश जी से युद्ध करने लगे। युद्ध में परशुराम ने शिव जी द्वारा दिए गए परशु से गणेश जी पर प्रहार कर दिया। जिससे गणेश जी का एक दांत टूट गया। दांत टूटने से गणेश जी को खाने चबाने में परेशानी होने लगी तो उनके लिए मोदक तैयार करवाए गए। मोदक मुलायम होते हैं और इसे चबाना नहीं पड़ता है। इसलिए गणेश जी ने पेट भर कर मोदक खाए। तभी से मोदक गणपति का प्रिय व्यंजन बन गया।

दूसरी वजह: एक कथा गणेश जी और माता अनुसुइया से जुड़ी हुई है। एक बार गणपति जी माता पार्वती और भगवान शिव के साथ अनुसुइया के घर गए थे। माता अनुसुइया ने सोचा कि पहले गणेश जी को भोजन करा दिया जाए। वह गणेश जी को खाना खिलाती ही जा रहीं थीं पर गणपति की भूख खत्म ही नहीं हो रही थी। अनुसुइया ने सोचा कि कुछ मीठा खिला देती हूं तो शायद गणपति का पेट भर जाए। माता अनुसुइया ने गणेश जी को मोदक का एक टुकड़ा खिला दिया, जिसे खाते ही गणेश जी का पेट भर गया और उन्होंने जोर से डकार ली। इसके बाद भगवान शिव ने जोर-जोर से 21 बार डकार ली। तब से मोदक गणपति का प्रिय व्यंजन कहा जाने लगा।

तीसरी वजह: मान्यता है कि गणेश जी को अगर 21 मोदक चढ़ाएं जाते हैं तो उनके साथ साथ बाकी के सभी देवी- देवताओं का पेट भी भर जाता है। इसी वजह से गणपति को भोग में मोदक अर्पित किया जाता है। ताकि उनके साथ ही अन्य सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद भी प्राप्त हो सके।

चौथी वजह: शब्दों पर गौर करें तो मोद का अर्थ खुशी या हर्ष होता है। गणेश जी हमेशा खुश रहते हैं और अपने भक्तों के कष्टों को दूर कर उनके जीवन में भी खुशी लाते हैं। इसीलिए गणेश जी को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। भक्त भी भगवान गणेश को खुश करने के लिए मोदक, जिसका अर्थ खुशी होता है, का भोग लगाते हैं।

पांचवी वजह: कहा जाता है कि मोदक अमृत से बना है। जिसको बनाने के बाद देवताओं ने एक दिव्य मोदक माता पार्वती को दिया था। गणेश जी जब अमृत से बने दिव्य मोदक के बारे में पता चला तो उनके मन में इसे खाने की इच्छा हुई। उन्होंने माता पार्वती से मोदक प्राप्त कर उसे खाया और तभी से उन्हें मोदक प्रिय हो गया।

गौतम बुद्ध से जानें, प्रवचन सुनने से क्या लाभ मिलता है ?

एक बार भगवान गौतम बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था।

लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा।

बुद्ध ने पूछा, "कहां चले गए थे ? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे।"किसान ने कहा, "दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा।"

अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, "यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है।"

बुद्ध ने गांववासियों को पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, "उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन-सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

शेखर सुमन संग इंटीमेट सीन पर बोलीं मनीषा कोईराला

बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला इन दिनों संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस इस सीरीज में मल्लिका जान के रोल में हैं और उनके काम की खूब तारीफ हो रही है। फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के साथ काम करके मनीषा बहुत खुश हैं हाल ही में उन्होंने भंसाली के साथ अपने अनुभव के बारे में बात की है। मनीषा ने कहा कि वह नेपाल में बागवानी कर रही थीं जब उन्हें भंसाली ने फोन किया। अभिनेता ने शेखर सुमन के साथ उनके ओरल-सेक्स सीन के बारे में भी बात की। भंसाली की प्रशंसा करने के अलावा, उन्होंने सलमान खान के बारे में भी खूब बातें कीं और बताया कि कैसे वह हमेशा लोगों की मदद करते हैं।

इंटरव्यू में मनीषा ने कहा, "मैं नेपाल में बागवानी कर रही थी जब मुझे संजय लीला भंसाली के ऑफिस से फोन आया। संजय ने कॉल पर कहा, 'मनीषा तुम्हारे लिए अच्छा रोल है, बस स्क्रिप्ट पढ़ो।' मैं बहुत खुश हुई। मैंने उनके साथ काम करने के बारे में सपने देखना बंद कर दिया था।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें शेखर के साथ इंटीमेट सीन के बारे में पता था, तो मनीषा ने कहा कि उन्हें इस सीन के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी और कहा, "जब रिहर्सल चल रही थी, तो यह नया रहा होगा।" आपको बता दें, शो में दिखाया गया है कि शेखर का किरदार मल्लिकाजान के पास पहुंचता है, लेकिन वह इतने नशे में है कि उसे पता ही नहीं चलता कि वह कहां बैठी हैं। मनीषा ने कहा, "संजय जो कुछ भी करते हैं, उसमें एक नया तत्व लाने की कोशिश करते हैं।"

शेखर ने पहले कहा था कि भंसाली ने अंतिम समय में सीन में सुधार किया। "यह सीन एक नवाब के बारे में है जो गाड़ी से बाहर पेशाब कर रहा है, और नशे की हालत में मल्लिकाजान के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। भंसाली चाहते थे कि नवाब पलटें और हवा में ही लेट जाएं, उन्हें लगे कि मल्लिकाजान उस तरफ बैठी हैं। यह एक अजीब नरेशन था और ऐसा पहले किसी ने नहीं किया था, किसी ने हवा में सेक्स किया हो।" शेखर ने बताया कि भंसाली ने कहा था कि अगर आप यह नहीं करना चाहते हैं तो कोई बात नहीं।

जब उनसे बॉलीवुड के तीन खानों – सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान – के साथ काम करने के बारे में पूछा गया, तो मनीषा ने सलमान की प्रशंसा की और कहा, "सलमान ने जो बीइंग ह्यूमन खोला है, काफी मदद करता है गरीब और जिसको जरूरी है। मुझे मालूम है कि काफी कैंसर रोगियों को मदद मिली है और डॉक्टरों को बोलते हैं कि मेरा नाम मत लो कि मेरी तरफ से मदद की जा रही है।

सलमान के घर फायरिंग मामले में पांचवीं गिरफ्तारी : राजस्थान से पकड़ा गया आरोपी

सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुए फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार को एक और शख्स को गिरफ्तार किया है। इस 5वें आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है, जिसका नाम मोहम्मद रफीक चौधरी है। पुलिस ने इस मामले में सबसे पहले विक्की और सागर को गिरफ्तार किया था। दोनों ने एक्टर के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की थी। मुंबई लाकर किला कोर्ट में पेश करेगी पुलिस सूत्रों के मुताबिक चौधरी ने इस मामले में गिरफ्तार दो शूटरों सागर पाल और विक्की गुप्ता को पैसे जुटाने और सलमान के घर की रेकी करने में मदद की थी। क्राइम ब्रांच की टीम आरोपियों को राजस्थान से मुंबई लेकर आ रही है। यहां आरोपियों को किला कोर्ट में पेश किया जाएगा जहां पुलिस 5 दिन की कस्टडी की मांग कर सकती है।यह इस मामले में क्राइम ब्रांच की तरफ से की गई पांचवी गिरफ्तारी है।

भांजे कृष्णा की इस बात से नाराज हैं गोविंदा

बोले- वो बार-बार इंटरव्यू में कहता है मैं उसके बच्चों से मिलने नहीं गया

हिंदी सिनेमा के मशहूर एक्टर गोविंदा का अपने भांजे कॉमेडियन और एक्टर कृष्णा अभिषेक से लंबे समय से मनमुटाव चल रहा है। हालांकि हाल ही में हुई कृष्णा की बहन आरती की शादी में गोविंदा और उनके बेटे यशवर्धन पहुंचे थे। तब से कयास लग रहे हैं कि मामा-भांजे के बीच सब ठीक हो चुका है। लोग सालों से दोनों के रिश्ते ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन किसी को वजह नहीं पता कि आखिर गोविंदा उनसे नाराज क्यों हैं।

उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि वो कृष्णा की किस बात से दुखी हैं। मनीष पॉल के साथ बातचीत में गोविंदा ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की थी और अब इसका क्लिप इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें वह बता रहे हैं कि जब कृष्णा के बच्चे हुए वह उन्हें मिलने गए थे लेकिन कृष्णा अपने इंटरव्यू में कहते हैं कि उनके मामा नहीं आए।

उन्होंने कहा, "जब कृष्णा के बच्चे हुए मैं सुनीता के साथ बच्चों को देखने अस्पताल गया, हमनें बच्चों को देखा लेकिन उनके पास जाने के लिए हमें मना किया गया। मैंने सुनीता को कहा कि शायद इंफेक्शन के डर से मना किया गया हो।" गोविंदा का कहना है कि कृष्णा कई बार बोल चुके हैं कि गोविंदा उनके बच्चों से मिलने नहीं आए और वह कई बार बता चुके हैं कि वह उनके बच्चों से मिले थे, लेकिन कृष्णा ये बात मानने को तैयार नहीं होते।

कृष्णा ने मामा को बताया था दुश्मन

गोविंदा का एक और क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि शो में कृष्णा एक एक्टर से कह रहे थे कि मुझे दुश्मन की क्या जरूरत है मेरे तो घर में ही मेरे मामा दुश्मन हैं। गोविंदा का मानना है कि कृष्णा ने ये खुद कहा है, उन्हें ये किसी राइटर ने लिखकर नहीं दिया है। उनका कहना है कि कृष्णा ने अपने मन में कुछ बातें खुद ही सोच ली हैं।

ये भी है वजह

कृष्णा ने सालों पहले अपने शो में गोविंदा को बुलाया था, लेकिन गोविंदा इस शो में जाने की बजाय कपिल शर्मा के शो में गए थे। जिसके बाद कृष्णा की पत्नी कश्मीरा शाह ने एक ट्वीट किया था, जिसमें लिखा था, "कुछ लोग पैसे के लिए डांस करते हैं।" इसके बाद गोविंदा और उनकी पत्नी ने कृष्णा और कश्मीरा से दूरी बना ली। हालांकि आरती की शादी से पहले कश्मीरा ने कहा था कि वह अपने ससुर समान मामा का दिल से स्वागत करेंगी और हुआ भी ऐसा। गोविंदा शादी में पहुंचे, जहां वह सबसे प्यार से मिले और कश्मीरा ने उनका आशीर्वाद भी लिया।

हाउसफुल 5 का हिस्सा बने अभिषेक बच्चन साजिद नाडियाडवाला ने की अनाउंसमेंट

हाउसफुल फ्रैंचाइजी की 4 कामयाब फिल्मों के बाद इसकी पांचवी फिल्म हाउसफुल 5 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख की कास्टिंग हो चुकी थी, जिसके बाद अब अभिषेक बच्चन भी ऑनबोर्ड आ चुके हैं।

हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अभिषेक बच्चन की कास्टिंग पर ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। उन्होंने अभिषेक की एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, हमें ये बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि अब अभिषेक बच्चन दोबारा हाउसफुल परिवार का हिस्सा बन चुके हैं। हम आपको पाकर बेहद खुश हैं।

फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग अगस्त से यूनाइटेड किंगडम में शुरू होने वाली है। फिल्म से जुड़ने पर अभिषेक बच्चन ने फिल्मफेयर से कहा है, हाउसफुल मेरी सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रैंचाइजी में से एक है और इससे जुड़ना घर लौटने जैसा है। साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़ना एक बेहतरीन अनुभव है। मैं सेट पर अक्षय कुमार और रितेश के साथ मस्ती करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। साथ ही मैं अपने करीबी दोस्त तरुण मनसुखानी के साथ दूसरी बार काम करने के लिए भी एक्साइटेड हूं।

बता दें कि फिल्म हाउसफुल 5 को तरुण मनसुखानी डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले वो अभिषेक बच्चन की फिल्म दोस्ताना डायरेक्ट कर चुके हैं। फिल्म हाउसफुल 5 को साजिद नाडियाडवाला, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म को 6 जून 2025 में रिलीज किए जाने की तैयारी है।

बताते चलें कि अब तक हाउसफुल फ्रैंचाइजी की 4 कामयाब फिल्में रिलीज हो चुकी है। इस फ्रैंजाइजी ने 800 करोड़ रुपए की वर्ल्डवाइड कमाई की है, जिसके साथ ये भारत की सबसे ज्यादा कमाने वाली कॉमेडी फिल्म फ्रैंजाइजी है। साथ ही ये भारत की 7वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फ्रैंचाइजी फिल्म भी है।

'सुर्खियों' में रहने के लिए झूठ नहीं बोलती : श्रिया पिलगांवकर

आगे बढ़ने की भूख और कुछ अच्छा करने की इच्छा आपको खुद लोगों से जोड़ती है। मैंने निजी तौर पर कभी पब्लिसिटी स्टंट या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह की झूठी रणनीति नहीं बनाई है। श्रिया पिलगांवकर मराठी तथा हिन्दी फिल्मों और वैब सीरीज में काम कर चुकी है। उसको वैब सीरीज 'मिर्जापुर' से पहचान मिली, जिसमें उसने स्वीटी का दमदार रोल निभाया था। इन दिनों वह वैब सीरीज 'ब्रोकन न्यूज सीजन 2' को लेकर चर्चा में है, जो जल्द रिलीज होने जा रही है।

वह एक उम्दा कलाकार है लेकिन उसकी पर्सनल लाइफ पर अक्सर सवाल खड़े होते हैं। अब उसने उन अफवाहों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि उसके माता-पिता सुप्रिया और सचिन ने उसे गोद लिया है। हाल ही में जब एक इंटरव्यू के दौरान उससे पूछा गया कि क्या सचिन और सुप्रिया ने उसे गोद लिया था, तो करारा जवाब देते हुए 34 वर्षीय श्रिया ने कहा, अचानक एक पेपर में खबर आई कि मुझे गोद लिया गया है। नहीं, मेरे को गोद नहीं लिया है, ये जो भी खबर उड़ रही है, वह बिल्कुल झूठ है। मुझे इस पर सफाई देने की भी जरूरत नहीं है, क्योंकि मैं अपनी बात साबित करने के लिए अपना बर्थ सर्टिफिकेट तो इंस्टाग्राम पर दिखाऊंगी नहीं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है, इसलिए यह बहुत ही मजाकिया लगा मुझे। इसके अलावा मेरे बारे में कोई स्कैंडल नहीं है। उसने आगे कहा, ₹आगे बढ़ने की भूख और कुछ अच्छा करने की इच्छा आपको खुद लोगों से जोड़ती है। मैंने निजी तौर पर कभी पब्लिसिटी स्टंट या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह की झूठी रणनीति नहीं बनाई है। हां, अगर मेरा कोई बड़ा और बहुत अच्छा प्रोजैक्ट आ रहा है, तो मैं उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा बताना चाहूंगी, लेकिन कभी भी न्यूज में बने रहने के लिए अपने बारे में फेक न्यूज नहीं फैलाऊंगी।

11 साल पहले शुरू किया था एक्टिंग करियर

श्रिया ने साल 2013 में मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' से अपना अभिनय सफर शुरू किया था। इस फिल्म में उसके पिता सचिन भी नजर आए थे। मराठी और फ्रेंच प्रोजैक्ट्स में काम करने के बाद उसने शाहरुख खान की फिल्म 'फैन' से साल 2016 में बॉलीवुड में कदम रखे। इसके बाद श्रिया को 2018 में वैब सीरीज 'मिर्जापुर' से खूब लोकप्रियता मिली।

2019 में श्रिया को ब्रिटिश टी.वी. सीरीज 'बीचम हाऊस' में देखा गया था। 2021 में वह फिल्म 'हाथी मेरे साथी' में नजर आई, गत वर्ष उसने 'ड्राई डे' और 'इश्क- ए-नादान' जैसी फिल्मों तथा वैब सीरीज 'ताजा खबर' में काम किया और अब उसे फिल्म 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' में देखा जाएगा। जल्द रिलीज हो रही वैब सीरीज 'ब्रोकन न्यूज 2' में श्रिया के अलावा सोनाली बेंद्रे और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी

गत वर्ष वैब सीरीज 'ताजा खबर' में एक सैक्स वर्कर मधु की भूमिका, इससे पहले निभाई श्रिया की भूमिकाओं से अलग थी। उसने कहा, मैंने 'ताजा खबर' को इसलिए चुना क्योंकि मैं कुछ हल्का-फुल्का, कुछ अलग करना चाहती थी। एक अभिनेत्री के रूप मैं मेरे लिए बहुत सारे पहलू हैं, जिन्हें मैं साबित करने के लिए मरी जा रही हूं। जैसे, क्या कभी कोई मुझे नशेड़ी या सीरियल किलर के रूप में पेश करेगा? मैं नहीं जानती लेकिन मुझे वे भूमिकाएं निभाना अच्छा लगेगा। एक अभिनेत्री के तौर पर अलग-अलग चीजें करना मेरा काम है।

वह हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो के एक उद्धरण का हवाला देते हुए कहती है, अभिनय के बारे में एक अच्छी बात यह भी है कि यह आपको कीमत चुकाए बिना अन्य लोगों का जीवन जीने की अनुमति देता है।

नारीवाद पर बोली

हाल ही में नोरा फतेही ने एक इंटरव्यू में कहा था, को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है...। इस पर श्रिया ने कहा, लोगों ने नारीवाद की परिभाषा को सही ढंग से नहीं समझा है। यह समान अधिकार है, यह एकाधिकार नहीं है और मुझे लगता है कि अनजाने में बहुत से लोग पहले से ही नारीवादी हैं लेकिन वे खुद को ऐसा नहीं कहते क्योंकि उन्हें लगता है कि ना री वा द 'पुरुष-निदा' है।

दीपक तिजोरी की बनाई 7 फिल्में फ्लॉप रहीं

बोले- बुरा तो लगता है लेकिन अमिताभ बच्चन ने भी तो कई फ्लॉप फिल्में दी थीं

दीपक तिजोरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टिप्सी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बतौर डायरेक्टर, ये उनकी आठवीं फिल्म है। दीपक ने साल 2003 में फिल्म 'उप्स' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। पिछले 20 सालों में उन्होंने कई फिल्मों का डायरेक्शन किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर किसी भी फिल्म ने कमाल नहीं दिखाया। दीपक ने बताया कि उन्हें अपनी पिछली फिल्मों से काफी उम्मीदें थी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के असफल होने से वे काफी दुखी हुए। हालांकि, वे अपनी कोशिश जारी रखेंगे। इंटरव्यू के दौरान, दीपक ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई दिलचस्प बातें शेयर की।

सिचुएशन सही नहीं, ऑडियंस थिएटर नहीं जा रही

जब भी मेरी फिल्म रिलीज होती है, नए बच्चे के पैदा होने वाली फीलिंग आती है हालांकि इस बार नर्वसनेस थोड़ी ज्यादा है। सिचुएशन सही नहीं है। पिछले कुछ समय से ऑडियंस थिएटर नहीं जा रही है। बड़े बजट और A-लिस्टर एक्टर्स होने के बावजूद, थिएटर में फिल्में नहीं चल रहीं। 90 के दशक में, हमारी फिल्में कभी सिल्वर जुबली तो कभी गोल्डन जुबली मनाती थीं। थिएटर में 25 से 50 हफ्तों तक फिल्में चलती थीं। अब तो एक हफ्ता भी चल जाए तो प्रोड्यूसर के लिए बड़ी बात है।

अच्छी बात ये भी है कि आज के प्रोड्यूसर पहले ही कुछ राइट्स बेच देते हैं। म्यूजिक राइट्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म राइट्स को ध्यान में रखकर, वे 60-70 प्रतिशत फिल्म रिलीज के पहले कमा लेते हैं। कुलमिलाकर, प्रोड्यूसर के लिए रिस्क का मार्जिन थोड़ा कम हुआ है। हमारी फिल्म तो बहुत छोटी है। लेकिन कंटेंट काफी अच्छा है। हमने बहुत मेहनत की है। उम्मीद करता हूं कि ऑडियंस हमारी मेहनत की कदर करके थिएटर जाए और फिल्म देखें।

फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी' का कंटेंट बहुत अच्छा था

मैंने अपने हिसाब से कई अच्छी फिल्में बनाई थीं, दुर्भाग्यवश, वे नहीं चली। बतौर डायरेक्टर, मेरी पिछली फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी' का कंटेंट बहुत अच्छा था। लेकिन बॉक्स-ऑफिस पर नहीं चली। इससे पहले मैंने सनी देओल और अर्जुन रामपाल के साथ 'फॉक्स' बनाई थी। वह फिल्म भी फ्लॉप हुई। जाहिर है निराशा तो होगी ही। लेकिन, मैंने हार नहीं मानी। अपनी कोशिश जारी रखूंगा।

अमिताभ बच्चन ने भी तो कई फ्लॉप फिल्में दी थी

अमिताभ बच्चन साहब को अपना इंस्पिरेशन मानता हूं। उन्होंने एक्टर्स को लेकर एक बात कही थीं- 'एक्टर्स को कभी अपने काम की हिट या फ्लॉप से तुलना नहीं करना चाहिए। सालों बाद यदि अपना काम देखें, तो उस पर रिग्रेट नहीं होना चाहिए।' मैं उनकी इस बात को फॉलो करता हूं। अमिताभ बच्चन ने अपने हर काम में 100% दिया। इसके बावजूद, शुरुआत में उन्होंने कितनी फ्लॉप फिल्में दीं। उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं। फिर वे हिट हो गए। जब इतने बड़े दिग्गज की इतनी फिल्में फ्लॉप हो सकती हैं तो हम क्या हैं? मैं उन्हीं की राह पर चल रहा हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में ग्रुप होते हैं

आज इंडस्ट्री में ग्रुप को लेकर बहुत बातें होती हैं। चर्चा होती है कि करण जौहर का अपना ग्रुप है, वहीं यशराज का अपना। अपने ग्रुप मेंबर्स को ही वे काम देते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि हमारे दौर में भी ग्रुप हुआ करते थे। छोटा ग्रुप हुआ करता था। ये सिलसिला ब्लैक एंड वाइट के जमाने से चला आ रहा है। मैंने सुना है कि उस वक्त भी एक्टर्स पूछते थे कि उनके को-एक्टर कौन होंगे? यदि कोई एक्टर की किसी से नहीं बनती तो वे मना कर देते थे। इसलिए हर प्रोडक्शन हाउस की अपनी एक पसंदीदा टीम होती थी। वे ज्यादातर उन्हीं को कास्ट करते ताकि फिल्म की शूटिंग अच्छे से निपटे। मुझे इसमें कुछ गलत नहीं लगता।

समय के साथ बदली 'पसंद' : जूही परमार

'कुमकुम : एक प्यारा-सा बंधन' और 'शनि' जैसे टी.वी. सीरियल्स के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली जूही परमार ने भी अन्य अभिनेत्रियों की तरह छोटे पर्दे से निकलकर ओ.टी.टी. का रुख किया है। वह शो 'ये मेरी फैमिली' सीजन 3 में फिर से नीरजा अवस्थी की भूमिका अदा करती हुए नजर आ रही है। जूही ने बताया कि उसके पास टी.वी. शो करने के दौरान कैसे फिल्मों के ऑफर आते रहे लेकिन वह कभी भी मौकापरस्त नहीं रही। अब वह डिजिटल प्लेटफार्म पर अपनी उपस्थिति और बढ़ाना चाहती है। उसकी पसंद समय के साथ बदली हैं। शो में मां की भूमिका निभाने वाली जूही वास्तविक जीवन में भी एक बेटी की मां है। वह कहती है, ₹मेरे लिए परिवार और काम के बीच संतुलन बनाकर चलना आवश्यक है। मां का दायित्व सबसे महत्वपूर्ण है, पहली प्राथमिकता उसे देती हूं। जब किसी काम का प्रस्ताव मिलता है तो देखती हूं कि क्या वह इस लायक है कि बेटी की परवरिश से समय निकालकर शूटिंग पर जाऊं। मौजूदा दौर में कलाकारों के सामने बेहतरीन कहानियों का हिस्सा बनने के व्यापक अवसर हैं, क्योंकि हर आयु वर्ग के लोगों की पसंद के अनुरूप विषयों का प्रस्तुतिकरण बढ़ा है।

जूही की समकालीन कई अभिनेत्रियों ने टी.वी. छोड़कर फिल्में भी कीं। हालांकि, जूही ने ऐसा नहीं किया। वह कहती है, जब मैं धारावाहिक 'कुमकुम एक प्यारा-सा बंधन' कर रही थी तो कई फिल्मों के प्रस्ताव मिले थे, पर मैं अवसरवादी नहीं हूं। मैंने अपनी प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता दी।

जूही के करियर की बात करें तो उसने साल 1998 में बतौर अभिनेत्री टी.वी. की दुनिया में कदम रखा था। टी.वी. पर उसने 'वह', 'चूड़ियां', 'रिश्ते', 'विरासत' और 'संजीवनी' जैसे शो किए हैं। साल 2021 में वह सीरियल 'हमारी वाली गुड न्यूज' में नजर आई। इसके अलावा उसने सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' में भी न्यूज रिपोर्टर की भूमिका अदा की थी।

स्टिंग ऑपरेशन से गरमाई बंगाल की राजनीति

भाजपा का दावा-ये सच्चाई दबाने की कोशिश

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया है कि संदेशखाली पर जो कथित स्टिंग ऑपरेशन किया गया है, वह संदेशखाली की सच्चाई को दबाने का प्रयास है। मजूमदार ने वीडियो जारी करने के समय पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि संदेशखाली मामले में मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को क्लीन चिट देने के लिए यह वीडियो जारी किया गया है।

मजूमदार ने वीडियो को बताया फर्जी

मजूमदार ने कहा कि 'यह वीडियो संदेशखाली की सच्चाई दबाने के लिए टीएमसी नेताओं द्वारा ही जारी किया गया है।

इस वक्त स्टिंग ऑपरेशन क्यों किया गया, जब चुनाव चल रहे हैं? लेकिन लोगों को बेवकूफ बनाना आसान नहीं है, लोग राजनीतिक रूप से परिपक्व हैं और वे सब समझते हैं कि इस वक्त वीडियो क्यों जारी किया गया है।' उल्लेखनयी है कि शनिवार को टीएमसी ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया जा रहा है कि वीडियो में भाजपा के मंडल अध्यक्ष हैं, जिन्होंने वीडियो में बताया कि पूरी साजिश के पीछे विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी का हाथ है। टीएमसी इस वीडियो को जारी कर दावा कर रही है कि संदेशखाली विवाद के पीछे भाजपा की साजिश है। हालांकि मजूमदार ने वीडियो को फर्जी बताया और कहा कि हो सकता है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल करके यह वीडियो बनाया गया है।

मजूमदार ने अभिषेक बनर्जी के बयान पर साधा निशाना

मजूमदार ने कहा कि 'हमारे नेता गंगाधर कयाल ने कहा है कि वीडियो में जो शख्स है, वो वह नहीं हैं। जैसे ही वीडियो सामने आई, वैसे ही टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पार्टी को शाहजहां शेख को बर्खास्त करने से पहले दो बार सोचना चाहिए था।

अब इस वीडियो को शाहजहां शेख को क्लीन चिट देने में इस्तेमाल किया जाएगा।' बंगाल की बालुरघाट सीट से सांसद मजूमदार ने कहा कि 600-700 लोगों ने संदेशखाली मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। ऐसे में एक आदमी के बयान को स्वीकार किया जा रहा है और बाकी लोगों के दावों को नकार दिया गया है।

मजूमदार ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी के संदेशखाली न जाने पर भी सवाल उठाए और पूछा कि 'सीएम अब तक संदेशखाली क्यों नहीं गईं? मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे वहां जाएं तो हम उन्हें दिखाएंगे कि किस तरह से शाहजहां शेख के नेतृत्व में भूखंडों को मछली पालन के तालाबों में बदल दिया गया। केंद्रीय एजेंसियों ने संदेशखाली के एक घर से हथियार भी बरामद किए हैं।'

बृज भूषण सिंह को राहत

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में आदेश टला: चार्ज फ्रेम का बढ़ा इंतजार

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को बृज भूषण सिंह और एक अन्य के खिलाफ छह महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न मामले में आरोप तय करने पर आदेश टाल दिया है। अब इस मामले में 10 मई को आदेश आ सकता है। इससे पहले 26 अप्रैल को अदालत ने महिला पहलवान यौन शोषण मामले में आरोपी भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की उस अर्जी को खारिज कर दिया था। जिसमें उन्होंने महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न मामले में आगे की जांच की मांग की थी। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने 7 मई को मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया था।

भाजपा में शामिल हुईं राधिका खेड़ा

बोलीं-राम और हिंदू विरोधी है कांग्रेस

दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की प्रवक्ता रहीं राधिका खेड़ा ने भाजपा का दामन थाम लिया है। खेड़ा ने दो दिन पहले कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। राधिका खेड़ा ने अपने साथ छत्तीसगढ़ में दुर्व्यवहार करने और साजिश रचने का आरोप लगाया था। बीजेपी में शामिल होने के बाद कांग्रेस की पूर्व नेता राधिका खेड़ा ने कहा कि रामभक्त होने के नाते रामलला के दर्शन करने पर कौशल्या माता की धरती पर मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया। खेड़ा ने कहा कि मुझे भाजपा सरकार, मोदी सरकार का संरक्षण नहीं मिला था। आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं है, यह राम विरोधी, हिंदू विरोधी कांग्रेस है।

इससे पहले राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद कहा था कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने अपने दो साथियों के साथ रायपुर के पार्टी ऑफिस में उनके साथ अभद्रता करने की कोशिश की। जब उन्होंने इसके बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को जानकारी दी, तब आरोपी नेताओं के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश तक सबको इस आपत्तिजनक घटना के बारे में बताया गया, लेकिन आरोपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हताश होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया।

राधिका खेड़ा ने कहा था कि घटना 30 अप्रैल की है। शाम को लगभग छह बज रहे थे। मैं पार्टी ऑफिस में कुछ काम कर रही थी। उसी समय छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला अपने दो साथियों - नितिन भंसाली और सुरेंद्र वर्मा - के साथ कमरे में आया। ये दोनों लोग भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता हैं। इसके एक साथी ने कमरा पीछे से बंद कर लिया। कमरा किसने बंद किया, यह मैं नहीं देख पाई, लेकिन कमरा बंद होने की आवाज सुनते ही मैंने अपना फोन निकाल लिया और कैमरा चालू कर दिया। मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया। इसके बाद बाहर निकलकर मैंने इस घटना की जानकारी सबको दी। लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जब इस घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, मैंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया।

'वह पाकिस्तान की बोली बोल रहे'

वडेट्टीवार के बयान पर फडणवीस का पलटवार; उद्धव को भी घेरा

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के एक बयान से सियासी विवाद खड़ा हो गया है। वडेट्टीवार ने एटीएस के पूर्व प्रमुख हेमंत करकरे को लेकर एक बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि हेमंत करकरे की मौत आतंकवादी अजमल कसाब की गोली से नहीं, बल्कि आरएसएस के वफादार पुलिस अधिकारी की गोली से हुई थी। उनके इस बयान पर महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार किया है। फडणवीस ने वडेट्टीवार पर पाकिस्तान की बोली बोलने का आरोप लगाया है। वडेट्टीवार ने इस मामले की पैरवी करने वाले अधिवक्ता और उत्तर-मध्य मुंबई से भाजपा प्रत्याशी उज्जवल निकम को देशद्रोही करार दिया।

वडेट्टीवार के बयान पर फडणवीस का पलटवार

डिप्टी सीएम ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी घेरा। उन्होंने वडेट्टीवार के बयान पर उद्धव ठाकरे की चुप्पी पर सवाल उठाया। फडणवीस ने कहा, हेमंत करकरे को अजमल कसाब ने नहीं मारा था, ये बोलकर वडेट्टीवार पाकिस्तान की बोली बोल रहे हैं। पूरा देश उज्ज्वल निकम के साथ है, लेकिन कांग्रेस सिर्फ आतंकवाद के साथ है। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। इस पर फडणवीस ने कहा कि देश ने 1975 में तानाशाही देखी, जब पूरे विपक्ष को दो वर्षों के लिए जेल में डाल दिया गया था। जिन लोगों के खून में तानाशाही है, वे ही हमारे ऊपर इसे लेकर आरोप लगा रहे हैं।

उद्धव ठाकरे को भी घेरा

फडणवीस ने बताया कि मोदी सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से सबसे ज्यादा लाभ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को हुआ है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों को लाभ देने में विश्वास रखते हैं। कांग्रेस विभाजनकारी राजनीति कर रही है। इसके कारण देश को पहले भी विभाजन का सामना करना पड़ा था। फडणवीस ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार ने उन्हें गिरफ्तार करने की योजना बनाई थी। अजित पवार बारामती में अपनी मां आशा पवार को मतदान केंद्र पर लेकर गए थे। वहां अजित ने कहा था कि उन्हें उनकी मां का आशीर्वाद प्राप्त है।

सियाचिन ग्लेशियर में जान गंवाने वाले अग्निवीर को सरकार से मिली इतनी मदद

आरटीआई से हुआ खुलासा

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सियाचिन में तैनात अग्निवीर जवान अक्षय लक्ष्मण गावते की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी। लक्ष्मण गावते पहले अग्निवीर थे, जिनका ड्यूटी के दौरान निधन मौत हुआ था। वहीं एक आरटीआई से खुलासा हुआ है कि अक्षय लक्ष्मण गावते के परिजनों को सरकार ने एक करोड़ रुपये से ज्यादा की आर्थिक मदद प्रदान की है। लक्ष्मण भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर (14 कोर) का हिस्सा थे, जो लद्दाख में तैनात है। अग्निपथ योजना को लागू करने के दौरान सरकार ने कहा था कि ड्यूटी के दौरान अगर किसी अग्निवीर का निधन हो जाता है, तो उन्हें बीमा की रकम मिलेगी।

आरटीआई में पूछा ये सवाल

आरटीआई एक्टिविस्ट अजय बोस ने राइट टू इनफॉरमेशन एक्ट के तहत रक्षा मंत्रालय से पूछा था कि सियाचिन में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अक्षय लक्ष्मण गावते के परिवार को सरकार ने क्या कोई आर्थिक मदद दी है। अक्षय गावते की पिछले साल अक्तूबर, 2023 में लाइन ऑफ ड्यूटी पर तैनाती के दौरान दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन में मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने उन्हें श्रद्धांजलि भी दी थी। शहीद जवान की तस्वीर साझा करते हुए भारतीय सेना की 14 कोर ने अपनी पोस्ट में लिखा था, बर्फ में खामोश हैं, जब बिगुल बजेगा तो वे उठेंगे और फिर से मार्च करेंगे। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के सभी रैंक के अफसर सियाचिन की दुर्गम ऊंचाइयों में हुए अग्निवीर (ऑपरेटर) गावते अक्षय लक्ष्मण की सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं और उनके शोक संतिप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

एक करोड़ 30 लाख रुपये की दी आर्थिक मदद

अजय बोस की आरटीआई के जवाब में भारतीय सेना के आरटीआई सेल के एडीजी ने बताया है कि मृतक अक्षय लक्ष्मण गावते के परिवारजनों को अग्निपथ योजना के तहत आर्थिक मदद उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि कुल मिला कर एक करोड़ 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। इनमें 48 लाख रुपये गैर-अंशदायी बीमा (इंश्योरेंस कवर), 44 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया), आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन से 30,000 रुपये, आर्मी सेंट्रल वेलफेयर फंड से 8 लाख रुपये, सेवा निधि में अग्निवीर द्वारा दिए गए 30 फीसदी योगदान, जिसमें सरकार का भी बराबर योगदान होता है और पूरी राशि पर ब्याज दिया गया है। इसके अलावा परिजनों को मृत्यु की तारीख से चार साल पूरे होने तक शेष कार्यकाल के लिए भी वेतन भी दिया गया है।

इन हालात में नहीं मिलेगा गार्ड ऑफ ऑनर

वहीं सेना का स्पष्ट कहना है कि अगर कोई अग्निवीर सुसाइड कर लेता है, तो गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया जाएगा। सेना के नियमों के मुताबिक, अग्निवीरों को हर महीने 30 हजार से 40 हजार सैलरी मिलेगी। अग्निवीरों को जॉइनिंग के पहले साल में 4.76 लाख रुपये का पैकेज मिलता है। वहीं, चार साल का कार्यकाल पूरा होने तक इसमें 6.92 लाख रुपये तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही, तीनों सेनाओं में तैनात अग्निवीरों को स्थायी सैनिकों की तरह अवॉर्ड, मेडल और भत्ता दिया जाएगा। साथ ही, सरकार 44 लाख रुपये का बीमा भी कराएगी।

पांच करोड़ से ज्यादा की हेरोइन जब्त, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करोड़ों की कीमत की हेरोइन जब्त की है। इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त हेरोइन की कीमत पांच करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने महीनों तक चले ऑपरेशन के बाद आरोपियों को उत्तर प्रदेश के बरेली और झारखंड के हजारीबाग से गिरफ्तार किया। उनके पास से कुल 2.269 किलोग्राम हेरोइन और 1.053 किलोग्राम क्रूड (हेरोइन) बरामद की गई। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आतिफ, अशरफ, आरिफ अली, अली उर्फ रुखसार उर्फ राजू और मोहम्मद मुख्तार अंसारी के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि हाल ही में विशेष जानकारी मिली थी कि एक ड्रग तस्कर आतिफ अपने एक रिसीवर को भारी मात्रा में ड्रग देने के लिए छत्ता रेल चौक फ्लाईओवर इलाके के पास आएगा।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमित गोयल ने कहा, जाल बिछाया गया और आतिफ को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान एक बैग के अंदर से एक किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि बरामद हेरोइन उसे बरेली के अशरफ ने दी थी। इसे अनाज मंडी (नरेला) में उसके रिसीवर तक पहुंचाना था। डीसीपी ने कहा, बरेली में अशरफ के ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन वह वहां से फरार मिला। बाद में उसे 5 फरवरी को बरेली के ध्रुव अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया गया। अशरफ की निशानदेही पर उसके बरेली स्थित घर के लॉकर के अंदर से 490 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ करने पर अशरफ ने खुलासा किया कि तस्करी का सामान बरेली के राजू और आरिफ से लिया गया था। उसे जहांगीरपुरी के इस्लाम और बवाना स्थित जेजे कॉलोनी निवासी अरमान को सौंपना था।

23 मार्च को जांच के दौरान आरिफ अली को बरेली में उसके किराए के घर से गिरफ्तार किया गया। उसके घर से 202 ग्राम हेरोइन और 201 ग्राम मिश्रित ठोस पदार्थ बरामद किया गया था। उन्होंने प्रतिबंधित हेरोइन के एक अन्य स्रोत का नाम रुखसार उर्फ राजू बताया। पुलिस ने राजू को 12 अप्रैल को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया था। उसके घर से 200 ग्राम हेरोइन के अलावा कच्चे माल से हेरोइन तैयार करने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने झारखंड से कच्चे माल के एक और स्रोत के नाम का खुलासा किया, जो आमतौर पर अपना नाम बदलता था। डीसीपी ने कहा, अंसारी को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया था। तलाशी के दौरान उसके घर से कुल 1,035 ग्राम क्रूड, 359 ग्राम हेरोइन, 1914 ग्राम कट/केमिकल, पांच किलो सोडा और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन बरामद की गई।

'गर्भ गिराने की इजाजत मांगने वाली किशोरी की पहचान उजागर करने के लिए मजबूर न करे पुलिस'

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। पालघर पुलिस स्त्री रोग विशेषज्ञ को उस नाबालिग की पहचान उजागर के लिए मजबूर न करे, जो 14 हफ्ते का गर्भ गिराने की इजाजत मांग रही है। यह निर्देश हैं बॉम्बे उच्च न्यायालय के। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने लड़की को गर्भपात प्रक्रिया से गुजरने की अनुमति दी। मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होगी। स्त्री रोग विशेषज्ञ ने अदालत में याचिका दायर करते हुए मांग की कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे उन्हें16 साल की किशोरी की पहचान उजागर करने के लिए मजबूर न करे।

चन्नी के बयान को भाजपा नेता दिनेश सिंह बब्बू ने बताया शहीदों का अपमान

पठानकोट, 7 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले पर पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी पर सियासत जारी है। गुरदासपुर से भाजपा उम्मीदवार दिनेश सिंह बब्बू ने उनके बयान को शहीदों का अपमान बताया है। पुंछ में हुए आतंकी हमले को चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा बीजेपी का स्टंट बताए जाने पर गुरदासपुर से भाजपा उम्मीदवार दिनेश सिंह बब्बू ने कहा कि कांग्रेसी पहले भी सर्जिकल स्ट्राइक पर उंगलियां उठाते रही है। कांग्रेस देश की आर्मी पर शक करती है, जो जवान बॉर्डर पर दिन-रात दुश्मनों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है, न उनके पास पीएम मोदी के खिलाफ कहने के लिए कुछ है और न ही पंजाब में चुनाव लड़ने वाले भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ। चरणजीत सिंह चन्नी का बयान गलत है, यह शहीदों का अपमान है। बता दें कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने पुंछ आतंकी हमले को भाजपा का चुनाव पूर्व स्टंट बताया था। जालंधर में एक चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि ये सब स्टंट है, ये आतंकवादी हमला नहीं है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

'वादियों को कोर्ट में अपने मामलों पर बहस के लिए बनाए गए नियम सही'

अदालत ने खारिज की याचिका

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं को व्यक्तिगत रूप से उनके मुकदमों पर बहस करने की अनुमति देने के लिए बनाए गए नियम मौलिक अधिकारों के तहत हैं। अदालत ने आगे कहा कि यह नियम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से अलग नहीं हैं। न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर और न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की पीठ में पूर्व न्यायिक अधिकारी नरेश वझे की याचिका को खारिज किया है। पूर्व न्यायिक अधिकारी ने अपनी याचिका में पार्टियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से कार्यवाही की प्रस्तुति और संचालन के लिए सितंबर 2015 की अधिसूचना को चुनौती दी थी। इसके जवाब में अदालत ने कहा कि इन नियमों से कानून के समक्ष समानता, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं हो रहा। हाईकोर्ट ने आगे कहा कि ये नियम न्याय प्रशासन की सुविधा के लिए किसी पक्ष द्वारा प्रस्तुतीकरण और कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के मद्देनजर तैयार किए गए हैं। याचिकाकर्ता नरेश वझे ने अपनी याचिका में दावा किया था कि ये नियम वादियों को सुनवाई के अधिकार से दूर रखते हैं और इस तरह से यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

अदालत में अपने मामले पर खुद बहस करने के लिए नियम

बता दें कि अगर कोई याचिकाकर्ता अपने मामले पर खुद बहस करना चाहता है, तो उसे पहले हाईकोर्ट के रजिस्ट्री विभाग के अधिकारियों वाली दो सदस्यीय समिति के सामने पेश होना पड़ता है। समिति द्वारा मामले की जांच करने और याचिकाकर्ता से बात करने के बाद एक रिपोर्ट तैयार की जाती है। रिपोर्ट में यह बताया जाता है कि याचिकाकर्ता अपने मामले पर अदालत में खुद बहस कर सकता है या नहीं। जब याचिकाकर्ता को इस योग्य समझा जाता है, तो उसे यह वचन देना होता कि वह अदालत की कार्रवाई में कोई व्यवधान नहीं डालेगा।

महबूबा मुफ्ती का आरोप पीडीपी को कई इलाकों में प्रचार की नहीं मिली इजाजत

श्रीनगर, 7 मई (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया है कि उन्हें कई इलाकों में प्रचार के लिए जाने की इजाजत नहीं दी गई। त्राल में प्रेस को संबोधित करते हुए महबूबा ने कहा कि वह कई इलाकों में जाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्हें नहीं पता ऐसा क्यों हुआ। महबूबा ने कहा कि त्राल में लोगों ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया है और उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार में उन्होंने त्राल में लोगों का साथ मिलेगा। महबूबा ने कहा कि जब बहुत मुश्किल हालात थे, तो हिंसा से पीडीपी ने यहां के लोगों को बाहर निकाला था। वहीं, चुनाव आयोग की तरफ से जारी नोटिस से जुड़े जवाब में महबूबा ने कहा कि उन्होंने बच्ची का वीडियो अपलोड नहीं किया है। बच्ची अपनी मां के साथ उनसे मिलने आई थी, उन्होंने अपने प्लेटफार्म पर उस वीडियो को साझा नहीं किया है।

क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाले गिरोह का पर्दाफाश-छह आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

टीकमगढ़, 7 मई (एजेंसियां)। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने खुलासा करते हुए बताया है कि पुलिस ने तीन अलग-अलग कार्रवाई को अंजाम दिया है। इन तीनों कार्रवाई में पुलिस ने 6 आरोपियों को आईपीएल का सट्टा खेलते और खिलाते गिरफ्तार किया। इन आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 97 हजार 130 रुपए और एक ब्रेजा कार, हुंडई कार सहित मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें राजा खान, शेख शराफत, रियाज खान, दीपक, कौशलेंद्र, रवि का नाम शामिल है। उन्होंने कहा ये सभी आरोपी अलग नेटवर्क से आईपीएल के सट्टे का कारोबार करते थे। पुलिस कप्तान रोहित काशवानी ने बताया कि अब आगे भी पुलिस इनसे जुड़े सटोरियों का पता करेगी और इनसे जो कड़ियां जुड़ी हैं, उनका भी पर्दाफाश होगा। उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है, आगे उनके खिलाफ भी वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस कार्रवाई में कुल 19 लाख 55 हजार 535 मशरूका जब्त किया है।

ऐसे की कार्रवाई

बता दें कि शहर के बुंदेलखंड फर्नीचर के पास एक व्यक्ति अपनी ब्रेजा कर में बैठकर आईपीएल सट्टा खेल रहा था। सूचना पर कार्रवाई कर कार को चेक किया गया। इसमें एक व्यक्ति मोबाइल पर आईपीएल सट्टा खिला रहा था, जिसने अपना नाम राजा खान निवासी अनन्त पूरा थाना देहात बताया। इसके साथ ही शेख शराफत निवासी पुराना बस स्टैंड को पकड़ा गया, जिसके मोबाइल को चेक करने पर आईपीएल ऑनलाइन सट्टा की एजेंट आईडी पाई गई। पूछने पर उसके द्वारा बताया गया कि वह आईपीएल की एजेंट आईडी रियाज खान से लेता है, इसके बाद रियाज खान निवासी जेल के सामने वाली गली को पुलिस अभीरक्षा में लेकर मोबाइल चेक किया गया। जिसकी मोबाइल से आईपीएल सट्टा की एजेंट आईडी एवं क्लाइंट आईडी मिली। इसी तरह पुलिस ने शहर की भगत नगर कॉलोनी रोड पर दीपक कुशवाहा को गिरफ्तार किया, जिसके मोबाइल से आईपीएल सट्टा की आईडी जब्त की गई, जो कौशलेंद्र परमार की आईडी से संचालित कर रहा था।

आज सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी हुई

सोना 71,775 रुपए पर आया, चांदी 81,500 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 7 मई को मामूली गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 41 रुपए सस्ता होकर 71,775 रुपए पर आ गया है। हालांकि, आज चांदी की कीमत में बढ़त देखने को मिली है। एक किलो चांदी 208 रुपए महंगी होकर 81,500 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 6 मई को चांदी 81,292 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,530 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,380 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,350 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,380 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,430 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,430 रुपए है।

इस साल सोने-चांदी में दिखी शानदार तेजी

IBJA के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,423 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,775 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 81,500 रुपए पर पहुंच गए हैं।

हमेशा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

अगर आप दिन सोना हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत अब छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा।

इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक, यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

विदेशी ऑर्डर से सेवा क्षेत्र में वृद्धि 14 साल के शीर्ष पर, मजबूत मांग से मिला समर्थन

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था पर दुनिया का भरोसा बना हुआ है। दुनिया के कई हिस्सों से नए ऑर्डर मिलने के कारण देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नरमी के बावजूद अप्रैल, 2024 में 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के दम पर एचएसबीसी इंडिया का सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक पिछले माह 60.8 रहा, जो 2010 मध्य के बाद सर्वाधिक है। मार्च, 2024 में सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) 61.2 रहा था।

एचएसबीसी इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, अप्रैल में भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि की रफ्तार थोड़ी धीमी रही। इसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ऑर्डर और

आर्थिक वृद्धि का समर्थन मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू कंपनियों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों से नए ऑर्डर मिले। इससे सितंबर, 2014 में शृंखला शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि रही। पीएमआई का 50 से अधिक रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है।

धीमी रही कर्मचारियों की भर्ती की रफ्तार

नौकरियों के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि नए कारोबारी ऑर्डर में तेजी के बीच कुछ घरेलू सेवा प्रदाताओं ने अप्रैल में नई नियुक्तियां की। हालांकि, कुछ कंपनियों ने कहा कि कर्मचारियों की संख्या वर्तमान जरूरतों के लिए पर्याप्त थी। रोजगार सृजन की दर पिछले वित्त वर्ष के अंत की तुलना में धीमी रही।

इनपुट लागत में बढ़ोतरी

वेतन और उच्च खाद्य कीमतों के कारण अप्रैल में कंपनियों को इनपुट लागत में वृद्धि का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसकी रफ्तार मार्च से धीमी रही। इससे कंपनियों का मार्जिन कम हो गया। बढ़ी लागत की भरपाई के लिए कंपनियों ने लागत का आंशिक बोझ ग्राहकों पर डाल दिया।

कारोबारी भरोसा तीन महीने में सबसे ज्यादा

एक साल आगे के दृष्टिकोण के लिहाज से सेवा क्षेत्र की कंपनियों के बीच कारोबारी भरोसा अप्रैल में बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। भंडारी ने कहा, मार्केटिंग संबंधी प्रयासों और दक्षता में वृद्धि के साथ प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण की योजना एवं मांग की स्थिति अनुकूल रहने से कारोबारी आशावाद को बढ़ावा मिला है।

अनिल अंबानी की कंपनी का बिग एफएम 92.7 अब सफायर मीडिया का होगा

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। एनसीएलटी की मुंबई बेंच ने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली बिग एफएम 92.7 को खरीदने के लिए सफायर मीडिया के रिजोल्यूशन प्लान को अपनी मंजूरी दी है। इस संबंध में एनसीएलटी बेंच ने आदेश भी जारी कर दिया है। अनिल अंबानी के रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क के स्वामित्व वाले बिग एफएम 92.7 का मालिकाना हक अब सफायर मीडिया के पास चला गया है। इस अधिग्रहण को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने अपनी मंजूरी दे दी है।

एनसीएलटी की मुंबई बेंच ने बिग एफएम 92.7 को खरीदने के लिए सफायर मीडिया के रिजोल्यूशन प्लान को अपनी मंजूरी दी है। इस संबंध में एनसीएलटी बेंच ने आदेश भी जारी कर दिया है। इस अधिग्रहण को मंजूरी देने वाली एनसीएलटी की बेंच में न्यायिक सदस्य रीता कोहली और तकनीकी सदस्य मधु सिन्हा शामिल थी।

सफायर मीडिया के रिजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी देने के साथ ही एनसीएलटी बेंच ने एक मॉनिटरिंग कमिटी का गठन करने का भी आदेश दिया है। मॉनिटरिंग कमिटी रिजॉल्यूशन प्लान से जुड़ी प्रक्रिया से संबंधित रिपोर्ट एनसीएलटी को सौंपेगी। बिग एफएम का मालिकाना हक हासिल करने के लिए सफायर मीडिया 261 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। बिग एफएम देश का सबसे बड़ा रेडियो नेटवर्क है, जो लगभग 1200 शहरों और 50 हजार गांवों तक फैला है। देश में इसके 58 रेडियो स्टेशन हैं। दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही बिग एफएम को खरीदने का प्रस्ताव सफायर मीडिया ने फरवरी 2022 में दिया था। उसके बाद इसके समाधान पेशेवर के रूप में रोहित मेहरा की नियुक्ति की गई थी।

सेंसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 पर बंद

निफ्टी में भी 141 अंक की गिरावट रही, बैंकिंग और मेटल शेयर्स फिसले

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 7 मई को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 383 अंक की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 141 अंक की गिरावट रही, ये 22,301 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में बढ़त देखने को मिली है। आज पावर, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं FMCG कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में आज 5.20% की बढ़त रही।

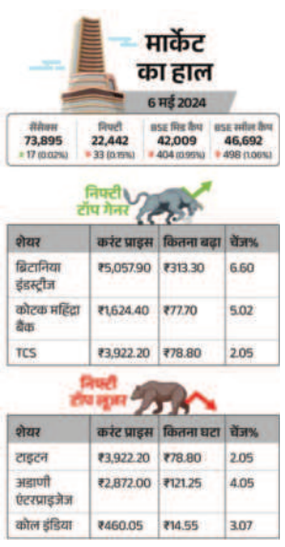

इंडेजीन लिमिटेड के IPO में निवेश का मौका

इंडेजीन लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 6 मई से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस IPO के लिए 6 मई से 8 मई तक बोली लगा सकेंगे। 13 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।इंडेजीन लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 430-452 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 33 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 452 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए मिनिमम 14,916 इन्वेस्ट करने होंगे।वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 429 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,908 इन्वेस्ट करने होंगे।

कल बाजार में रहा था सपाट कारोबार

इससे पहले कल यानी 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला था। सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ था।

वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी, नए देशों से संपर्क से परिधान निर्यात को बढ़ावा मिलेगा: एईपीसी

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी और पोलैंड, मैक्सिको तथा ब्राजील जैसे नए देशों में मांग का दोहन करने जैसे कदमों से भारत से परिधान निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी।ये उपाय उस विस्तृत रणनीति का हिस्सा हैं जिस पर परिषद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने 2030 तक निर्यात को 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

एईपीसी के चेयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा, '' हम चालू वित्त वर्ष में सभी महाद्वीपों में 17 अंतरराष्ट्रीय मेलों में हिस्सा लेने

की योजना बना रहे हैं। इस वर्ष हम जिन नए गंतव्यों को लक्ष्य कर रहे हैं, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ जैसे पारंपरिक बड़े देशों के अलावा सऊदी अरब, पोलैंड, मैक्सिको, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और रूस शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में 'भारत टेक्स' (केंद्र सरकार और परिधान उद्योग के बीच एक अनूठा सहयोग) के पहले संस्करण की सफलता के बाद अगले साल की शुरुआत में दूसरे संस्करण के जरिए दुनिया भर के खरीदारों तक पहुंच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

एईपीसी ने तीन मई को यहां एनसीआर स्थित प्रमुख खरीद एजेंसियों, विदेशी खुदरा विक्रेताओं के संपर्क कार्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल और व्यापार सलाहकार शुभ्रा ने अपने इसमें विचार साझा किए।

बैठक में 2030 तक 40 अरब अमरीकी डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ब्रांडों और खरीद घरानों के साथ अधिक से अधिक जुड़ाव की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही सेखरी ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लाभ अब दिखाई देने लगे हैं। अप्रैल-फरवरी 2023-24 के दौरान मॉरीशस में तैयार (रेडीमेड) परिधान निर्यात में 16.8 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिया में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत ने मॉरिशस को 14000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को मॉरिशस को 14,000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशायलय (डीजीएफटी) अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है।

डीजीएफटी ने बताया है कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए मॉरिशस को 14,000 टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। इससे पहले भारत ने चावल की कई किस्मों का निर्यात नेपाल, रिपब्लिक ऑफ घाना, फिलिपिंस, सेशल्स, यूएई, सिंगापुर जैसे देशों में करने की अनुमति दी थी। फिलहाल डीजीएफटी चावल निर्यात पॉलिसी के अंतर्गत चावल निर्यात करता है। फिलहाल, उन्हीं देशों को चावल का निर्यात किया जा रहा है जिनके लिए सरकार की ओर से मंजूरी दी गई है। कई अन्य देश अपनी खाद्य सुरक्षा का हवाला देकर भारत सरकार से चावल के निर्यात के लिए आग्रह कर रहे हैं।

पेटीएम का यूपीआई लेनदेन वॉल्यूम लगातार तीसरे महीने गिरा, मार्केट शेयर भी घटा

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)।फिनटेक कंपनी पेटीएम की राह लगातार मुश्किल होती जा रही है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते है कि पेटीएम ने अप्रैल में लगातार तीसरे महीने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस लेनदेन में गिरावट दर्ज की है।

इस साल अप्रैल में, कंपनी ने 111.71 करोड़ यूपीआई लेनदेन प्रोसेस किए जो मार्च के 123 करोड़ लेनदेन की तुलना में 9 प्रतिशत कम है। इस कारण यूपीआई इकोसिस्टम में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है।

यूपीआई इकोसिस्टम में पेटीएम की बाजार हिस्सेदारी 8.4 प्रतिशत पर आई

कंपनी ने अप्रैल में यूपीआई एप्लीकेशन इकोसिस्टम में 8.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। फरवरी में यह 10.8 प्रतिशत और मार्च में 9.13 प्रतिशत पर

था। हालांकि, पेटीएम ने यूपीआई इकोसिस्टम में तीसरे सबसे बड़े कंपनी के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है क्योंकि अन्य कंपनियां फिनटेक प्रमुख की तुलना में काफी छोटी हैं।

उदाहरण के लिए, क्रेड, यूपीआई लेनदेन चार्ट में चौथे स्थान पर है, मगर पेटीएम की तुलना में यह बहुत छोटी कंपनी है। इस साल अप्रैल में, क्रेड ने 13.84 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए, जबकि पेटीएम ने 111.71 करोड़ लेनदेन संभाले, यह दर्शाता है कि क्रेड का लेनदेन वॉल्यूम पेटीएम की तुलना में कम से कम आठ गुना कम है।

फोन पे और गुगलपे का मार्केट शेयर बढ़ा

इस बीच, टॉप दो कंपनियां, **फोन पे और गुगलपे** ने अप्रैल में क्रमशः 650 करोड़ और 502.73 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए। कुल लेनदेन संख्या में उनकी हिस्सेदारी क्रमशः 48.8 प्रतिशत और 37.8 प्रतिशत आंकी गई थी।

पेटीएम की सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के एक्शन के बाद दोनों कंपनियों ने यूपीआई लेनदेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

फरवरी 2024 में, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाले **फोन पे** की कुल लेनदेन मात्रा में 47.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। इस बीच, उसी महीने **गुगलपे** की हिस्सेदारी 36.7 प्रतिशत थी।

पेटीएम को मिली एक उम्मीद की किरण

जैसे-जैसे अन्य प्रमुख यूपीआई ऐप लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इस साल मार्च में फिनटेक फर्म को तीसरे पक्ष के एप्लिकेशन प्रदाता के रूप में कार्य करने की अनुमति देने के बाद पेटीएम को उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। जिसके बाद पिछले महीने में, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेटीएम को नए भुगतान सेवा प्रदाता बैंक हैंडल पर यूजर्स का माइग्रेशन शुरू करने की अनुमति दी थी।

एफएए ने बोइंग के खिलाफ नई जांच शुरू की, विमानों के निर्माण के दौरान निरीक्षण में लापरवाही का है मामला

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बोइंग के खिलाफ एक और जांच शुरू की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने सोमवार को बताया कि हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या बोइंग के कर्मचारी विमान निर्माता के 787 जेट विमानों की गुणवत्ता की जांच करने में असफल रहे? एफएए ने कहा कि जांच यह निर्धारित करने के लिए किया जा रहा है कि विमानों के निर्माण के दौरान जरूरी निरीक्षण किए गए या नहीं। एफएए के जांचकर्ता इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या कंपनी के कर्मचारियों ने विमान रिकॉर्ड में हेराफेरी की है? एफएए ने कहा कि जांच के दौरान बोइंग के कर्मचारी उन ड्रीमलाइनर विमानों का निरीक्षण करेंगे जो कंपनी ने अभी तक अपने एयरलाइन ग्राहकों को नहीं दिए हैं। कंपनी के कर्मचारी वर्तमान में उड़ान भरने वाले विमानों की जांच के लिए भी एक योजना बनाएंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष	04-28 बजे
चंद्र-	मेष	में	वृष	06-13 बजे
मंगल	मीन	में	मिथुन	08-14 बजे
बुध-	मीन	पें	कर्क	10-26 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह	12-38 बजे
शुक्र-	मेष	में	कन्या	14-44 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला	16-50 बजे
राहु-	मीन	में	वृश्चिक	19-00 बजे
केतु-	कन्या	में	धनु	21-18 बजे
			मकर	23-40 बजे
			कुंभ	01-10 बजे
			मीन	02-48 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत **-2550**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-50 सूर्यास्त. - 18-35
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् **-5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या **08-51** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष, बुधवार **08 May**
नक्षत्र - भरणी **13-33** तक उप कृतिका
योग - सौभाग्य **17- 40** तक उप
करण- नाग **08-51** तक उप किंस्तुघ्न
विशेष:- देवकार्ये अमावस्या
व्रत -त्योहार - श्री शुकदेव ज.

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	05:50 - 07:24 शुभ	उत्पात	18:35 - 20:01 अशुभ
अमृत	07:24 - 09:00 शुभ	शुभ	20:01 - 21:25 शुभ
काल	09:00 - 10:36 अशुभ	अमृत	21:25 - 22:49 शुभ
शुभ.	10:36 - 12:13 शुभ	चंचल	22:49 - 24:12* शुभ
रोग	12:13 - 13:49 अशुभ	रोग	24:12 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:25 अशुभ	काल	01:36 - 02:59 अशुभ
चंचल	15:25 - 17:01 शुभ	लाभ	02:59 - 04:24 शुभ
लाभ	17:01 - 18:35 शुभ	उत्पात	04:24 - 05:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं ।ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें ।यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है ।वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें ।बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है ।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें ।जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें ।ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा।आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा ।आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी ।घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे ।इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी ।आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे और आपको भी कोई परेशानी न हो ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं ।पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं ।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी ।आप विशेष लय में हैं ।आज का दिन सार्थक होगा ।मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें ।आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे ।आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें ।छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा ।इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा ।योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा ।योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

16 मई को गिरिडीह आएंगे प्रधानमंत्री

राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने तैयारियों का लिया जायजा

गिरिडीह, 7 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह में 16 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन होने जा रहा है। जिसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। गिरिडीह के बिरनी प्रखंड में प्रधानमंत्री का जनसभा होगा। मंगलवार को राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कर्णवीर सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने पहुंचे और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐतिहासिक दौरा होगा, जहां लाखों की संख्या में लोग कोडरमा, गिरिडीह और हजारीबाग ही नहीं बल्कि चतरा और धनबाद समेत अन्य जिलों से लोग पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री का जनसभा को सुनेंगे। कहा कि कार्यक्रम की तिथि तय होते हीं देश के चहेते प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए लोगों में एक अलग प्रकार की उमंग एवं उत्सुकता देखने को मिल रही है। जिसे सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

ठेकेदार के घर ईडी रेड, डेढ़ करोड़ मिले

नोट गिनने की 3 मशीनें मंगवाई गई हैं, 7 ठिकानों पर बिल्डर्स-कॉन्ट्रैक्टर्स पर छापेमारी जारी

रांची, 7 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। आज डोरंडा इलाके में रहने वाले कॉन्ट्रैक्टर राजीव कुमार सिंह के ठिकाने पर भी रेड पड़ी है। छापेमारी में ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह से डेढ़ करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कैश हेराफेरी में उसके जरिए 10 करोड़ से ज्यादा की रकम उड़ाई गई थी।

यह छापेमारी सुबह पांच बजे से ही चल रही है। इस छापेमारी के दायरे में बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर आए हैं।

वीरेंद्र राम मामले में ईडी ने 6 मई को रांची में कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। ईडी ने कुछ योजनाओं के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फरवरी 2023 में झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य

अभियंता वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था।

एक दिन पहले मंत्री आलमगीर आलम के पीएस के नौकर के घर से 35 करोड़ रुपए कैश मिले थे। आज एक बार फिर ईडी रांची के सात अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है।

सात जगहों पर छापेमारी जारी

बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह से ईडी कार्रवाई में लगी हुई है।

छापेमारी की यह कार्रवाई शहर के अलग-अलग सात जगहों पर चल रही है। जिन ठिकानों पर छापेमारी चल रही है, वह सिंह मोड़ के पास रहने वाले एक बिल्डर के साथ-साथ रांची के रातू और आईटीआई बस स्टैंड के पास रहने वाले दो बिल्डरों के यहां है। इसके अतिरिक्त कई दूसरे जगहों पर भी छापेमारी चल रही है।

आजसू के संवाद कार्यक्रम में पहुंचे अर्जुन मुंडा

विकसित भारत, विकसित खूंटी बनाने के लिए 13 मई को मतदान की अपील की

रांची, 7 मई (एजेंसियां)। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के बुंडू में केंद्रीय मंत्री व खूंटी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने एनडीए के घटक दल आजसू के द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सभी से विकसित भारत, विकसित खूंटी बनाने के लिए 13 मई को मतदान करने की अपील की।

अर्जुन मुंडा ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी राष्ट्र निर्माण में लगे हैं और इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। दूसरी तरफ ऐसे लोग चुनाव लड़ रहे हैं, जिनके पास न कोई मिशन है न कोई विज़न। आज राज्य में खनन माफिया राज्य के बालू को बाहर भेज दे रहे हैं लेकिन अगर कोई गरीब अपना घर बनाना चाह रहा है तो उसे बालू नसीब नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में भ्रष्टाचार हावी है। जहां भी छापे पड़ रहे हैं, वहां से करोड़ों मिल रहे हैं। यह राज्य के लिए दुर्भाग्य है । झारखंड राज्य को बनाने के लिए कई लोगों ने आहुति दी है, कई गोलीकांड हुए हैं, जिसकी जिम्मेदार भी कांग्रेस ही है । इसी

कांग्रेस के साथ मिलकर राज्य की सरकार जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने का काम कर रही है, जहां मंत्री के पी.ए. के नौकर के घर करोड़ों रुपए मिल रहे हैं। कांग्रेस लंबे अरसे तक शासन में थी लेकिन उसने अलग झारखंड की मांग को हमेशा लटकाने का काम किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हम कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। रांची से टाटा तक रेलवे लाइन बने यह हमारा संकल्प है। शिक्षा के क्षेत्र में हम आगे बढ़े ये हमारा संकल्प है। कृषि क्षेत्र में हम बेहतर करें ये हमारा संकल्प है।

श्री मुंडा ने अपने संबोधन में कहा कि आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल संसद में पास कराकर हमारी सरकार ने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है।

2029 में जब चुनाव होगा, संसद में 33 प्रतिशत महिलाएं चुनकर संसद में जाएंगी। इस ऐतिहासिक बिल को भी कांग्रेस ने वर्षों से लटकाकर रखा था।

छत्तीसगढ़ में वोटिंग खत्म, 6 बजे तक 66.92% मतदान

सबसे कम बिलासपुर में वोटिंग, ढाई घंटे बाद बूथ में आई लाइट, आंधी-बारिश में बैनर-पोस्टर उड़े

छत्तीसगढ़, 7 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की 7 सीटों रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, दुर्ग, जांजगीर-चांपा और सरगुजा के लिए मतदान हुआ है। अंतिम चरण में शाम 6 बजे तक 66.92% वोटिंग हुई है। इस दौरान प्रदेश में युवती सहित 2 लोगों की मौत हो गई, वहीं मां-बेटा घायल हो गए हैं। अंतिम चरण में सबसे ज्यादा वोटिंग रायगढ़ सीट पर 76.22% हुई है। अंतिम चरण के चुनाव में कांग्रेस-भाजपा के दिग्गज नेताओं सहित 168 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें 26 महिला उम्मीदवार हैं। सबसे ज्यादा 38 रायपुर और फिर बिलासपुर में 37 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे। मतदान के नतीजे 4 जून को आएंगे।

दूसरी ओर मूलभूत सुविधाओं को लेकर सरगुजा, बिलासपुर और कोरबा में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। रायपुर में कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने पोलिंग बूथ पर नींबू-पानी पिलाने वालों को भाजपा का एजेंट बताते हुए धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपाइयों ने भी जमकर नारेबाजी की।

सबसे ज्यादा वोटिंग रायगढ़ में, सबसे कम बिलासपुर में

सातों लोकसभा सीटों में सबसे ज्यादा मतदान 76.22% रायगढ़ में और बिलासपुर में सबसे कम 60.05% हुआ है। आंकड़ों पर गौर करें तो 2019 में तीसरे चरण में 71.14 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था। इस बार से 4.22 प्रतिशत ज्यादा है। फर्स्ट फेज में 2.25 और दूसरे चरण में 1.3 प्रतिशत ज्यादा मतदान हुआ था।

पुराने विवाद में चली गोली

थाना से 50 मीटर की दूरी पर चली गोली, दो घायल, पुलिस पड़ताल में जुटी

जमशेदपुर, 7 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के सोनारी थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर पुराने विवाद को लेकर अपराधी आकाश कुमार बाटला ने फायरिंग कर दी। इस घटना में दो युवक घायल हो गए। घायलों में अभय गोप और सूर्य हेंब्रम शामिल है।

इधर, स्थानीय लोगों ने आकाश को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। सूचना पाकर सोनारी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल पहुंचाया। वहीं आकाश को भी इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया हुआ है।

सूर्य को पेट में गोली लगी जबकि आकाश के हाथ में गोली लगी है। इधर, सूचना पाकर सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत और डीएसपी निरंजन तिवारी भी टीएमएच पहुंचे और घायलों से पूछताछ की।

घायल आकाश ने बताया कि रामनवमी के दौरान सुमित के साथ उसका विवाद हुआ था। इसी को लेकर दोनो के बीच तनाव था। आज सुमित ने फोन किया और सूर्या के के वाशिंग सेंटर पर बुलाया। वाशिंग सेंटर पहुंचने पर वहां पहले से ही कई युवक मौजूद थे। सभी ने मिलकर फायरिंग शुरू कर दी. बीच बचाव करते हुए उसने फायरिंग की। वहीं सूत्रों की माने तो सभी आपस में दोस्त ही है और क्षेत्र में मटका अड्डा का संचालन करते है। बंटवारे को लेकर ही सभी के बीच विवाद चल रहा था।

इधर, मामले को लेकर सिटी एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि सभी एक ही गुट के है। रामनवमी में दोनो के बीच विवाद हुए था। इसी को लेकर आज दोनो पक्षों के बीच फायरिंग की गई है। फिलहाल पुलिस ने आकाश को हिरासत में ले लिया है और हथियार भी जब्त कर लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मतदान केंद्र में मतदाता बेहोश होकर गिरा

अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत, थी किडनी की बीमारी

जशपुर, 7 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण में वोट देने गए एक बुजुर्ग की अचानक मौत हो गई। बीएमओ जशपुर डॉ. आशुतोष तिर्की ने बुजुर्ग वोटर की मौत किडनी की बीमारी बढ़ने से होने की संभावना जताई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

दरअसल, बूथ में मतदाता की मौत होने की घटना में मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक तरसियुस लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें किडनी की समस्या थी। सुबह वोट देने जामटोली मतदान केंद्र में गए थे। वहां वे अपनी बारी का इंतजार करते हुए कुर्सी में बैठे थे। तभी उन्हें अचानक चक्कर आया और आगे की ओर गिर गए।गर्मी और खाली पेट की वजह से चक्कर आ गया हो,यह सोचकर मतदान कर्मियों ने तरसीयूस को मतदान केंद्र में लिटाया और एम्बुलेंस बुलाया।एम्बुलेंस से 5 किलोमीटर दूर लोदाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस सम्बंध में खण्ड चिकित्सा अधिकारी बीएमओ डॉ आशुतोष तिर्की ने अमर उजाला को बताया कि अभी शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। जामटोली के बूथ क्रमांक 303 के पीठासीन अधिकारी के द्वारा जानकारी मिली है। मृतक किडनी की बीमारी सर ग्रसित था। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण बताया जा सकता है।

जेएमएम की चमरा लिंडा पर बड़ी कार्रवाई

लोकसभा चुनाव लड़ने से पार्टी से नाराज, पार्टी से किया निलंबित

रांची, 7 मई (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने ही विधायक चमरा लिंडा पर बड़ी कार्रवाई की है। गुमला जिले के विशनपुर विधानसभा के विधायक चमरा लिंडा को पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी की ओर से जारी पत्र में लिखा है कि उन्हें पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के निर्देश से सभी पदों से मुक्त करते हुए निलंबित किया जाता है।

पार्टी ने बताई निलंबन की वजह

पार्टी ने उन्हें निलंबित किए जाने के पीछे की वजह भी बताई है। पार्टी ने उन्हें भेजे पत्र में लिखा है कि आपने लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र से नामांकन कर गठबंधन के विपरित काम किया है। इस वजह से आपको निलंबित किया जाता है। पार्टी ने संबंधित पत्र रांची जिला समिति और गुमला जिला

समिति को भी भेजा है।

विशुनपुर से झामुमो विधायक चमरा लिंडा बागी तेवर अपनाते हुए लोहरदगा सीट से निर्दलीय मैदान में कूद गए हैं। उन्होंने 24 अप्रैल को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल किया है।

चमरा लिंडा की मानें तो उन्होंने दो साल पहले ही पार्टी को अवगत करा दिया था कि टिकट मिले या न मिले, लोहरदगा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इस बार मेहनत और परिश्रम के बल पर भाजपा से लड़ेंगे और जीतेंगे। यह बात उन्होंने नामांकन के बाद पत्रकारों से कही थी।

लोहरदगा से भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव और इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत में सीधी भिड़ंत अब चमरा लिंडा के आने से त्रिकोणीय मुकाबला में बदल गया है। जनजातीय के लिए आरक्षित इस सीट के वोटरों पर चमरा लिंडा का प्रभाव ठीक-ठाक है। राज्य गठन के बाद हुए चार चुनाव में चमरा तीन बार यहां से लड़ चुके हैं।

2004 और 2014 के चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, 2009 में वे दूसरे स्थान पर थे। 2019 में चमरा चुनाव में नहीं उतरे थे। चमरा लिंडा गुमला जिले के विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह जेएमएम से चुने गए विधायक हैं।

किसान को कुल्हाड़ी से काट डाला

गाली देने से मना करने पर किया वार गुस्साए लोगों ने आरोपी को बांधकर पीटा

बिलासपुर, 7 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार सुबह गाली देने से मना करने पर एक किसान की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। किसान खेत की रखवाली करने गया था। तभी अचानक एक युवक ने उससे कुल्हाड़ी छीनकर ताबड़तोड़ वार कर दिया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपी को बांधकर जमकर पीटा है। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम फरहदा निवासी लोचनप्रसाद धुरी (65) खेती-किसानी करता था। ग्राम करी खार में मंगलवार की सुबह वो फसल की रखवाली करने खेत गया था। तभी सुबह करीब 7 बजे वहां से कमलेश्वर पैकरा गुजर रहा था।

इस दौरान उसने किसान के साथ गाली-गलौज की, तब उसने गाली देने से मना किया। फिर अचानक कमलेश्वर ने पीछे से उसकी कुल्हाड़ी छीन ली। लोचन कुछ समझ पाता इससे पहले ही उसने ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे लोचन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया।

कोरिया के बैकुंठपुर निवासी आरोपी कमलेश्वर पैकरा पेशे से ड्राइवर है। लोगों ने उसे किसान की हत्या करते देख लिया, जिसके बाद वह भाग रहा था। इस दौरान लोगों ने उसे घेर कर पकड़ लिया। उसके हाथ-पैर बांध दिए और जमकर पिटाई की। कुछ ग्रामीणों ने लोगों को समझाइश देकर मामला शांत कराया।

बिलासपुर में लोकसभा चुनाव की सुबह से वोटिंग चल रही है। जब किसान की हत्या हुई, तब पुलिस अफसर से लेकर थानेदार तक चुनावी ड्यूटी में व्यस्त थे। वहीं, थाने में दो से तीन पुलिसकर्मी ही मौजूद थे। इसलिए सूचना मिलने के बाद भी पुलिस देरी से पहुंची। जिसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी नशे में गाली दे रहा था। किसान ने उसे ऐसा करने से मना किया, तो वह गुस्से में आ गया और किसान से कुल्हाड़ी छीनकर हमला कर दिया। इधर, पुलिस का कहना है कि हत्यारे युवक को पकड़ लिया गया है। लेकिन, वह कुछ बोल नहीं रहा है। जिस कारण हत्या की वजह साफ नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच जारी है।

मृतक लोचनप्रसाद धुरी के बेटे का कहना है कि, आरोपी से न तो हमारी जान-पहचान है और न ही कोई दुश्मनी। बिना वजह उसने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या की है। जिस तरह से मेरे पिता की हत्या की गई है। कानून उसे सख्त से सख्त सजा दे।

कॉन्स्टेबल ने हवा में चलाई 20 गोलियां

पेट्रोल-पंप, ढाबा और अपने घर पर की फायरिंग बोर्ड की उत्तर-पुस्तिका की निगरानी में थी ड्यूटी

कवर्धा, 7 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में नशे में धुत पुलिस आरक्षक ने 20 राउंड फायरिंग की। बताया जा रहा है आरक्षक कोमल कुर्रे ने सर्विस इंसास राइफल से शहर से लेकर अपने गांव तक घूम-घूमकर हवा में गोलियां चलाई। आरोपी आरक्षक को पुलिस पकड़कर थाने लेकर आई, लेकिन सुबह पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। एसपी अभिषेक पल्लव ने उसे निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस बल में तैनात आरक्षक ने विक्की ढाबा, पेट्रोल पंप और रायपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे पर अलग-अलग जगहों पर फायरिंग की है। इसके साथ ही बरबसपुर में भी हवा में गोली चलाई है। कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने आरोपी आरक्षक को बरबसपुर से पकड़ा।

बताया जा रहा आरोपी आरक्षक कोमल कुर्रे की कवर्धा के आत्मानंद हिन्दी मीडियम स्कूल में बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिका की सुरक्षा पर ड्यूटी लगाई गई थी। सुरक्षा ड्यूटी के लिहाज से आरक्षक को इंसास राइफल और तीन मैगजीन यानी 60 गोलियां दी गई थी। आरोपी आरक्षक की सोमवार रात में ड्यूटी थी।

रात करबी 8 बजे ड्यूटी में आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद अपनी सर्विस राइफल और 20 राउंड की एक मैगजीन लेकर वहां से निकल गया। रात 12 बजे सिंघनपुरी गांव के विक्की ढाबे में वो खाना खाने पहुंचा। खाना खाने के बाद आरक्षक ने अपनी सर्विस राइफल निकाली और लगातार 7 राउंड फायरिंग की। इस दौरान गोली की आवाज से ढाबे में खाना खाने बैठे अन्य लोग दहशत में आ गए। वहां भगदड़ मच गई। इसके बाद आरक्षक वहां से भागकर अपने गांव पहुंच गया। घर का दरवाजा खटखटाया, लेकिन थोड़ी देर तक किसी ने दरवाजा नहीं खोला। जिसके बाद उसने अपने घर की दीवार पर 2 राउंड फायरिंग की।

सड़क हादसे में घायल जवानों को रांची लाया गया

आईआरबी बटालियन के जवान बस हादसे में हुए हैं घायल, झारखंड पुलिस के हेलीकॉप्टर से लाया गया

धनबाद, 7 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिला के बगोदर थाना क्षेत्र में आईआरबी के जवान लोग बस से चुनावी ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर एक्सीडेंट हो गई। जिसके बाद एक जवान की मौत हुई है। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

गंभीर जवान को बेहतर इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच लाया गया। इसके बाद धनबाद सिटी एसपी अजीत कुमार और डीएसपी मुख्यालय 2 एस कामती जवान घायल को देखने एसएनएमएमसीएच पहुंचे।

वहीं जवान को बेहतर इलाज के लिए झारखंड पुलिस के हेलीकॉप्टर से 2 जवानों को रांची ले जाया गया। घायल जवानों को धनबाद सिटी एसपी ने स्कॉर्ट कर बरवड्डा हवाई अड्डा लाया गया। इस स्कॉर्ट में गिरिडीह के पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

घटना की विस्तृत जानकारी गिरिडीह के बगोदर थाना क्षेत्र के बगोदर डीह में मंगलवार को दर्दनाक बस हादसा हुआ है। एसएसटी बस हादसे का शिकार हुआ है। लेकिन एक अर्ध सैनिक बल के जवान के मौत की पुष्टि हुई है। जबकि कई लोग घायल है। घटना की जानकारी मिलते ही गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा, एसडीपीओ धनंजय राम और बगोदर थाना प्रभारी सुख सागर सिंह भी घटनास्थल पहुंच कर राहत बचाव कार्य में जुट गए।

डोली से पहले उठी अर्थी

शादी से 5 दिन पहले युवती ने लगाई फांसी, फोन पर मंगेतर से हुई थी कहासुनी

कोडांगांव, 7 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में शादी से 5 दिन पहले एक युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जिस लड़के से उसकी सगाई हुई थी, उससे फोन पर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। हालांकि बाद में उनका विवाद सुलझ गया था, लेकिन अचानक युवती ने सुसाइड कर लिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नहरपारा वार्ड निवासी सुषमा श्रीवास (24) की शादी तीन महीने पहले कांकेर जिले के भावगिरी ग्राम में तय हुई थी। सगाई हो गई थी और 10 मई को शादी होनी थी। एक भाई और तीन बहनों में सुषमा दूसरे नंबर की थी। जिसकी डोली उठने से पहले अर्थी उठी।बताया जा रहा है कि, घर के सभी लोग शादी की तैयारियों में लगे हुए थे। यह घर की पहली शादी थी। कुछ दिन पहले तक सुषमा खुद अपनी शादी के कार्ड बांटकर आई थी। वह अपनी शादी की शॉपिंग भी कर रही थी। इसी बीच रविवार (5 मई) की शाम मकान की दूसरी मंजिल पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती के पिता उमाशंकर श्रीवास ने बताया कि, सुषमा और मंगेतर के बीच फोन पर बातचीत होती थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। कुछ दिन बाद ही वर पक्ष ने लोगों ने घर आकर माफी मांगी थी। जिसके बाद समय के साथ सब कुछ ठीक हो चुका था। शाम को मेरी पत्नी विकास नगर गई थी, मैं भी बाहर था। बेटे और बेटियां घर की दुकान में थे। इसी दौरान सुषमा के रूम से बाहर नहीं निकलने पर छोटी बहन कमरे में गई, तो अंदर से दरवाजा बंद था।

दोस्त की बीवी की हत्या

बालोद, 7 मई (एजेंसियां)। बालोद जिले के ग्राम तितुरगहन में 6 मई को बोरे में मिली लाश के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लाश की शिनाख्त छोटी साहू (32) के रूप में हुई थी। उसकी हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके पति राम खिलावन (42) और उसके दोस्त डीसूराम साहू (60) को गिरफ्तार किया है। मामला गुरूर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली। छोटी साहू रमतरा गांव की रहने वाली थी। वो राम खिलावन की दूसरी पत्नी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने जेल वाले दोस्त डीसूराम साहू के साथ मिलकर अपनी दूसरी पत्नी छोटी साहू की हत्या का प्लान बनाया।

पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने

33 शब्दों में शपथ ली, कहा- दुश्मनों से भी रिश्ते सुधारेंगे, सेना ने 21 तोपों की सलामी दी

मॉस्को, 7 मई (एजेंसियां)। व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। मॉस्को के ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में पुतिन ने 33 शब्दों में शपथ ली। यह वही जगह है, जहां रूस के जार परिवार के 3 राजाओं (एलेक्जेंडर 2, एलेक्जेंडर 3 और निकोलस 2) की ताजपोशी हुई थी। शपथ के बाद पुतिन ने कहा, "हम और मजबूत होंगे। हम उन देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करेंगे जो हमें दुश्मन समझते हैं। मैं जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा।" रूस में 15-17 मार्च को हुए चुनाव में पुतिन को 88% वोट मिले थे। उनके विरोधी निकोले खारितोनोव को सिर्फ 4% वोट मिले थे।

रूस में हुए पुतिन के शपथ ग्रहण समारोह का अमेरिका, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों ने बहिष्कार किया है। हालांकि, भारत के राजदूत विनय कुमार कार्यक्रम में मौजूद रहे। पुतिन ने साल 2000 में पहली बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इसके बाद से 2004, 2012 और 2018 में भी वे राष्ट्रपति बन चुके हैं।

शपथ के बाद अपनी स्पीच में पुतिन ने कहा कि हम पश्चिमी देशों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। यह उन पर निर्भर करता है कि वे हमसे बातचीत करना चाहते हैं या नहीं।

पश्चिमी देशों ने लगातार रूस में विकास को रोकने की कोशिश की है। वे सालों से हमारे खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाते आए हैं।

हम यूरोप और एशिया में अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर के लिए काम करते रहेंगे। हम चाहते हैं कि सभी देशों के पास एक जैसी सुरक्षा व्यवस्था हो।

आजादी और एकता बनाए रखने के लिए रूस का सोशल-पॉलिटिकल सिस्टम लचीला होना चाहिए। हमें हर वक्त किसी भी चुनौती या खतरे के लिए तैयार रहना होगा।

शपथ ग्रहण समारोह में रूस की फेडरेल काउंसिल के सदस्य (सीनेट के सांसद), स्टेट डूमा के सदस्य (निचले सदन के सांसद), हाईकोर्ट के जज, अलग-अलग देशों के राजदूत और डिप्लोमैटिक कॉर्प्स शामिल हुए। 2018 में पुतिन के चौथे शपथ ग्रहण में जर्मनी के पूर्व चांसलर जेरहार्ड श्रोडर समेत करीब 6 हजार लोग मौजूद रहे थे। इसका लाइव टेलिकास्ट भी किया गया था।

समारोह के बाद रूस के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख पेट्रिआर्क ने राष्ट्रपति के साथ कैथेड्रल चर्च में प्रार्थना की। यह प्रथा साल 1498 से जारी है, जब मॉस्को के प्रिंस दिमित्री इवानोविच का विवाह हुआ था। सेरेमनी की शुरुआत में रूस का प्रेसिडेंशियल बैंड वही धुन बजाता है, जो 1883 में एलेक्जेंडर 3 की ताजपोशी के वक्त बजाई गई थी।

रूस में राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया

क्रेमलिन पैलेस के अलेक्जेंडर हॉल में रूस का झंडा और 'रशियन स्टैंडर्ड ऑफ द प्रेसिडेंट' का फ्लैग लाया जाता है। इस झंडे पर रूस का एम्ब्लम (प्रतीक चिन्ह) बना होता है। रूस की संवैधानिक कोर्ट के अध्यक्ष संविधान की कॉपी को पोडियम पर रखते हैं। इसके अलावा यहां राष्ट्रपति की चेन ऑफ ऑफिस भी रखी जाती है।

शपथ ग्रहण में इस्तेमाल होने वाली संविधान की कॉपी बेहद खास होती है। इसका कवर लाल रंग का होता है। इस पर सुनहरे रंग से 'कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ रशिया' लिखा होता है। इसके अलावा सिल्वर रंग में रूसी 'कोट ऑफ आर्म्स' की तस्वीर बनी होती है। संविधान की इस कॉपी को राष्ट्रपति की लाइब्रेरी में रखा जाता है।

चेन ऑफ ऑफिस राष्ट्रपति पद का प्रतीक होती है। इसके बीच में 'ऑर्डर फॉर मेरिट टु द फादरलैंड' का रेड क्रॉस बना होता है। क्रॉस के पीछे गोलाकार में 'बेनिफिट, ऑनर एंड ग्लोरी' लिखा होता है।

संविधान की कॉपी पर हाथ रखकर शपथ लेते हैं राष्ट्रपति

शपथ के लिए स्टेज पर रूस की संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष और संवैधानिक कोर्ट के प्रेसिडेंट मौजूद होते हैं। शपथ ग्रहण की तैयारियां पूरी होने के बाद नए राष्ट्रपति को इसकी सूचना दी जाती है। इसके बाद उनका काफिला ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस पहुंचता है। यहां सेंट जॉर्ज हॉल और सेंट एंड्रयू हॉल को पार करते हुए नए राष्ट्रपति एलेक्जेंडर हॉल पहुंचते हैं।

रूस के नए राष्ट्रपति संविधान की कॉपी पर दाहिना हाथ रखकर पद की शपथ लेते हैं। इसके बाद कॉन्स्टीट्यूशनल कोर्ट के अध्यक्ष उन्हें चेन ऑफ ऑफिस देते हैं और राष्ट्रपति की शपथ पूरी होने की घोषणा करते हैं। क्रेमलिन पैलेस में राष्ट्रगान होता है। इस दौरान राष्ट्रपति पैलेस के गुंबद पर 'रशियन स्टैंडर्ड ऑफ द प्रेसिडेंट' का झंडा फहराया जाता है।

इसके बाद नए राष्ट्रपति भाषण देते हैं। फिर राष्ट्रपति के सम्मान में 21 तोपों की सलामी दी जाती है। इस समारोह का अंत कैथेड्रल स्क्वायर पर होता है। यहां राष्ट्रपति रूसी सेना के कमांडर-इन-चीफ के तौर पर रेजीमेंट का निरीक्षण करते हैं। इसके बाद क्रेमलिन रेजीमेंट मार्च पास्ट करती है।

साल 2012 में पुतिन के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह पर करीब साढ़े 5 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। हालांकि, साल 2018 में सेरेमनी पर खर्च का डेटा सामने नहीं आया।

2036 तक रूस के राष्ट्रपति रह सकते हैं पुतिन

रूसी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति लगातार दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं बन सकता है। इसके चलते 8 मई 2008 को पुतिन ने प्रधानमंत्री रह चुके दिमित्री मेदवेदेव को रूस का राष्ट्रपति बनवाया और खुद पीएम बन गए थे। नवंबर 2008 में दिमित्री ने संविधान संशोधन कर राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 से बढ़ाकर 6 साल कर दिया।

मालदीव में 40% भारतीय टूरिस्ट घटे

पर्यटन मंत्री ने भारतीयों से आने की अपील की, कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म बेस्ड

माले, 7 मई (एजेंसियां)। मालदीव और भारत के बीच जारी गतिरोध का असर वहां के टूरिज्म पर पड़ा था। जनवरी से अप्रैल तक मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 40 फीसदी गिरावट आई है। मालदीव की मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म ने बताया कि जनवरी से अप्रैल तक भारत से 43,991 टूरिस्ट आए। 2023 में इस दरम्यान यह संख्या 73,785 थी।

सोमवार (6 मई) को मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल ने भारतीयों से उनके देश आने की अपील की। उन्होंने कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म पर ही निर्भर है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि मालदीव हमेशा भारत से दोस्ती करना चाहता है। हमारी सरकार भारतीयों के स्वागत के लिए हमेशा तैयार है। मालदीव में सबसे ज्यादा टूरिस्ट भारत से आते थे। अब यह संख्या छठे स्थान पर पहुंच गई है।

इससे पहले मालदीव ने कहा था कि वो भारतीय टूरिस्ट को लुभाने के लिए भारत के कई शहरों में रोड शो कराएगा। हालांकि, रोड शो किन शहरों में और कब कराए जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं दी गई थी।

मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर्स (एमएटीएटीओ) ने कहा था कि भारत के हाई कमिश्नर मुनु महावर से दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई।

दरअसल, जनवरी 2024 के बाद से मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या बहुत कम हुई है। इसकी वजह वहां के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हुई आपत्तिजनक टिप्पणी है।

7 जनवरी के बाद भारत-मालदीव के बीच तनाव बढ़ा

7 जनवरी को भारत में हैशटैग बाइकाट मालदीव्स ट्रेंड हुआ। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं।

इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। साथ ही कहा कि भारत सर्विस के मामले में मालदीव का मुकाबला नहीं कर सकता।

इसके बाद मालदीव में मौजूद भारतीय सेना को 10 मई से पहले देश छोड़ने को कहा गया था। तब 11 मार्च को 25 भारतीय सैनिकों के पहले समूह ने मालदीव छोड़ दिया था। फिर 9 अप्रैल को भारतीय सैनिकों को दूसरा समूह ने भी मालदीव छोड़ दिया था।

फरवरी में नई दिल्ली में हुए मालदीव और भारत के बीच समझौते में ये तय हुआ था कि सैन्य विमानों के संचालन की देखरेख के लिए मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों की जगह भारत की टेक्निकल स्टाफ टीम लेगी। इसके बाद 29 मई को 26 टेक्निकल स्टाफ का पहला बैच मालदीव पहुंच गया था।

स्पेसक्राफ्ट में बैठ चुकी थीं सुनीता विलियम्स, मिशन टल गया

रॉकेट में खराबी आई, बोइंग ने कहा- अगली लॉन्चिंग 10 मई को संभव

वॉशिंगटन, 7 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाला बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टल गया। इसे यूएलए के एटलस वी रॉकेट से आज सुबह 8:04 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च किया जाना था। रॉकेट के ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई समस्या के कारण मिशन टला है।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेसक्राफ्ट में सवार हो चुके थे, लेकिन इंजीनियर्स को चेक के दौरान रॉकेट की सेकेंड स्टेज में ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में समस्या मिली। ऐसे में टीम ने मिशन को लॉन्च से 2 घंटे 1 मिनट पहले टालने का फैसला लिया। बोइंग ने बताया कि डेटा एनालिसिस करने के बाद अब अगला लॉन्च 10 मई को हो सकता है। इस मिशन के सफल होने पर इतिहास में पहली बार अमेरिका के पास एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेजने के लिए 2 स्पेसक्राफ्ट हो जाएंगे।

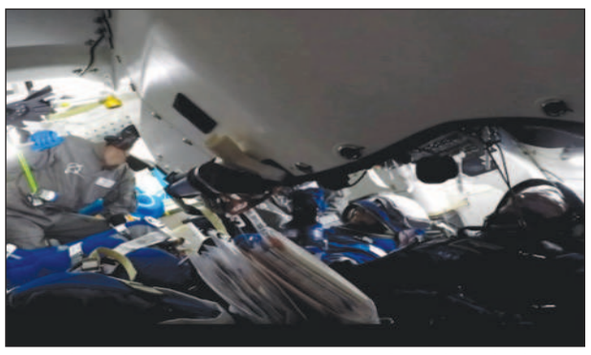

अभी अमेरिका के पास इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ही है। नासा ने साल 2014 में स्पेसएक्स और बोइंग को स्पेसक्राफ्ट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। स्पेसएक्स 4 साल पहले ही इसे बना चुकी है। एटलस वी रॉकेट लॉन्च होगा। 15 मिनट बाद ये स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को रिलीज कर देगा। स्पेसक्राफ्ट के इंजन फायर होंगे और ये स्पेस स्टेशन की लगभग 24 घंटे की यात्रा के लिए कक्षा में स्थापित हो जाएगा। स्टारलाइनर हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट पर डॉक करेगा। अपने स्टे के दौरान क्रू स्टारलाइनर के अंदर जाएगा, हैच बंद करेगा और दिखाएगा कि भविष्य में मलबे के साथ टकराव के रिस्क जैसी स्थिति में स्पेसक्राफ्ट "सुरक्षित आश्रय" के रूप में काम कर सकता है।

विल्मोर और विलियम्स पृथ्वी पर लौटने से पहले लगभग एक हफ्ते तक एक्सपेडिशन 71 क्रू के साथ रहेंगे और काम करेंगे। अनडॉकिंग के बाद, स्टारलाइनर के मैनुअल पायलटिंग का आकलन होगा। चालक दल अनडॉकिंग से लेकर लैंडिंग तक लगभग छह घंटे बिताएगा।

पृथ्वी के वायुमंडल में रीएंट्री के दौरान, स्पेसक्राफ्ट 28,000 किमी/घंटे की गति से धीमा होना शुरू हो जाएगा। इस दौरान क्रू 3.5 g तक भार महसूस कर सकता है। रीएंट्री के बाद पैराशूट सिस्टम की सुरक्षा के लिए स्पेसक्राफ्ट की आगे लगी हीट शील्ड को हटा दिया जाएगा। दो ड्रैग और तीन मुख्य पैराशूट स्टारलाइनर की गति को और धीमा कर देंगे। बेस हीट शील्ड डुअल एयरबैग सिस्टम को एक्सपोज करते हुए डिप्लॉय हो जाएगी। 6 प्राइमरी एयरबैग कैप्सूल के बेस पर डिप्लॉय होंगे। ये लैंडिंग के दौरान कुशन की तरह काम करेंगे। लैंडिंग के दौरान स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 6 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। संभावित लैंडिंग स्थानों में एरिजोना का विलकॉक्स और यूटा का डगवे प्रोविंग ग्राउंड शामिल है।

गाजा के राफा इलाके में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

मिस्र से सटे बॉर्डर पर कब्जा किया, 1 लाख फिलिस्तीनियों को निकाला जाएगा

यरूशलम, 7 मई (एजेंसियां)। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं।

हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटेलिजेंस के हवाले से दावा किया था कि हमास सीमा का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करता है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने एक लाख फिलिस्तीनियों को इलाके से निकालने की बात कही है।

इजराइल से जंग के 7 महीने बाद हमास ने मिस्र और कतर के सीजफायर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। हमास ने सोमवार (6 मई) को इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया।

हमास के लीडर इस्माइल हानिए ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी और मिस्र की खुफिया एजेंसी से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों से कहा कि वे इजराइल के साथ युद्धविराम के लिए उनकी शर्तों को स्वीकार कर रहे हैं। हमास ने कहा, "अब फैसला इजराइल के हाथ में है कि वह सीजफायर के लिए तैयार होता है या नहीं।" हालांकि, इजराइल ने कहा है कि हमास जिन शर्तों पर तैयार हुआ उसे वो मंजूर नहीं है। इसके बाद इजराइल ने जंग के आखिरी फेज की शुरुआत करते हुए दक्षिणी गाजा के राफा पर हमले किए। अलजजीरा के मुताबिक, हमास ने जिस समझौते को स्वीकार किया है, उसमें तीन चरणों में युद्धविराम की बात कही गई है।

पहला चरण- इसमें इजराइल गाजा पर हमले रोकेगा। नेटजारिम कॉरिडोर से इजराइली सेना की वापसी होगी। यह वही इलाका जिसका इस्तेमाल इजराइली सेना ने नॉर्थ-साउथ गाजा को बांटने के लिए किया था।

इसके अलावा इजराइली सेना गाजा में हेलिकॉप्टरों और ड्रोन्स से हर दिन 10 घंटे निगरानी नहीं करेगी। वहीं हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। हर इजराइली बंधक की रिहाई के बदले इजराइल 30 फिलिस्तीनियों को अपनी जेल से आजाद करेगा।

दूसरा चरण- पहला फेज सफल होने के बाद इजराइल-हमास अगले फेज की शर्तों पर चर्चा करेंगे। इसमें बचे हुए इजराइली बंधकों की रिहाई पर फोकस रहेगा। साथ ही गाजा में मौजूद बचे हुए इजराइली सैनिक पीछे हटेंगे।

तीसरा चरण- आखिरी फेज में गाजा में मारे गए इजराइली बंधकों के शव वापस लाए जाएंगे। गाजा को फिर से बसाने पर चर्चा होगी। इसको मिस्र, कतर और अमेरिका मॉनिटर करेंगे।

श्रीलंकाई मछुआरों ने कोर्ट में कहा

जलक्षेत्र में भारतीयों को रोकने के लिए वायुसेना को निर्देश दें

कोलंबो, 7 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका के जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों के पकड़े जाने की समस्या काफी अधिक बढ़ गई है। इसे लेकर श्रीलंकाई मछुआरों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कहा कि अदालत भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने से रोकने के लिए वायुसेना को निर्देश दे। गौरतलब है कि दोनों देशों के मछुआरे एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश कर जाते हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

श्रीलंकाई नौसेना ने फरवरी में एक बयान जारी किया था। बयान में नौसेना ने कहा था कि उन्होंने 2024 में अब तक श्रीलंका के जलक्षेत्र में कथित तौर पर मछली पकड़ने के लिए 23 भारतीय नाव और 178 भारतीय मछुआरों को पकड़ा है। उन्हें अग्रिम कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सौंपा गया है।

याचिका में कहा- स्थानीय 50 हजार मछुआरे प्रभावित

सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल जस्टिस (सीईजे) ने पिछले साल दिसंबर में जाफना और मन्नार के उत्तर और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों के प्रभावित मछुआरों के साथ मिलकर इसी संबंध में एक याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों के कारण स्थानीय 50 हजार मछुआरे प्रभावित हुए हैं। याचिका में मत्स्य पालन मंत्री, रक्षा मंत्रालय के सचिव, श्रीलंका नौसेना और वायुसेना के कमांडरों को प्रतिवादी बनाया गया है। श्रीलंकाई सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने सोमवार को मामले में पहली सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका में विदेश मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया जाए। मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त को होगी।

दोनों देशों के बीच संबंधों में विवादास्पद है यह मुद्दा

बता दें कि भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा है। इससे पहले श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की गई थी। इसके अलावा द्वीप राष्ट्र के समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने पर मछुआरों की नौकाओं को जब्त किया गया था।

पाक फौजी अफसरों पर बच्चों के यौन शोषण का आरोप

100 बच्चों के 600 वीडियो सामने आए, सेना ने आरोप खारिज किए

इस्लामाबाद, 7 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा के कबाइली इलाकों में तैनात कर्नल से मेजर रैंक तक के कुछ अफसरों के बच्चों से यौन शोषण के 600 से ज्यादा वीडियो सामने आए हैं।

बच्चों की उम्र 14 साल से कम बताई गई है। लगभग सौ से ज्यादा बच्चों का पांच साल से यौन शोषण किया जा रहा था। कुछ अफसरों को पाराचिनार कैंट से पेशावर कमांड हेडक्वार्टर बुला लिया गया है। कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हसन अजहर हयात ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में आदेश देते हुए किसी भी अफसर के यौन शोषण में शामिल होने से इनकार किया है।

सेना का दावा है कि तीन साल पहले भी अफसरों पर 13 साल के लड़के के यौन शोषण के आरोप लगे थे जो झूठे पाए गए थे। इस बीच, एफआईआर के बाद पुलिस ने यौन शोषण केस में एक स्थानीय दुकानदार को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि इलाके का एक दुकानदार ताहिर कबादी सेना का करीबी था। वही गरीब बच्चों की सप्लाई करता था। बताया जाता है कि वह बच्चों को लालच देकर अफसरों के पास भेजता था। उसने ही बच्चों के यौन शोषण के वीडियो भी बनाए।

इससे वह बच्चों के माता-पिता से पैसे भी ऐंठता था। साथ ही वीडियो के जरिए वह बच्चों को ब्लैकमेल करके बार-बार अफसरों के पास भेजता था। पुलिस ने उसके लैपटॉप से ये वीडियो बरामद किए हैं।

पहले भी आरोप लगे थे, लेकिन सेना के अफसरों ने आरोपियों को छुड़ाया

खुर्रम के स्थानीय लोगों का आरोप है कि सेना के कुछ अफसरों पर पहले भी बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगे थे, लेकिन पाक सेना के मेजर और कैप्टन रैंक के अफसरों ने पुलिस वालों पर दबाव डालकर आरोपियों को छुड़ा लिया था।

पाकिस्तान में 2015 में बच्चों के यौन शोषण के वीडियो वायरल करने का बड़ा रैकेट सामने आया था। इसमें करीब 400 वीडियो थे। इन वीडियो को 50-50 रुपए में बेचा गया था। हालांकि, इस मामले में फौज के अफसर शामिल नहीं थे।

चीन के झेनशियॉन्ग काउंटी के अस्पताल में चाकूबाजी की घटना

दो लोगों की मौत, 21 लोग घायल

बीजिंग, 7 मई (एजेंसियां)। चीन के यूनान प्रांत के झेनशियॉन्ग काउंटी में मंगलवार को एक अस्पताल में चाकूबाजी की घटना हुई। इस घटना में दो लोग मारे गए हैं जबकि, 21 लोग घायल हुए हैं।

हाथ में चाकू लेकर अस्पताल में घुसा था आरोपी

झेनशियॉन्ग काउंट के अधिकारियों का कहना है कि चाकूबाजी की यह घटना सुबह 11.30 बजे के करीब हुई। एक आदमी हाथ में चाकू लेकर अस्पताल में घुसा और लोगों पर हमला करने लगा। घटना में घायल लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक न्यूज रिपोर्ट के अनुसार इस बात की जानकारी नहीं है कि पुलिस ने चाकूबाजी के आरोपी को पकड़ा या नहीं।

चीन में बीते कुछ वर्षों में चाकूबाजी की कई घटनाएं सामने आई हैं। आइए इन पर एक नजर डालते हैं।

अगस्त 2023 में चीन के यूनान प्रांत में ही हुई चाकूबाजी की घटना में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक व्यक्ति ने दो लोगों को मार डाला था जबकि, इस घटना में सात लोग घायल हो गए थे।

जुलाई 2023 में चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के किंडरगार्टन में भी चाकूबाजी की घटना हुई थी। इसमें तीन बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई थी। अब एक बार फिर से हुई चाकूबाजी की घटना में दो लोग मारे गए जबकि 21 लोग घायल हुए हैं।

सिंगापुर पहुंचे आईएनएस दिल्ली

शक्ति और किल्टन, दक्षिण चीन सागर में तैनात होंगे तीनों भारतीय जहाज

सिंगापुर, 7 मई (एजेंसियां)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारतीय नौसेना अब दक्षिण चीन सागर में भी तैनात होने वाली है। भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के तीन जहाज दक्षिण चीन सागर में तैनाती के लिए सिंगापुर पहुंचे हैं। भारतीय नौसेना की यह कार्रवाई दोनों नौसेना के मजबूत संबंधों को स्पष्ट करती है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि रियर एडमिरल राजेश धनखा के नेतृत्व में आईएनएस दिल्ली, आईएनएस शक्ति और आईएनएस किल्टन सोमवार

सिंगापुर पहुंचे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर में पदस्थ भारतीय राजदूत ने तीनों जहाज, नौसेना के जवानों और अधिकारियों का स्वागत किया। नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दो समुद्री देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार है। बयान में मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा तैनाती दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है। वर्तमान में चीन दक्षिण चीन सागर में अपना कब्जा चाहता है। इस वजह से आसपास के अन्य देशों को परेशान करता रहता है। चीन फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों के साथ गतिरोध में शामिल है। दक्षिण चीन सागर में दूसरे थॉमस शोल पर फिलीपींस अपना दावा जताने की कोशिश कर रहा है और चीन इसका कड़ा विरोध कर रहा है।

सऊदी प्रिंस पर हुआ जानलेवा हमला?

क्या है हत्या की कोशिश के सनसनीखेज दावे का सच, फंसे बड़बोले फवाद चौधरी

रियाद, 7 मई (एजेंसियां)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर सनसनीखेज दावा किया जा रहा है कि सऊदी प्रिंस के काफिले पर जानलेवा हमला किया गया है। यही नहीं इसके कथित वीडियो को भी कई यूजर ने शेयर कर दिया। आलम यह रहा है कि पाकिस्तान के बड़बोले नेता फवाद चौधरी ने इसे सच मान लिया और उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके सऊदी प्रिंस के सुरक्षित होने के

लिए प्रार्थना तक कर डाली। वहीं मीडिया में आई खबरों और विशेषज्ञों के मुताबिक सऊदी प्रिंस की हत्या की कोशिश का दावा पूरी तरह से फर्जी है। इस खुलासे के बाद फवाद चौधरी अब जमकर ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, एक्स पर कई यूजर्स ने एक वीडियो पोस्ट करके दावा किया कि सऊदी अरब के प्रिंस पर जानलेवा बम हमला हुआ है। इसमें एमबीएस तो बच गए लेकिन दावा किया गया कि प्रिंस सलमान के कई गार्ड भी मारे गए हैं। एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें कोई गाड़ी जलती हुई दिख रही है। दावा किया गया कि यह सऊदी प्रिंस पर हुए हमले के बाद का वीडियो है। इस एक्स पोस्ट के बाद पूरे सोशल मीडिया में हड़कंप मच गया और लोग ट्वीट करके यह जानने की कोशिश करने लगे कि क्या यह सच है या नहीं। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री और भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले फवाद चौधरी ने तो इसे सच मान लिया। फवाद ने एक्स पर लिखा, 'क्राउन प्रिंस एमबीएस आधुनिक इस्लामिक नेतृत्व के प्रतीक हैं। उनके अच्छे होने और सुरक्षा के लिए पाकिस्तान से प्रार्थना।'

नेताओं को 'दिल्ली फतह' का मिशन

सचिन पायलट से लेकर सीएम भजनलाल तक को मिला बड़ा टास्क

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। जयपुर। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को फतह करने में राजस्थान के नेताओं की बड़ी भूमिका रहेगी। दरअसल, दिल्ली की सीटें जीतने को लेकर दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों कांग्रेस और भाजपा ने प्रदेश के नेताओं को बड़ी ज़िम्मेदारियों से नवाज़ा है। गौरतलब है कि राजस्थान से सटी दिल्ली में कुल 7 लोकसभा सीटें हैं और अभी सातों ही सीटों पर भाजपा का कब्ज़ा है। इन सभी लोकसभा क्षेत्रों के लिए 25 मई को छठे चरण के लिए वोट डाले जाएंगे।

भाजपा : सीएम सहित अन्य नेता बने 'स्टार'

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसमें दोनों डिप्टी सीएम दिया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा से लेकर सीएम भजन लाल तक को शामिल किया गया है। इनके अलावा राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ नेता केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।

कांग्रेस : पायलट और जोशी को बड़ा ज़िम्मा

कांग्रेस पार्टी ने भी राजस्थान के दो कद्दावर नेताओं को दिल्ली में बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को जहां नार्थ दिल्ली में ऑब्ज़र्वर लगाया गया है, वहीं राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को चांदनी चौक लोकसभा सीट पर ऑब्ज़र्वर लगाया गया है।

पायलट को अतिरिक्त ज़िम्मेदारी

कांग्रेस के आक्रामक नेताओं की फहरिस्त में सचिन पायलट का नाम भी शामिल है। ऐसे में पार्टी पायलट का भरपूर उपयोग करती दिख रही है। उन्हें हाल ही में ओडिशा राज्य के लिए जारी स्टार प्रचारकों की सूची में भी शामिल किया गया है।

हैरत की बात ये है कि ओडिशा की 40 स्टार प्रचारकों की सूची में पूर्व सीएम अशोक गहलोत का नाम नहीं है और प्रदेश से एकमात्र नेता पायलट को ही चुना गया है। पायलट के कंधो पर बतौर स्टार प्रचारक अन्य राज्यों में भी कैंपेनिंग करने का ज़िम्मा है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में तीन डॉक्टरों का इस्तीफा

एसीबी ने किया था मामले का भंडाफोड़

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। फर्जी एनओसी जारी करके ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद राजस्थान के तीन बड़े डॉक्टरों को इस्तीफा देना पड़ा है। सरकार ने मामले में जिम्मेदार पदों पर बैठे इन अधिकारियों की लापरवाही मानते हुए इनसे इस्तीफा मांगा था।

मामले में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा और स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के चेयरमैन डॉ. सुधीर भंडारी को इस्तीफा देना पड़ा है। ये तीनों जिम्मेदार पदों पर बैठे बड़े डॉक्टर लेकिन पिछले दो-तीन साल से फर्जी तरीके से हो रहे ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में इन जिम्मेदार चिकित्सा अधिकारियों ने कोई एक्शन नहीं लिया। तीनों डॉक्टरों के इस्तीफे सरकार ने तुरंत स्वीकार कर लिए हैं।

पिछले महीने एसीबी ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी तरीके से एनओसी जारी करने के मामले का खुलासा करते हुए एसएमएस अस्पताल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह के साथ दो निजी अस्पतालों के अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। एसएमएस के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह के घर पर दबिश में एसीबी को वहां सैकड़ों फर्जी एनओजी बरामद हुई, जिनमें से कुछ पर दस्तखत किए हुए थे और कुछ बिना हस्ताक्षर की थीं। मामले में जयपुर के निजी अस्पतालों की मिलीभगत सामने आने के बाद सरकार ने तीन नामी अस्पतालों ईएचसीसी, फोर्टिस और मणिपाल हॉस्पिटल के ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने के लाइसेंस रद्द कर दिए थे।

नियमानुसार सरकारी या निजी अस्पतालों में ऑर्गन ट्रांसप्लाट के लिए एनओसी कमेटी की अनुमति लेना जरूरी होता है लेकिन पिछले दो-तीन सालों में हुए ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई सुध ही नहीं ली, जबकि देशी-विदेशी मरीजों के किडनी ट्रांसप्लांट की खबरें कई बार मीडिया में भी प्रकाशित हुई थीं। ऑर्गन ट्रांसप्लांट की अनुमति के लिए बनी कमेटी द्वारा पिछले दो साल में कोई भी मीटिंग नहीं लिए जाने के बावजूद ऑर्गन ट्रांसप्लांट होते रहे लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया।

किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाले बयान पर बेचैन हुई सियासत

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान खत्म होने के बाद भी सियासी बयानबाजी की गर्माहट कम नहीं हुई है। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाले बयान को लेकर सियासत की बेचैनी बढ़ रही है। मीणा का हाल ही में दिया यह बयान कि सरकार में होना मेरा माइनस प्वाइंट है, सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है।

राजस्थान की सियासत को समझने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक बयान बहुत सटीक बैठता है कि जो दिखता है, वो होता नहीं है और जो होता है, वह दिखता नहीं है। ठीक यही स्थिति इस वक्त राजस्थान की है। यहां बीजेपी सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा लगातार बयान दे रहे हैं कि दौसा लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा यदि चुनाव हार जाते हैं तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। दरअसल दौसा सीट पर प्रचार की कमान बीजेपी ने डॉ. किरोड़ीलाल को दी थी, यहां पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो भी हुआ था। इसके बावजूद चर्चा है कि दौसा सीट पर पेंच फंसा हुआ है।

चुनाव प्रचार के दौरान भी डॉ. किरोड़ी मीणा ने अपने समर्थकों के बीच बयान दिया था कि यदि कन्हैयालाल चुनाव हारे तो वे उसी दिन मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। लेकिन उनका यह बयान सिर्फ बयान भर नहीं है तभी तो उनके इस

बयान ने सियासत में बेचैनी पैदा कर रखी है। डॉ. किरोड़ी का बयान उस सियासी भूकंप की आहट माना जा रहा है, जिसकी जद में आकर कई नेताओं की कुर्सियां गिर सकती हैं।

देखा जाए तो यहां पहले चरण के चुनावों में बीजेपी की कई सीटें फंसी हुई हैं। खुद बीजेपी भी यह मानकर चल रही है कि इस बार राजस्थान से कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। हालांकि सट्टा बाजार से लेकर सियासी गलियारों तक नुकसान वाली सीटों का नंबर कहीं ज्यादा बताया जा रहा है।

ऐसा मानने के पीछे कारण है कि पहले चरण में राजस्थान में वोटिंग का प्रतिशत बहुत कम रहा। इसमें बीजेपी के कई दिग्गज मंत्रियों की विधानसभाओं में सबसे कम वोटिंग हुई। यदि वोटिंग कम होने की वजह से इन क्षेत्रों में बीजेपी को नुकसान होता है तो डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे का दबाव वहां तक भी महसूस होगा।

-एक वजह यह भी है कि खुद किरोड़ीलाल मीणा अपने मंत्रिमंडल में पोर्टफोलियो को लेकर खुश नहीं थे। ऐसे में उनका यह दांव भजनलाल सरकार पर दबाव बनाने का काम भी करेगा।

- यदि डॉ. किरोड़ीलाल इस्तीफा दे देते हैं तो लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद आने वाले राजस्थान के बजट सत्र में कांग्रेस के लिए यह बड़ा मुद्दा बनेगा और सरकार की किरकिरी होगी।

ऐसे में संभावना यही है कि परिणाम चाहे जो भी हों लेकिन बीजेपी के नेता डॉ. किरोड़ीलाल की मनुहार में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे क्योंकि डॉ. मीणा का ये एक तीर सियासत में कइयों को घायल कर सकता है।

जहरीली गैस रिसने से तीन युवकों की मौत

पशुओं को बचाने के लिए उतरे थे कुएं में

शाहपुरा, 7 मई (एजेंसियां)। शाहपुरा थाना क्षेत्र के आरणी गांव में हुए हादसे में कुएं में जहरीली गैस निकलने से तीन लोगों की जान चली गई। दो पशुओं की लड़ाई में उन्हें बचाने गए युवक कुएं में उतरे और यह हादसा हो गया।

देर रात तक कुएं से मृतकों के शव निकाल लिए गए। मृतकों की पहचान शंकर पुत्र हजारी माली 30 वर्ष, धनराज पुत्र रामेश्वर माली 22 वर्ष, कमलेश पुत्र हजारी माली 25 वर्ष के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार कल देर शाम गांव एक नंदी व अन्य पशु के आपस में भिड़ने के बाद दोनों अचानक कुएं में गिर गए। आसपास खड़े पांच युवक पशुओं को बचाने के लिए कुएं में उतरे, दो युवक तो जैसे-तैसे तुरंत बाहर निकल गए लेकिन उनके तीन साथी कुएं से निकल नहीं पाए और जहरीली गैस के कारण दम घुटने की वजह से उनकी मौत हो गई।

शाहपुर पुलिस थाने में सूचना देने पर महावीरप्रसाद शर्मा मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू प्रारंभ किया।

जहरीली गैस के कारण शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान के 14 जिलों में तीन दिन लू का अलर्ट

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। जयपुर. प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने आज से अगले तीन दिन जयपुर समेत चार संभागों में लू चलने और दिन में पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक रहने की आशंका जताई है। प्रदेश के 14 से ज्यादा जिलों में हीटवेव का दौर रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 22 जिलों में दिन में पारा 40 डिग्री पार जा चुका है। जयपुर में बीते 24 घंटे में सीजन में पहली बार दिन में पारा 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। आज जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44 डिग्री से. व 8-9 मई को जोधपुर, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर, कोटा संभाग में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान हीटवेव/लू चलने की संभावना है।

इन जिलों में लू का अलर्ट

मौसम केंद्र जयपुर के आकलन के अनुसार बीकानेर, चूरू, जालोर, अलवर, भरतपुर, बारां, दौसा, धौलपुर, करौली, कोटा, बाडमेर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर जिले में आज से 10 मई तक भीषण गर्मी का दौर सक्रिय रहने का अलर्ट जारी किया है।

वहीं कल से अगले तीन दिन तक जयपुर संभाग समेत जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर संभाग में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री दर्ज होने और आसमान से आग बरसने की चेतावनी जारी की है।

दिनांक 10-11 मई को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 10 मई से ही उदयपुर, कोटा, जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ आंधी बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है। इसके प्रभाव से 11 मई से तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने तथा हीटवेव से राहत मिलने की संभावना है। राज्य में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश गतिविधियां 12 मई तक जारी रहने की संभावना है।

रात के तापमान में होगी बढ़ोतरी

प्रदेश में दिन के तापमान में बढ़ोतरी के बाद अब रात में भी पारे में उछाल दर्ज होने लगा है। राजधानी जयपुर समेत कई जिलों में बीती रात पारे में दो तीन डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर में न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फलोदी 29, बीकानेर 29.5, जालोर 29.5, बाडमेर 30.8, कोटा 28.6, डूंगरपुर 27.2, जैसलमेर 28.4, जोधपुर शहर 29 और अजमेर में न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा। भीलवाड़ा 24.3, पिलानी 25.5, सीकर 23.5, डबोक25, सिरोही 25.3, फतेहपुर 23.9, माउंट आबू 22 और संगरिया में रात का तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीमा पार से ड्रोन पर आई दस करोड़ रुपए की दो किलो हेरोइन की खेप

श्री गंगानगर, 7 मई (एजेंसियां)। अन्तरराष्ट्रीय बॉर्डर पर पाकिस्तान से ड्रोन से आई दस करोड़ रुपए की दो किलो हेरोइन की खेप बरामद की गई है। इस खेप को बॉर्डर एरिया में डिलीवरी लेने आए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जबकि एक विधि से संघर्षरत किशोर को निरुद्ध किया है। पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई के बाद मंगलवार को गजसिंहपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन व जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान मेयुवाओ को नशे की दलदल से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। करणपुर सीओ संजीव चौहान ने बताया कि गजसिंहपुर पुलिस और बीएसएफ की जी ब्रांच ने नाकेबंदी की थी। गजसिहपुर थाना प्रभारी राकेश सांखलाऔर बीएसएफ की जी ब्रांच ने संगरानामोड़ नजदीक 74 आरबी नहर पुल पर संगराना की तरफ से आई एक काले रंग की स्विफ्ट कार को रूकवाकर जांच की। इस कार में सवार दो आरोपी व एक विधि से संघर्षरत किशोर के कब्जा से दो किलो अवैध हैरोइन बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफतार किया गया व विधि से संघर्षरत किशोर को निरूद्ध किया गया। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ धारा 8/21, 25 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान केसरीसिंहपुर एसएचओ जितेंद्र स्वामी को सुपुर्द की गई है। दोनों तस्करों ने स्वीकारा वे पाक से आई इस हेरोइन की खेप लेने के लिए गजसिंहपुर क्षेत्र में बॉर्डर के पास खेत तक पहुंचे थे। वापस पंजाब जाने लगे तो पुलिस और बीएसएफ ने दबोच लिया।

पंजाब के तस्करों ने पाक से मंगवाई यह खेप

पुलिस पूछताछ में पंजाब के इन दोनों तस्करों ने हेरोइन अन्तर्राष्ट्रीय भारत-पाक सीमा से ड्रोन के माध्यम से पाक तस्करों से संपर्क कर मंगवाई जाना स्वीकार किया है। बरामद हेरोइन की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड रुपए है। गिरफ़तार किए गए पंजाब के तरनतारण जिले के काजीकोट गांव निवासी 20 वर्षीय मंजीत सिंह पुत्र अजीत सिंह और इसी गांव का 36 वर्षीय निर्मल सिंह पुत्र बंता सिंह के अलावा एक विधि से संघर्षरत किशोर भी शामिल है।

एक घंटे तक दहशत के साए में परिवार

झालाना के जंगल से निकलकर घर में जा घुसा तेंदुआ

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। जयपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में गार्ड पर हमला करने के बाद एक घर में घुसे तेंदुए को वन विभाग की टीम ने ट्रैंकुलाइज कर लिया गया है। करीब एक घंटे तक पूरा परिवार तेंदुए के साथ घर में ही कैद रहा। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने तेंदुए को ट्रैंकुलाइज करने के लिए शूट किया परंतु शॉट मिस हो जाने के कारण तेंदुए ने एक मजदूर पर हमला कर दिया।

इससे पहले पास में ही एक फैक्ट्री के गार्ड पर हमला करके तेंदुआ एक घर में घुस गया था। परिवार को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद तेंदुए को ट्रैंकुलाइज करने के लिए तीन शॉट लगाए गए थे लेकिन एक शॉट मिस होन के कारण उसने एक मजदूर पर हमला कर दिया।

आज सुबह करीब आठ बजे सबसे पहले तेंदुए का मूवमेंट देखा गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर मालवीय नगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आसपास के इलाकों में सर्च अभियान शुरू किया। तेंदुआ बिड़ला कॉलेज के ग्राउंड और फैक्ट्री के आसपास बताया जा रहा था इसलिए आसपास काम करने वाले लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सभी को घर में ही रहने के लिए कहा गया था। ट्रैंकुलाइज करने के बाद अब उसे वापस वन क्षेत्र में छोड़ने की कवायद की जा रही है।

जन शिक्षण संस्थान की निदेशक को एसीबी ने पकड़ा

कर्मचारी को रिश्वत के लिए कर रही थी मजबूर

अजमेर, 7 मई (एजेंसियां)। अजमेर एसीबी ने कार्रवाई करते हुए जन शिक्षण संस्थान की निदेशक को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। निदेशक ने संस्थान के कर्मचारी को उसकी बढ़ी हुई सैलरी देने की एवज में साल के 40 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। कर्मचारी ने एसीबी को इसकी शिकायत दी। इस पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। एसीबी ने संस्थान की निदेशक के आवास और कार्यालय पर भी सर्च किया।

जानकारी के मुताबिक जन शिक्षण संस्थान के पीड़ित कर्मचारी राजीव कॉलोनी अजमेर निवासी शैलेंद्र कुमार 1993 से वह जन शिक्षण संस्थान में कार्यरत हैं। 2021 में उसे प्रोग्राम ऑफिसर के पद का एडिशनल चार्ज दिया गया था। एडिशनल चार्ज मिलने के बाद उसकी सैलरी 14,000 से 26,000 की गई थी।

सैलरी बढ़ाने के बाद संस्थान की निदेशक श्वेता आनंद ने सैलरी बढ़ाकर देने की एवज में 4 हजार रुपये हर महीने देने साल के करीब 40 हजार रुपये की रिश्वत मांग की। उसने निदेशक को रिश्वत देने से मना कर दिया था। उसे लगातार परेशान किया गया और उसकी बढ़ी हुई सैलरी भी नहीं दी गई। पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उसने कुछ दिनों पहले परेशान होकर एसीबी से इसकी शिकायत की थी।

कोर्ट ने दी विवाहिता को प्रेमी के साथ रहने की इजाजत

नाराज परिजन टंकी पर चढ़े, हुआ हंगामा

दौसा, 7 मई (एजेंसियां)। जिले में बैजूपाड़ा पंचायत समिति के गांव अलीपुर की एक विवाहिता पिछले दिनों अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी, जिसे पुलिस ने दस्तयाब कर उसे कोर्ट में पेश किया था, जहां महिला ने प्रेमी के संग रहने की इच्छा जताई तो कोर्ट ने उसे प्रेमी के साथ रहने की इजाजत दे दी। यह बात महिला के ससुराल परिवार को नागवार गुजरी और परिवार के लोग पानी की टंकी पर चढ़कर लटक गए।

लगभग आधे घंटे तक चले इस घटनाक्रम में ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस ने महिला को दस्तयाब करके सीधा कोर्ट में पेश कर दिया और परिवार को इसकी भनक तक नहीं लगने दी।

नाराज ससुराल पक्ष के लोग जहां पानी की टंकी पर जा चढ़े, वहीं महिला का चाचा ससुर टंकी पर चढ़कर पाइप के सहारे नीचे लटक गया। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर आधे घंटे की समझाइश के बाद टंकी पर चढ़े लोगों को समझा-बुझाकर नीचे उतारा।

अवैध सम्बंधों के बाद मांगे रुपए

नहीं देने पर पति के साथ मिलकर प्रेमी की कर दी हत्या

बूंदी, 7 मई (एजेंसियां)। कोतवाली थाना क्षेत्र के जवाहर कॉलोनी में बंद कमरे में 45 वर्षीय व्यक्ति की हत्या अवैध सम्बंधों के कारण उसकी प्रेमिका ने पति के साथ मिलकर की थी। महिला उससे नाते आने के लिए दो लाख रुपए की मांग कर रही थी। पैसे नहीं देने पर उसने पति के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने 36 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला का पति फरार है। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि जवाहर नगर कॉलोनी में एक मकान के अंदर बंद कमरे में झालावाड़ के नीमखेड़ा निवासी मोहनलाल तंवर का शव मिला था। उसके हाथ-पैर और मुहं को बांध रखा था, गले में साफी की गांठ लगी हुई थी। मकान मालिक ने बताया कि मोहनलाल करीब एक साल से यहां किराए पर रह रहा था।

मादक पदार्थ तस्करी मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीते 11 माह से पुलिस कर रही थी तलाश

सिरोही, 7 मई (एजेंसियां)। बीते वर्ष जुलाई में मंडार थानाधिकारी की अगुवाई में टीम ने गुजरात पासिंग सफेद स्विफ्ट कार से डोडा चूरा 48 किलो 470 ग्राम जब्त किया गया था। तब से आरोपी फरार चल रहा था।

अनादरा पुलिस ने 48 किलोग्राम डोडा तस्करी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बीते 11 माह से फरार चल रहा था।

अनादरा थानाधिकारी हिंगलाजदान की अगुवाई में लाडुराम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार गत साल 13 जुलाई 2023 को मंडार थानाधिकारी की अगुवाई में टीम ने गुजरात पासिंग सफेद स्विफ्ट कार से डोडा चूरा 48 किलो 470 ग्राम जब्त किया गया था। उस दौरान आरोपी वाहन व डोडा चूरा छोड़कर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। इस मामले में पूर्व में एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों से इस माह की 13 तारीख को लोकसभा चुनाव के तहत सिरपुर एवं आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा है। आदिलाबाद (एसटी) संसदीय क्षेत्र के कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि मंगलवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन परिसर स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव प्रबंधन एवं मतदान प्रक्रिया पर समीक्षा बैठक की गयी। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ने कहा कि आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिले के सिरपुर एवं आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले चुनाव को संपन्न कराने में राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों को सहयोग करना चाहिए, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि मतदान के दिन पूर्ण मतदान हो सके, इसके लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायेंगे। इसी क्रम में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग जो मतदान केंद्र पर नहीं आ सकते, उन्हें घर पर ही मतदान का मौका दिया गया है। 157 लोगों ने इसके लिए आवेदन किया और 151 लोगों ने होम वोटिंग के जरिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर विद्युतीकरण, पंखा, पेयजल, मूत्रालय, रैम्प के साथ-साथ ओआरएस कि पैकेट उपलब्ध कराये जायेंगे। आपातकालीन सेवाएं और चुनाव कर्तव्य प्रदान करने वाले लोगों के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान के अधिकार का उपयोग करने के लिए इस महीने की 8 तारीख तक राजस्व मंडल अधिकारी कार्यालय में मतदाता सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं और 1 हजार 934 कर्मचारियों ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। इस कार्यक्रम में चुनाव नायब तहसीलदार जितेंद्र, चुनाव विभाग के अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य लोग शामिल हुए।

हॉस्टल में दोस्त को ले जाने पर विवाद, हुई मारपीट

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर में एक निजी छात्रावास के प्रबंधन द्वारा एक बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश की अनुमति देने के लिए हॉस्टल प्रबंधन और हॉस्टल में रह रहे एक छात्र और उसके दोस्त के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।

पीड़ित सैयद आसिफ आंध्र प्रदेश का मूल निवासी है और पढ़ाई के लिए हैदराबाद आया था, जिसके लिए वह एसआर नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत बालाजी हॉस्टल में रह रहा है। आसिफ एक निजी संस्थान से कंप्यूटर कोर्स कर रहा है। सोमवार को आसिफ का दोस्त जलील उससे मिलने हॉस्टल आया था। दोनों आसिफ के कमरे के अंदर चले गये। जब वे जा रहे थे तो हॉस्टल प्रबंधन के एक व्यक्ति ने उनसे बाहरी लोगों को हॉस्टल में प्रवेश देने पर सवाल उठाया। एसआर नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा हॉस्टल मालिक ने कथित तौर पर आसिफ के साथ अभद्र भाषा में दुर्व्यवहार किया और कथित तौर पर दूसरों की मदद से उस पर हमला भी किया।

अचानक बदले मौसम के बाद ओलावृष्टि के साथ बारिश

आसिफाबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद में कई दिनों से लगातार भीषण गर्मी से लोगों को झुलसाने के बाद मंगलवार की शाम करीब तीन बजे से मौसम का मिजाज बदल गया। आसमान काले बादलों से ढंक गया था। दिन में ही रात सा नजारा दिखने लगा। इसके बाद तेज और झमाझम बारिश के साथ ओलावृष्टि शुरू हो गई। बीस मिनट तक बारिश से कुछ देर के लिए लोगों को राहत मिली और मौसम भी सुहाना हो गया। लोग बारिश का भी लुत्फ उठाने घरों से निकल पड़े।

13 मई को सभी मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए : सांगवान

निर्मल, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) के तत्वावधान में आरडीओ द्वारा आयोजित 5के दौड़ को हरी झंडी दिखाई गई। वे आरडीओ कार्यालय से बस स्टैंड के पास अंबेडकर चौक तक रैली लेकर पहुंचे। कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कलेक्टर ने कहा कि मतदान का अधिकार संविधान द्वारा हमें दिया गया एक महान उपहार है और उन्होंने सभी मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे अपने मताधिकार का जिम्मेदारी से प्रयोग करें।

उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में कम मतदान दर्ज किया गया था और इस चुनाव में सभी शहरी मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में चुनाव कराने से संबंधित सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गयी हैं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर टेंट, पीने का पानी, बेंच, आपातकालीन दवाएं, ओआरएस पैकेट, चिकित्सा कर्मी और व्हीलचेयर और रैंप जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी ताकि मतदाताओं को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

ईसीआई ने राज्य सरकार से रैतू बंधु को चुनाव तक स्थगित करने को कहा

हैदराबाद, 7 मई (स्वत्रंत वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को तेलंगाना सरकार को 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के बाद तक रैतू बंधु योजना के तहत भुगतान स्थगित करने का निर्देश दिया।

ऐसा तब हुआ जब एन वेणुकुमार ने ईसीआई में शिकायत दर्ज कराई, जिसने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज को आदेश जारी किया, जिसमें बताया गया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने यह घोषणा करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था कि रैतू भरोसा 9 मई को या उससे पहले वितरित होगा।

शनिवार को कोत्तागुडेम में सभा के दौरान, मुख्यमंत्री ने खुले तौर पर घोषणा की थी कि रैतू भरोसा वितरण 8 मई तक पूरा हो जाएगा। इस आशय के लिए, उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव को भी चुनौती दी।

वेणुकुमार ने सोमवार को ईसीआई में शिकायत दर्ज कराई थी कि यह एमसीसी का उल्लंघन है। उपरोक्त आधार पर और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और स्टार प्रचारक और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा आदर्श आचार संहिता के स्पष्ट उल्लंघन में आयोग ने निर्देश दिया है कि 2023 के रबी सीजन के लिए रैतू भरोसा योजना के तहत शेष किस्त का वितरण किया जाएगा।

पत्र में कहा गया है कि आयोग के निर्णय के बारे में तुरंत तेलंगाना सरकार को सूचित किया जाना था और अनुपालन रिपोर्ट मंगलवार शाम 5 बजे तक आयोग को सौंपी जानी थी। दिलचस्प बात यह है कि अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार ने ईसीआई के आदेश आने से पहले ही लगभग 6.65 लाख किसानों को भुगतान के लिए 2,400 करोड़ रुपये से अधिक जारी कर दिए थे।

6.65 लाख किसानों के लिए रैतू बंधु सहायता जारी

हैदराबाद, 7 मई (स्वत्रंत वार्ता)। यासांगी किसानों के लिए देय फसल निवेश सहायता वनकलम परिचालन शुरू होने की उम्मीद से कुछ हफ्ते पहले ही जारी की गई है। किसानों को समय पर आवश्यक सहायता देने में सरकार की विफलता पर बीआरएस नेतृत्व द्वारा बनाए गए दबाव को देखते हुए, वित्त विभाग ने रैतू बंधु मद के तहत 2,423 करोड़ रुपये जारी किए, जो पिछली बीआरएस सरकार का प्रमुख कार्यक्रम था।

यह कहते हुए कि यह राज्य में किसानों के लिए एक बड़ी जीत है, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपने अभियान के दौरान कहा था कि इससे कृषि क्षेत्र को खुश करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा जब तक आप संघर्ष नहीं करेंगे, आप अपना हक नहीं पा सकेंगे।

राज्य में पांच एकड़ या उससे अधिक भूमि वाले 6.65 लाख किसान हैं, जबकि पांच एकड़ से कम भूमि वाले 62.34 लाख किसान हैं। कृषि अधिकारियों ने कहा कि सरकार पहले ही पांच एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को 5202 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। एक एकड़ भूमि वाले लगभग 22.55 लाख किसानों को यासांगी सीज़न के लिए प्राथमिकता के आधार पर रायथु बंधु सहायता का भुगतान किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि वनकलम किस्त के लिए रैतू बंधु बजट में बड़ी कटौती की उम्मीद है क्योंकि सरकार इसे "जरूरतमंद किसानों" तक सीमित करके इसका नाम बदलकर रैतू भरोसा करने का इरादा रखती है।

बैंकों में मई में रहेंगी 8 छुट्टियां

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बैंक मई 2024 में 8 छुट्टियां मनाने के लिए तैयार हैं। उनमें से कुछ को भारतीय रिजर्व बैंक ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत घोषित किया है। आरबीआई के मुताबिक, इस महीने बैंकों में कुल 9 छुट्टियां हैं, लेकिन नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत शहर में बैंक एक दिन बंद रहेंगे। एक मई को छुट्टी थी। हालांकि अभी सात छुट्टियां और हैं। 13 मई को राज्य में मतदान के कारण शहर के बैंक बंद रहेंगे। राज्य के 17 लोकसभा सांसदों को चुनने के लिए सोमवार को तेलंगाना में मतदान होने जा रहा है। इन छुट्टियों के अलावा, बैंक रविवार और दूसरे और चौथे शनिवार को भी बंद रहेंगे। हैदराबाद में बैंकों की छुट्टियों की पूरी सूची इस प्रकार है:

11 मई: दूसरा शनिवार
12 मई: रविवार
13 मई: चुनाव का दिन
19 मई: रविवार
25 मई: चौथा शनिवार
26 मई: रविवार

हाई स्ट्रीट स्टोर्स में हैदराबाद तीसरे स्थान पर

'थिंक इंडिया थिंक रिटेल 2024' की रिपोर्ट

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम 'थिंक इंडिया थिंक रिटेल 2024' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद हाई स्ट्रीट रिटेल के लिए भारत के शीर्ष शहरों में से एक है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और बेंगलुरु से काफी पीछे है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष आठ शहरों में स्थित 82 प्रतिशत स्टोरों में से 15 प्रतिशत स्टोर हैदराबाद में हैं। रिपोर्ट में हैदराबाद में फैली 5 प्रमुख ऊंची सड़कों की पहचान की गई है, जो इसके खुदरा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। ये ऊंची सड़कें अमीरपेट, बंजारा हिल्स, गाचीबोवली, जुबली हिल्स और सोमाजीगुडा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्थित हैं, जिनमें से प्रत्येक निवासियों और आगंतुकों को समान रूप से खरीदारी का एक अनूठा अनुभव प्रदान करती है। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा किए गए प्राथमिक खुदरा स्टोर सर्वेक्षण के अनुसार, 2023 तक, हैदराबाद में कुल शॉपिंग सेंटर स्टॉक 0.6 मिलियन वर्ग मीटर (6.7 मिलियन वर्ग फीट) है।

सड़क दुर्घटना में 2 की मौत

जगतियाल, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लापुर मंडल के हुसैननगर के पास मंगलवार को सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब एक ट्रैक्टर जिसमें पीड़ित यात्रा कर रहे थे, हुसैननगर के पास पलट गया। मुत्यमपेट के राजेश (23) और हुसैन नगर के ह्यमाद की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बिजली गिरने से किसान की मौत

सिद्दीपेट, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुम्मारी मल्लेशममंडल मुख्यालय में मंगलवार सुबह बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। पीड़ित के. मल्लेशम (33) था, जो मंगलवार की सुबह भैंसों का दूध निकालने के लिए अपने पशुशाला में गया था, जब इलाके में भारी बारिश और तूफान आया मल्लेशम छिपने के लिए एक पेड़ के नीचे दौड़ा। हालांकि, बिजली गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

रबीन्द्रनाथ ठाकुर जयंती पर की वानरों की सेवा

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि रबीन्द्रनाथ ठाकुर जयंती के उपलक्ष्य पर पोचैंपली गांव से पहले वानरों की सेवा की गई। वानरों को चना, केला, संतरा अन्य जिंसो को वानरों को दिया गया। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, संतोष अग्रवाल, सारिका गर्ग, भरत गर्ग, मनन गर्ग, पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

करीमनगर के तकनीकी विशेषज्ञ का शव नोएडा में मिला

ऑनलाइन गेमिंग में नुकसान की आशंका

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर नागुला पृथ्वी (25) का शव उसके कमरे में लटका हुआ पाया गया। संदेह है कि उसने शनिवार को फांसी लगा ली, लेकिन घटना सोमवार देर रात सामने आई। गंगाधरा मंडल के मधुरानगर के मूल निवासी पृथ्वी उत्तर प्रदेश के नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे और दोस्तों के साथ एक कमरे में रह रहे थे। बताया जाता है कि वह ऑनलाइन तीन लोगों के संपर्क में आया और उन्होंने उसे ऑनलाइन गेमिंग में पैसे खर्च करने के लिए प्रोत्साहित किया। पृथ्वी ने दोस्तों से 12 लाख रुपये उधार लिए और यह रकम ऑनलाइन गेमिंग में खर्च कर दी। दुर्भाग्यवश, 4 दिनों के भीतर ही उसने यह रकम खो दी। घटना से परेशान होकर वह 15 दिनों तक ऑफिस से दूर रहे। संदेह है कि कर्ज चुकाने में असमर्थ होने के कारण शनिवार की रात जब उसके रूममेट बाहर गए थे तो उसने कमरे में फांसी लगा ली। नोएडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एक साल पहले बीटेक पूरा करने के बाद पृथ्वी ने हैदराबाद में एक सॉफ्टवेयर कंपनी ज्वाइन की। दो माह पहले कंपनी ने उनका तबादला नोएडा कर दिया था।

संदिग्ध हालत में पेड़ से लटका मिला शव

व्यक्ति की नहीं हो पा रही पहचान

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके हयातनगर में सोमवार रात एक 50 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकी हुई लाश मिली है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है, उसे स्थानीय लोगों ने साड़ी का उपयोग करके एक पेड़ से लटका हुआ पाया और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। इसे पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में स्थानांतरित कर दिया गया। मामला दर्ज कर युवक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

गर्मी के कारण छुट्टियों की मांग कर रहे इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के कई छात्रों ने गर्मी के कारण छुट्टियों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमजीआईटी) के छात्रों ने प्रबंधन से छुट्टियां घोषित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्र कॉलेज परिसर के बाहर नारे लगाते दिखे। उन्होंने 'हमें छुट्टियां चाहिए' के नारे लगाए। अभी तक प्रबंधन ने छुट्टियों की घोषणा नहीं की है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) के अनुसार, हैदराबाद के शैकपेट में सबसे अधिक तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लगभग दो घंटे में भारी बारिश

136.8 मिमी के साथ सिकंदराबाद में पानी ही पानी

हैदराबाद, 7 मई (स्वत्रंत वार्ता)। हैदराबाद में मंगलवार को मौसम की स्थिति में नाटकीय बदलाव देखा गया, क्योंकि लंबे समय से बारिश की कमी की भरपाई दो घंटे से अधिक की भारी बारिश से हो गई।

सिकंदराबाद में शाम 7 बजे तक 136.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और केपीएचबी भी पीछे नहीं रहा, जहां 102.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि चंदनगर में 86 मिमी बारिश दर्ज की गई। गाजूल रामाराम, यूसुफगुडा, मूसापेट, चंदानगर, पाटनचेरुवु, बालानगर, जीडीमेटला, कुथबुल्लाहपुर, एलबी नगर, सरूरनगर, दिलसुखनगर, जुबली हिल्स और कापरा सहित कई इलाकों में भारी बारिश की मार झेलनी पड़ी।

आपात स्थिति से निपटने के लिए टीएसएनपीडीसीएल स्थापित करेगी नियंत्रण कक्ष

वारंगल, 7 मई (स्वत्रंत वार्ता)। मंगलवार को राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के साथ-साथ ओलावृष्टि के बाद, उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कर्णाती वरुण रेड्डी ने अधिकारियों को सर्कल स्तर पर चौबीसों घंटे नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया। आपात्कालीन स्थिति से निपटने हेतु तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें।

सीएमडी ने वारंगल, करीमनगर, खम्मम, आदिलाबाद और गोदावरी के आसपास के इलाकों के अधिकारियों को सतर्क रहने और आपातकालीन कार्यों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया। उन्होंने फील्ड स्टाफ को अपने-अपने सर्कल में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहते हुए व्यवधान की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

हर एक स्टाफ सदस्य को मुख्यालय में रहना चाहिए और सेवा करनी चाहिए। स्थिति से निपटने के लिए लोगों और सामग्रियों को तैयार रखा जाना चाहिए, उन्होंने कहा अधिकारियों को यह देखना चाहिए कि क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर तैयार रखे जाएं।

उन्होंने अधिकारियों से बिजली आपूर्ति से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए संबंधित जिला अधिकारियों और विभागों के साथ समन्वय करने को कहा। लोग बिजली संबंधी समस्याओं और शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर 1800 425 0028 या 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

भारी बारिश से सीएम की करीमनगर बैठक रद्द

करीमनगर, 7 मई (स्वत्रंत वार्ता)। मंगलवार को जिला मुख्यालय पर हुई भारी बारिश के कारण मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की जनजतरा सार्वजनिक बैठक रद्द कर दी गई। चुनाव प्रचार के तहत कांग्रेस पार्टी ने यहां एसआरआर कॉलेज मैदान में सभा की व्यवस्था की थी।

हालांकि, बैठक के निर्धारित समय शाम चार बजे से पहले ही तेज हवाओं के साथ बारिश ने कस्बे में तबाही मचा दी। तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश के कारण बैठक के लिए लगाया गया मंच और तंबू ढह गए।

दूसरी ओर, बताया जाता है कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अधिकारियों ने मौसम का हवाला देते हुए सीएम को हेलीकॉप्टर से यात्रा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पार्टी ने बैठक रद्द कर दी।

परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की कि भारी बारिश के कारण बैठक रद्द कर दी गई है।

पतंजलि के बाद आईएमए के रवैये पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, एसोसिएशन ने मांगी माफी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में बाबा रामदेव और उनकी कंपनी पतंजली आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक प्रचार का मुकदमा दायर करने वाली पार्टी आईएमए के रवये पर सवाल उठे हैं। यह सवाल कोई और नहीं बल्कि खुद सुप्रीम कोर्ट ने ही उठाए हैं। कोर्ट की फटकार के बाद बाबा रामदेव और आर्चाय बालकृष्ण ने निजी तौर पर अपने बयान को लेकर माफी मांगी थी। कोर्ट में माफी मांगने के बाद कंपनी ने अखबारों के माध्यम से भी लोगों से माफी मांगी गई थी।

अखबार में पतंजलि के माफी वाले पत्र के बाद आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने एक इंटरव्यू देकर खूद को कोर्ट के निशाने पर ले लिया। कोर्ट ने आईएमए के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आप पतंजलि पर भ्रामक विज्ञापन को लेकर सवाल उठा रहे थे। उनकी दवाओं को हटाने की बात कर रहे थे। लेकिन आपने कौन सा कदम उठाया। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की बेच ने ये सुनवाई की।

आईएमए के वकील ने कोर्ट के रवैये की प्रशंसा :

पीठ की टिप्पणी पर आईएमए की ओर से पेश वकील पीएस पटवालिया ने कहा कि हम कोर्ट के रवैये की प्रशंसा करते हैं। हालांकि आईएमए के अध्यक्ष ने जो सवाल उठाया वो मुख्य था। लेकिन उनका वो मकसद नहीं था कि अदालत की कार्यशैली के बारे में गलत हो। ये बात सुनते ही अदालत ने कहा कि ये कोई सामान्य बात नहीं है। यहीं नहीं पीठ ने ये भी कहा कि हम आईएमए के वकील को हम अपने जवाब से संतुष्ट नहीं कर सकते।

बालकृष्ण ने दायर की थी याचिका :

आईएमए के वकील पीएस पटवालिया ने कोर्ट से कहा कि हमे अगली सुनवाई तक मौका दिया जाए। आईएमए के अध्यक्ष को यह समझना चाहिए था। उन्हें अपनी जुबान बंद रखनी चाहिए थी। इसके लिए आईएमए के अध्यक्ष माफी मांगते हैं। कोर्ट का निर्णय आईएमए पर भी उसी प्रकार लागू होता है जैसे पतंजलि पर। दरअसल पतंजलि के एमडी आर्चाय बालकृष्ण ने इसको लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी।

भोजपुरी समाज का सम्मान समारोह

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार के आरा जिले के बिहिया थाना के नजदीक कटेया गांव में 5 मई को शाम 5:00 बजे से भोजपुरी समाज हैदराबाद के तत्वधान में राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव एवं समान समारोह संपन्न हुआ।

बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भोजपुरी समाज हैदराबाद, भोजपुर के धरती पर गा रहे अश्लील गायक लोगों के लिए एक बहुत बड़ा चुनौती बना हुआ है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य पंडित लक्ष्मण दुबे लहरी बाबा, और विशेष अतिथि सूफी संत डॉक्टर जौहर शाफियाबादी, विजय मिश्रा, कन्हैया पाठक, उत्तम मिश्रा, नंद कुमार तिवारी थे।

भोजपुरी समाज हैदराबाद के द्वारा चयनित 12 गायक को अंग वस्त्र और मेमोंटो व सम्मान पत्र दिया गया।

बादक देवमुनि पांडेय, कटेयां पंचायत के मुखिया शिवकुमार यादव, पुर्व मुखिया विजेन्द्र मिश्रा के साथ-साथ बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों से आए सभी गणमान्य लोग को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हार्दिक पंड्या का गेंदबाजी तो ठीक है

लेकिन टी20 वर्ल्ड कप जीतना है तो करना होगा धमाकेदार पारी

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार पारी की बदौलत शानदार जीत दर्ज की. आईपीएल 2024 के 55वें मुकाबले में मुंबई ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया. इस मैच में हार्दिक पंड्या ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 31 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट लेने में कामयाब रहे. उनके इस प्रदर्शन से भले ही अब मुंबई को बहुत ज्यादा फायदा न हो, लेकिन टीम इंडिया के नजरिए से ये बहुत मायने रखता है. पिछले चार मैचों में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वो भारतीय टीम का मनोबल बढ़ाने वाला है. गेंदबाजी तो ठीक है, लेकिन अभी भी हार्दिक को जोर लगाने की जरुरत है, क्योंकि उन पर उठ रहे सवाल पूरी तरह खत्म नहीं होते हैं.

गेंदबाजी में पंड्या का कमाल

टी20 वर्ल्ड कप के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान हुआ तो कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने हार्दिक पंड्या को लेकर चिंता जताई थी. कुछ एक्सपर्ट्स का तो ये भी मानना था कि मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, टीम में उनकी जगह नहीं बनती है. लेकिन सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि उनका कोई रिप्लेसमेंट नहीं है. अब हार्दिक ने पिछले चार मैचों में 7 विकेट लेकर साबित कर दिया है कि उनकी विकेट लेने की क्षमता के आगे कोई नहीं टिकता.

इन 7 विकेट सबसे बड़ी खासियत ये रही कि टीम को जब भी जरुरत थी, पंड्या ने विकेट लेकर दिया. उन्होंने इन चार मैचों में पावरप्ले, बीच के ओवर्स और डेथ ओवर्स सभी विकेट चटकाए, जिसके लिए उन्हें जाना जाता है. उनके इसी काबिलियत की वजह से टी20 वर्ल्ड कप में सेलेक्ट किया गया है. पंड्या के फिटनेस को लेकर भी सवाल उठ रहे थे, क्योंकि वो पूर चार ओवर्स नहीं फेंक रहे थे. लेकिन पिछले चारों मैच से वो अपना स्पेल पूरा कर रहे हैं. बता दें कि पंड्या अभी तक 10.58 की इकोनॉमी से 12 मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं, जिसमें 7 विकेट पिछले 4 मुकाबलों में हैं.

अब बल्ले से दिखाना होगा दम

हार्दिक पंड्या का फिलहाल कोई रिप्लेसमेंट नहीं दिखता, क्योंकि टी20 में वो 4 ओवर फेंकने के साथ तूफानी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं. लेकिन बल्लेबाजी एक ऐसा एरिया है, जहां पंड्या को साबित करना बाकि है. इसका जिक्र साउथ अफ्रीकन गेंदबाज शॉन पॉलक ने भी किया है.

पंड्या अंत में आकर ताबड़तोड़ पारी खेलनी हो या जल्दी विकेट गिरने पर मैच को फिनिश करना हो पंड्या दोनों तरह की क्षमता रखते हैं. इसलिए नीचले क्रम में भारतीय टीम उनपर काफी निर्भर करती है. लेकिन इस सीजन में उनके बल्ले से अभी तक ऐसा कोई धमाका देखने को नहीं मिला है. वो 12 मैचों में 149 की स्ट्राइक रेट से 198 रन ही बना सके हैं.

अगर टी20 वर्ल्ड कप में वो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे तो भारत की हार या जीत में एक्स फैक्टर का रोल अदा करेंगे. ऐसे में उन्हें आईपीएल के ग्रुप स्टेज के आखिरी दो मुकाबलों में अपने बल्ले से भी साबित करना बेहद है.

ना ऋषभ पंत कम, ना संजू सैमसन ज्यादा

सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा, टी20 वर्ल्ड कप में दोनों के चमकने का है पूरा चांस

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। ऋषभ पंत और संजू सैमसन. दोनों विकेटकीपर बल्लेबाज. दोनों रनबाज. दोनों टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया में सेलेक्ट. अब तक ये सुना तो था कि दोनों में कोई किसी से कम नहीं है. लेकिन, आईपीएल 2024 में तो ये दिख भी रहा है. आईपीएल के 17वें सीजन से जुड़ा इन दोनों का एक आंकड़ा सामने आया है, जिसे अगर आप देखेंगे तो यही कहेंगे कि दोनों में ना कोई ज्यादा है, ना ही कम. टीम इंडिया जिसे भी दे मौका, दिखाएंगे दम. और, इस लिहाज से इन दोनों के ही वेस्टइंडीज और अमेरिका की माटी पर होने वाले T20 वर्ल्ड कप 2024 में चमकने का पूरा चांस है.

अब आप पूछेंगे कि ऋषभ पंत और संजू सैमसन से जुड़ा वो आंकड़ा क्या है, जिसके बाद से ऐसा लगने लगा है. तो जैसा हमने बताया कि ये IPL 2024 से जुड़ा ही है. दरअसल, BCCI की T20 लीग के मौजूदा सीजन में इनके अब तक के किए प्रदर्शन से जुड़ा आंकड़ा है. इस आंकड़े को देखने के बाद आपको समझ आएगा कि पंत और सैमसन में अंतर ना के समान है.

पंत और सैमसन का हैरान करने वाला आंकड़ा!

ऋषभ पंत और संजू सैमसन से जुड़ा आंकड़ा आईपीएल 2024 में उनके बनाए रन, उनके स्ट्राइक रेट और उनके बल्ले से प्रति गेंद निकलने वाली बाउंड्री का है. आईपीएल के 17वें सीजन में खेले 55वें मैच तक ऋषभ पंत ने जहां 158.56 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं और इस दौरान उनके प्रति गेंद बाउंड्री लगाने का औसत 4.56 का रहा है. वहीं संजू सैमसन ने इसी दौरान 159.09 की स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं. सैमसन ने हर 4.57 गेंद पर बाउंड्री जमाई है.

टीम इंडिया जिसे दे मौका, टी20 वर्ल्ड कप में वो करेगा धमाका!

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया में चुने गए दोनों विकेटकीपर बल्लेबाजों का ये आंकड़ा वाकई थोड़ा हैरान करता है. क्योंकि, पंत और सैमसन के आईपीएल 2024 के प्रदर्शन में बड़ा मामूली अंतर है. इस आंकड़े को देखकर लगता है दोनों बिल्कुल एक जैसी फॉर्म में हैं.

मतलब अब ये टीम मैनेजमेंट के ऊपर है कि वो किसे मौका देती है? लेकिन, एक बात साफ है कि मौका चाहे जिसे भी मिले, इस फॉर्म के साथ वो T20 वर्ल्ड कप में धमाका जरूर करेगा.

भारतीय महिला टीम का विजय रथ जारी

बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी जीत हासिल की

सिलहट, 7 मई (एजेंसियां)। कप्तान हरमनप्रीत कौर की उम्दा पारी के बाद दीप्ति शर्मा की अगुआई में गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 56 रन से हरा दिया और सीरीज पर 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टीम इंडिया क्लीन स्वीप से बस एक मैच दूर है। 14 ओवर के इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 122 रन बनाए थे। जवाब में मेजबान टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी और सात विकेट पर 68 रन ही बना सकी।

भारतीय स्पिनरों ने कमाल दिखाया

भारत की ओर से हरमनप्रीत (39) और ऋचा घोष (24) के बीच चौथे विकेट की 44 रन की साझेदारी हुई। वहीं, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (22) और डी हेमलता (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। डकवर्थ-लुईस नियम के तहत बांग्लादेश को 14 ओवर में 125 रन का लक्ष्य मिला। हालांकि, दीप्ति शर्मा (13 रन पर दो विकेट), आशा शोभना (18 रन पर दो विकेट) और राधा यादव (12 रन पर एक विकेट) की फिरकी के जादू के सामने बांग्लादेश की टीम कुछ नहीं कर सकी। बांग्लादेश की ओर से सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (21), रूबिया हैदर (13) और शोरिफा खातून (नाबाद 11) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकीं।

लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी बांग्लादेश की टीम

लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की शुरुआत काफी धीमी रही और टीम पावरप्ले के चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन ही बना सकी। टीम ने इस दौरान मुर्शीदा खातून (01) का विकेट गंवाया जिन्हें दीप्ति ने विकेटकीपर ऋचा के हाथों कैच कराया। दिलारा 25 गेंद में दो चौकों से 21 रन की धीमी पारी खेलने के बाद दीप्ति की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हो गईं। एक गेंद बाद रूबिया भी रन आउट हो गईं। शोभना ने कप्तान निगारा सुल्ताना (01) को एल्बीडब्ल्यू आउट किया जिससे चार गेंद के भीतर बांग्लादेश का स्कोर एक विकेट पर 38 रन से चार विकेट पर 39 रन हो गया।

राधा ने इसके बाद ऋतु मोनी (01) जबकि शोभना ने शोर्ना अख्तर (05) को पवेलियन भेजा। बांग्लादेश के रनों का अर्धशतक 11वें ओवर में पूरा हुआ। मेजबान टीम को अंतिम तीन ओवर में 72 रन की दरकार थी और टीम इस स्कोर के आसपास भी नहीं पहुंच सकी। इससे पहले बारिश के कारण देर से शुरुआत और फिर एक घंटे से अधिक समय तक मैच रोके जाने के कारण ओवरों की संख्या को घटाया गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत खराब रही थी। टीम ने दूसरे ओवर में ही शेफाली वर्मा (02) का विकेट गंवा दिया जो शोरिफा की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर ऋतु को कैच दे बैठीं। हेमलता ने दो छक्कों और दो चौकों के साथ आक्रामक तेवर दिखाए लेकिन मारूफा अख्तर ने उन्हें आउट कर दिया। भारत का स्कोर जब 5.5 ओवर में दो विकेट पर 48 रन था तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

मैच दोबारा शुरू होने पर स्मृति ने चौका जड़ा लेकिन राबिया खान की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इसके बाद अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही हरमनप्रीत ने ऋचा के साथ पांचवें विकेट के लिए 28 गेंद में 44 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। राबिया ने ऋचा को शोर्ना के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। हरमनप्रीत अंतिम ओवर में रन आउट हुईं।

बारिश के कारण पहले गुवाहाटी और फिर वाराणसी पहुंची केकेआर टीम

वाराणसी, 7 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइटराइडर्स का दल लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ अपना पिछला आईपीएल 2024 का मैच खेलकर वापस कोलकाता लौट रही थी लेकिन देश के पूर्वी हिस्से में तेज़ बारिश के कारण उनकी फ़्लाइट लैंड नहीं हो सकी।

केकेआर टीम ने जानकारी दी कि उन्होंने शाम 5:45 पर लखनऊ से उड़ान भरी, जहां उन्होंने शाम 7.25 पर लैंड होना था। रात 8.46 पर उन्हें बताया गया, कोलकाता में भारी बारिश की वजह से उनकी चार्टर फ़्लाइट को गुवाहाटी भेजा जा रहा है, हम अभी यहीं उतरे हैं। फरि रात 9.43 पर बताया गया, हमें वापस कोलकाता जाने के लिए अनुमति मिल गई है, जहां हम रात 11 बजे पहुंचेंगे।

इसके बाद एक और सूचना मिली, यह देर रात 1.15 मिनट पर थी जहां बताया गया कि चीज़ें सही नहीं जा रही हैं। ₹फ़्लाइट ने गुवाहाटी से कोलकाता को उड़ान भरी थी और इसको रात 11 बजे कोलकाता उतरना था। कई प्रयासों के बाद एक बार फरि ख़राब मौसम के कारण फ़्लाइट लैंड नहीं हो सकी। अब फ़्लाइट को वाराणसी भेजा गया है और हम बस उतरने वाले हैं।

आख़रिकार सुबह के 3 बजे, टीम ने वाराणसी के ताज गंगाज होटल में रात बिताई। कोलकाता वापसी की फ़्लाइट मंगलवार सात बजे दोपहर की है। फ़्लाइट के मंगलवार को दोपहर 1.15 पर वाराणसी से उड़ान भरने की उम्मीद है। उनके लिए खुशकिस्मती यह रही कि आईपीएल में उनका अलगा मैच एक सप्ताह के अंतराल के बाद शनिवार को है। पिछले मैच में उन्होंने एलएसजी को 98 रन से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान अर्जित किया था। अब उनको शनिवार को अपने घर में मुंबई इंडियंस का सामना करना है। इसके बाद अहमदाबाद में 13 मई को गुजरात टाइटंस और 19 मई को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के ख़लिाफ़ मैच खेलने हैं।

कोलकाता में मूसलाधार बारिश हुई, जहां पिछले कुछ दिनों और हफ्तों में रिकॉर्ड-उच्च तापमान दर्ज किया गया था, समाचार प्रसारणों और सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में सड़कों पर पानी भरा हुआ दिखाई दे रहा था।

एमएस धोनी के नंबर 9 पर खेलने के पीछे का सच

हरभजन सिंह और इरफान पठान को अपने बयान पर होगा पछतावा

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। प महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2024 में अभी तक अंतिम के ओवर्स में ही बल्लेबाजी करते हुए दिखे हैं. उन्होंने इस सीजन एक पारी में सबसे ज्यादा 16 गेंदों का ही सामना किया है. हालांकि, क्रिकेट एक्सपर्ट्स और फैंस चाहते हैं कि और ज्यादा बल्लेबाजी करें. पंजाब किंग्स के खिलाफ तो अपनी रणनीति के लिए उन्हें आलोचना का भी सामना करना पड़ा. 16वें ओवर में 122 पर 6 विकेट गिर चुके थे और टीम मुश्किल में थी. इसके बाद सभी को लगा कि धोनी बल्लेबाजी करने आएंगे लेकिन उन्होंने शार्दुल ठाकुर को भेज दिया. हरभजन सिंह और इरफान पठान उनके इस फैसले से काफी नाराज दिखे और खूब सुनाया. हालांकि, उनके इस फैसले की असल सच्चाई अब सामने आ गई है, जिसे जानकर दोनों क्रिकेटर्स को अपने बयान पर पछतावा होगा.

पंजाब किंग्स के खिलाफ धोनी नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने क्या आए, चारों तरफ हंगामा मच गया. इरफान पठान ने उनकी खूब आलोचना की और कहा इससे वो अपनी टीम को ही नुकसान पहुंचा रहे हैं. चेन्नई सुपर किंग्स में खेल चुके हरभजन सिंह और एक कदम निकले और धोनी को टीम से बाहर बैठने की सलाह दे दी. उन्होंने कहा था कि इससे अच्छा तो वो खुद बाहर बैठकर किसी गेंदबाज को मौका दे देते. लेकिन शार्दुल ठाकुर को खुद से आगे भेजने के पीछे की असल वजह अब जाकर पता चली है. उनका ये फैसला कोई रणनीति नहीं बल्कि मजबूरी थी .

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी लेग मसल यानी पैरों की मांसपेशियां फट गई हैं, जिससे उन्हें को मूवमेंट करने में दिक्कत हो रही है. इसलिए वो प्रैक्टिस के दौरान भी नहीं दौड़ते हैं और ज्यादा से ज्यादा बाउंड्री मारने की प्रैक्टिस करते हैं. टीम के सुत्रों ने बताया कि धोनी को ये परेशानी टूर्नामेंट शुरू होने के साथ ही आ गई थी. इसके बावजूद वो टीम के लिए खेलते रहे. अब वजह जानकर लगता है कि धोनी की आलोचना करने वाले दोनों दिग्गज उनके साथ इतना खेलने के बावजूद उन्हें अच्छे से नहीं जानते हैं.

एमएस धोनी दे रहे कुर्बानी

अब फैंस के मन में सवाल उठ सकता है कि जब इतनी परेशानी है तो एमएस धोनी खेल ही क्यों रहे हैं. उन्हें किसी और खिलाड़ी को मौका देना चाहिए. इसके जवाब में टीम से जुड़े सुत्रों ने कहा है कि धोनी की आलोचना करने वालों को पता भी नहीं है कि वो टीम के लिए कितनी बड़ी कुर्बानी दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि 'माही' ने भी ऐसा सोचा था लेकिन टीम के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज डेवन कॉनवे पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं. ऐसे में टीम के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है. इसलिए धोनी अपने दर्द को दरकिनार करते हुए दवा लेकर लगातार टीम के लिए खेल रहे हैं.

मनिका बत्रा ने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद मान्यु को हराया

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक से पहले भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी ने सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। मनिका बत्रा ने इस दौरान विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज चीन की वांग मान्यु को हराकर अपने सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज मनिका ने चीन की दूसरी वरीय खिलाड़ी के खिलाफ 37 मिनट तक चले मुकाबले को 6-11, 11-5, 11-7, 12-10 से अपने नाम किया।

शुरुआती गेम में हारकर की वापसी

मनिका टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता और 2021 विश्व चैंपियन के खिलाफ शुरुआती गेम हार गईं, लेकिन उन्होंने अगले दो गेम जीत कर वापसी की और फिर चौथे गेम में शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन की खिलाड़ी को पछाड़कर मुकाबला अपने नाम किया। गैर वरीयता प्राप्त मनिका ने रविवार को रोमानिया की एंड्रिया ड्रैगोमैन को हराया था। वह मंगलवार को अंतिम 16 दौर में जर्मनी की 14वीं रैंकिंग की खिलाड़ी नीना मित्तेलहम से भिड़ेंगी।

'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि'

भारत की 28 साल की इस खिलाड़ी ने कहा, यह मेरे सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने उसके खिलाफ जीत हासिल की। मैं अपने कोच अमन बाल्गु और

अपने प्रशिक्षकों के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। आपको ऐसा कुछ हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहना होगा। मुझ पर विश्वास करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैं अपने अगले मैच में इस जज्बे को बरकरार रखूंगी।

हरमीत-यशस्विनी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

मिक्स्ड डबल्स में हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने अल्वारो रोबल्स और मारिया जिओ की स्पेन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 3-2 (11-5, 5-11, 3-11, 11-7,11-7) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले चिली के निकोलस बर्गोस और पॉलिना वेगा की जोड़ी को 3-2 (11-7, 9-11, 11-4, 4-11, 11-5) से हराया था। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अयहिका और सुतिर्था मुखर्जी की जोड़ी ने मरियम और मारवा अल्होदाबी को 3-0 (11-7, 1-3, 11-4) से हराकर प्री-क्वार्टर में प्रवेश किया।

श्रीजा अकुला में मिली हार

हाल ही में मनिका को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारत की महिला सिंगल्स खिलाड़ी बनी श्रीजा अकुला को हालांकि हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 38 स्थान पर काबिज श्रीजा पुर्तगाल की जेनी साहों के खिलाफ पहले गेम की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी और 7-11, 11-3, 11-9, 12-14 से हार गईं। इससे पहले सिंगल्स में शरथ कमल, अर्चना कामथ, मानव ठक्कर और सुतीर्था मुखर्जी सहित अन्य भारतीय चुनौती पेश करने के बावजूद हार गए।

मलयेशियाई फुटबॉलर पर जानलेवा हमला, तेजाब फेंका

तीन दिन पहले लूटपाट में घायल हुआ था एक साथी खिलाड़ी

कुआलालंपुर, नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। मलयेशिया के एक फुटबॉलर पर रविवार को जानलेवा हमला हुआ। फैसल हलीम नाम के इस फुटबॉलर पर एक शॉपिंग मॉल में तेजाब फेंका गया, जिससे वह झुलस गया। सेलांगोर राज्य के खेल अधिकारी नजवान हलीमी ने बताया कि मलयेशिया की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फैसल पर कुआलालंपुर के बाहर पेटलिंग जाया जिले में हमला किया गया। इससे फैसल घायल हो गए। उनकी गर्दन, कंधे, हाथ और सीने पर जख्म के निशान हैं। 26 साल के फैसल सेलांगोर फुटबॉल क्लब में विंगर हैं।

फैसल की तस्वीर ऑनलाइन वायरल हुई नजवान ने कहा, 'मैं इस हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं और पुलिस से अपराधी को जल्द से जल्द पकड़ने का आग्रह करता हूं।' सेलांगोर पुलिस प्रमुख हुसैन उमर खान के मुताबिक, इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, उसने अब तक इसके पीछे के मकसद का खुलासा नहीं किया है। ऑनलाइन वायरल हुई एक तस्वीर में फैसल को एक बेंच पर बैठे दिखाई दिए और उनके शरीर पर जलने के निशान हैं।

तीन दिन पहले साथी खिलाड़ी हमले में हुआ था घायल

इस हमले से तीन दिन पहले एक अन्य राष्ट्रीय खिलाड़ी अख्यार राशिद पूर्वी राज्य तेरेंगानु में अपने घर के बाहर लूटपाट में घायल हो गए थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार दो अज्ञात संदिग्धों ने 25 वर्षीय अख्यार पर लोहे की रॉड से वार किया और उनके सिर और पैर में चोटें आईं थीं, जिससे उन्हें टांके लगाने पड़े थे। स्थानीय पुलिस प्रमुख अज़ली नूर ने कहा कि संदिग्ध अख्यार के पैसे लेने के बाद भाग गए थे।

मलयेशिया फुटबाल संघ के अध्यक्ष का बयान

मलयेशिया फुटबाल संघ के अध्यक्ष हमीदीन मोहम्मद अमीन ने कहा कि वह राष्ट्रीय टीम के दो खिलाड़ियों पर दोनों हमलों से निराश और दुखी हैं। उन्होंने रविवार को एक बयान में कहा, 'मलयेशिया के लोग प्रार्थना करते हैं कि अख्यार और फैसल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं और खेल के मैदान पर लौटें।

मेरा हैदराबाद

मतदान की तैयारी पूरी : रोनाल्ड रॉस

'आई वोट फॉर श्योर' पोस्टर का अनावरण * सभी मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी व जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि जिला प्रशासन जिले में 13 मई को होने वाले संसदीय चुनाव और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान कराने के लिए सभी व्यवस्थाओं के साथ तैयार है। संसदीय चुनाव की पृष्ठभूमि में मंगलवार को जिला चुनाव अधिकारी रोनाल्ड रॉस, सीपी श्रीनिवास रेड्डी के साथ हैदराबाद सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी अनुदीप दुरीशेट्टी और हेमंत केशव पाटिल ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि हैदराबाद जिले के हैदराबाद सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र के लिए आगामी चुनाव के मद्देनजर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद संसदीय क्षेत्र के लिए 30 उम्मीदवार, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के लिए 45 उम्मीदवार और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र के लिए 15 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 45,91,201 मतदाता हैं, जिनमें से 23,38,857 पुरुष, 22,52,008 महिला और 336 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव संपन्न कराने के लिए जिले में 3986 मतदान केंद्र बनाये गये हैं।

उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव कराने के लिए आवश्यक मैन पावर और मिशनरी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 1250 कर्मचारियों को माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त कर प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि वे चुनाव पर्यवेक्षकों को सूचना भेजेंगे और कहा कि हर मतदान केंद्र पर एक महिला मतदान अधिकारी की नियुक्ति की गयी है। 13 मई को मतदान दिवस के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि धूप की गंभीरता को देखते हुए मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि मतदान कर्मियों और मतदाताओं को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर स्वीप कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। बताया गया है कि जिले में 16,776 लोगों ने पोस्टल बैलेट के लिए आवेदन किया है और अब तक 9,266 लोगों ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जो लोग इस महीने की 8 तारीख तक डाक मतपत्र का उपयोग नहीं कर सके, उनके लिए 9 और 10 मई को सुविधा केंद्र खुले रखे जाएंगे और उन्हें इस अवसर का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि घर-घर मतदाता सूचना पर्चियां एवं मतदाता मार्गदर्शिका सूचना पुस्तिका का वितरण एवं स्टीकर लगाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन, वे कतार प्रबंधन ऐप के माध्यम से अपने मतदान केंद्र में कतार के बारे में जानना आसान बना रहे हैं।

जिले में अब तक 38,55,72,637 रुपये की नकदी, अन्य कीमती सामान और अवैध शराब जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि डीजीसी द्वारा अब तक 4,12,03,655 नकद एवं अन्य मदें जारी की जा चुकी हैं। बताया गया है कि 1,52,64,160 रुपये नकद व अन्य मद में अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर व वाणिज्य कर विभाग को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान कर्मियों को 12 और 13 मई को मुफ्त परिवहन सुविधा प्रदान की जाएगी। डीईओ ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जा रही है कि प्रत्येक स्थान पर चिकित्सा कर्मी और मेडिकल किट उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि यदि मतदान कर्मियों को धूप की वजह से कोई परेशानी होती है तो मुख्यालय में एक हेल्प लाइन स्थापित की जायेगी और यहीं से घटना स्थल पर जाकर उनका इलाज किया जायेगा आप क्यू लाइन ऐप के माध्यम से मतदान केंद्र पर भीड़ का विवरण जान सकते हैं, क्यू ऐप में मतदान केंद्र के विवरण के अनुसार स्थान जाना जा सकता है। हैदराबाद सीपी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मतदान सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीआरसी, स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है और 11 मई को शाम 5:00 बजे से प्रचार गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने तक जिले में धारा 144 लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है और स्वतंत्र वातावरण में चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पूरे उपाय किये जा रहे हैं। बाद में मतदान की तारीख बताने वाले मतदाता स्टिकर और आई वोट फॉर श्योर पोस्टर का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला चुनाव आयुक्त अलीवेलु मंगतवाररश, होम वोटिंग नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर अर्चना और अन्य ने भाग लिया।

बिजली आपूर्ति पर झूठ फैला रही बीआरएस : डिप्टी सीएम

निर्बाध आपूर्ति के कारण खपत में हुई वृद्धि

2024 में 10799 मेगावाट हो गई है औसत मांग

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए राज्य में पर्याप्त बिजली है। इसके बाद भी आपूर्ति को लेकर बीआरएस की तरफ से झूठ फैलाया जा रहा है।

हम इसकी आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि तापमान में बदलाव हो सकता है, लेकिन बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की कुशल कार्यप्रणाली के कारण, बिजली की निर्बाध आपूर्ति के कारण खपत में वृद्धि हुई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भट्टी ने कहा कि 1-6 मई, 2023 के बीच औसत मांग और खपत स्तर की तुलना में, उसी समय सीमा में 2024 में 52.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि मई 2023 में, औसत मांग 7062 मेगावाट थी। 2024 में यह बढ़कर 10799 मेगावाट हो गई है। वहीं, औसत खपत पिछले साल के 157.9 मिलियन यूनिट से बढ़कर 226.62 मिलियन यूनिट हो गई है, जो 43.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 1-6 मई, 2024 के बीच 2023 की समान अवधि की तुलना में औसत मांग और खपत में 47.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मई 2023 में 2830 मेगावाट की तुलना में वर्तमान में औसत मांग 4177 मेगावाट है। वहीं, मई 2023 में 57.5 मिलियन यूनिट की तुलना में मई 2024 में औसत खपत 88 मिलियन यूनिट है, जो 53 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि पिछले बीआरएस शासन के तहत, 2022-23 के बीच बिजली की मांग 1 प्रतिशत भी नहीं बढ़ी। भट्टी ने कहा कि पिछले दो दिनों में बिजली की मांग लगभग 4000 मेगावाट बढ़ गई और 90 मिलियन यूनिट से अधिक की खपत दर्ज की गई है। जीएचएमसी और तेलंगाना में बिजली खपत का ग्राफ उपमुख्यमंत्री द्वारा जारी किया गया।

उन्होंने कहा कि रात के समय औसत मांग इतनी बढ़ गई है जितनी पहले कभी नहीं थी। जीएचएमसी में बिजली खपत का ग्राफ उपमुख्यमंत्री ने जारी किया। उपमुख्यमंत्री ने बिजली विभाग के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की सराहना करने के बजाय 'गोएबल्स से भी बड़ा' झूठ फैलाने के लिए बीआरएस नेताओं पर हमला बोला।

डॉक्टर को किया गया निलंबित

चिकित्सीय लापरवाही का आरोप

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) के आयुक्त डॉ.जे. अजय कुमार ने जगतियाल जिले के कोरुटला स्थित एरिया अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर डॉ.वी. श्रवण कुमार को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं, जिनके खिलाफ चिकित्सकीय लापरवाही के आरोपों की जांच लंबित है।

बता दें कि एक ऑटो ड्राइवर नजीबर रहमान को कोरुटला के एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ ही समय में उनकी हालत बिगड़ गई और उनका निधन हो गया, जिसके बाद उनके परिवार के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप लगाए। डॉ. श्रवण कुमार अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी होने/आपराधिक आरोपों से संबंधित सभी कार्यवाही समाप्त होने तक निलंबित रहेंगे।

यह निलंबन तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) के सदस्यों को रास नहीं आया है। एसोसिएशन का कहना है कि विकास की उचित जांच किए बिना ही डॉ. श्रवण को निलंबित कर दिया गया। हमारी रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. श्रवण से मृतक के परिवार वालों ने मारपीट की थी। टीटीजीडीए निलंबन का विरोध करता है और आने वाले दिनों में इस फैसले के विरोध में एक कार्य योजना लाएगा।

बारिश से हैदराबादवासियों को मिली राहत

10 दिनों से झेल रहे थे भीषण गर्मी का कहर

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को 10 दिनों से अधिक समय से जारी चिलचिलाती गर्मी से काफी राहत मिली, क्योंकि सुबह की बारिश ने शहर को भिगो दिया। सुबह करीब साढ़े चार बजे शुरू हुई बारिश ने धीरे-धीरे पूरे शहर के मौसम को खुशनुमा बना दिया। तड़के तक बादल छाए रहे। हैदराबाद में अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई, अधिकांश क्षेत्रों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। इससे हैदराबादवासियों को राहत मिली, जिन्होंने बढ़ते तापमान को सहन किया, जो शुरुआती घंटों में लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि विभिन्न जिलों में तीव्र वर्षा की सूचना मिली है। कुमुरम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, जगतियाल, पेद्दापल्ली, सिरसिला, सिद्दीपेट, कोठागुडेम, महबूबनगर, नलगोंडा, सूर्यापेट और मुलुगु जैसे जिलों में तीव्र बारिश होने की भविष्यवाणी की गई थी। दूसरी ओर, हैदराबाद में छिटपुट तूफान आने की आशंका थी, जिससे हाल की बारिश से राहत मिली।

पति की हत्या के आरोप में प्रेमी संग पत्नी अरेस्ट

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने एक महिला, उसके प्रेमी और एक साथी को उसके पति की हत्या की साजिश रचने के संदेह में हिरासत में लिया है। कडथल पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक थंड्रा रविंदर पर जानलेवा हमला करने से पहले दोनों लोगों ने उसे बेहोश कर दिया था। 30 अप्रैल को कडथल पीएस के अधिकार क्षेत्र के तहत मकता मदाराम गांव में एक निर्माण स्थल के पास एक जली हुई लाश मिलने के बाद जांच सामने आई।

मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए तुरंत लुकआउट नोटिस जारी किए गए। इसके बाद, मीरपेट पुलिस स्टेशन ने हाल ही में लापता हुए एक व्यक्ति के मामले के संबंध में जले हुए शरीर की विशेषताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उसके परिवार से सूचना मिलने पर कडथल पुलिस पीड़ित की पहचान की पुष्टि करने में सक्षम थी, जिससे शरीर पर पाए गए कपड़ों के टुकड़े की पहचान करने में मदद मिली। संदेह गीता के प्रेमी यदागिरि पर गया। पुलिस ने खुलासा किया कि पूछताछ के बाद, यदागिरी ने रविंदर की हत्या में अपने दोस्त अनिल के साथ सहयोग करने की बात कबूल की। कथित तौर पर गीता ने यदागिरी को रविंदर के ठिकाने का खुलासा किया था, जिससे उन्हें चिंतालकुंटा से उसका अपहरण करने और तब तक हमला करने में मदद मिली जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गया। इसके बाद, अपराधियों ने पेट्रोल खरीदा, पीड़ित को कदथल पहुंचाया और उसे आग लगाकर जघन्य कृत्य को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

तेलंगाना में जहर न फैलाएं पीएम मोदी : केटीआर

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने लोकसभा चुनाव प्रचार के तहत राज्य की अपनी यात्रा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'तेलंगाना की पवित्र भूमि में जहर नहीं उगलने' के लिए कहा। केटीआर ने तेलुगु में एक्स पर एक लंबी पोस्ट में पूछा कि भावनात्मक प्रतिक्रियाएं भड़काने के बजाय, हमें अपने द्वारा किए गए 2 करोड़ नौकरियों के वादे के बारे में बताएं! उन्होंने पिछले 10 वर्षों में राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के योगदान पर पीएम से सवाल किया।

उन्होंने कहा कि लोगों से वोट मांगने से पहले उन्हें राज्य में आपके योगदान के बारे में बताएं। प्रधानमंत्री के रूप में 10 साल पूरे करने के बावजूद, आप राज्य से किए गए सबसे महत्वपूर्ण वादों

को भूल गए हैं। सिरसिला विधायक ने तेलंगाना को दिए गए धन और आवंटन के संदर्भ में विभिन्न वादों की सूची बनाई, जिन्हें भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र पूरा करने में विफल रहा। उन्होंने टिप्पणी की कि कृपया हमें बताएं कि क्या आपके पास देश के लिए कोई दृष्टिकोण है, लेकिन विभाजन पैदा न करें। यहां भड़काऊ राजनीति के कारण आपको वोट नहीं मिलेंगे, क्योंकि, यह तेलंगाना है, जागरूकता की भूमि है! लोकसभा चुनाव में भाजपा के चुनावी प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री 7 और 8 मई को हैदराबाद में रहेंगे। ईसीआई द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, तेलंगाना में 13 मई को मतदान होना है।

कूड़े में मिला नवजात, मंचेरियल में हुआ इलाज

मंचेरियल, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नाराम मंडल केंद्र में कूड़ेदान में मिले एक नवजात को सोमवार को बचाया गया और मंगलवार को उसका इलाज चल रहा था। जिला कल्याण अधिकारी के चिन्नैया ने कहा कि नवजात को मंचेरियल के एक मातृ एवं शिशु अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और उसे उपचार प्रदान किया जा रहा है। बच्ची को सांस लेने में कठिनाई और हृदय संबंधी समस्याओं सहित कई स्वास्थ्य समस्याओं का पता चला था। ठीक होने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। नवजात को आदिलाबाद में राजकीय शिशुगृह में रखा जाएगा। कपड़े में लिपटे नवजात को जन्नाराम मंडल के श्रीलका कॉलोनी में एक कूड़ेदान में देखा गया। जानकारी मिलने पर पुलिस ने पहले इसे जन्नाराम मंडल केंद्र के एक अस्पताल और फिर एमसीएच में स्थानांतरित कर दिया।

उप्पल स्टेडियम में आईपीएल मैच के लिए चलेंगी बसें

60 विशेष बसें संचालित करने का टीएसआरटीसी ने लिया निर्णय

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (आरजीआईसी) स्टेडियम, जिसे उप्पल स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है, आईपीएल मैच के लिए 60 विशेष बसें संचालित करने का निर्णय लिया है। ये बसें 8 मई को शाम 6 बजे से रात 11:30 बजे के बीच 24 रूटों पर चलेंगी। ये बसें कोटि, चारमीनार, चंद्रयानगुट्टा से आरजीआईसी स्टेडियम जैसे 24 विभिन्न मार्गों पर चलेंगी। हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आईपीएल मैच खत्म होने के बाद वापसी के लिए टीएसआरटीसी बसें उपलब्ध रहेंगी। उप्पल स्टेडियम में यात्रियों के परेशानी मुक्त चढ़ने और उतरने

के लिए नियंत्रक और प्रवर्तन दस्ते की टीमें उपलब्ध रहेंगी। प्रभारी अधिकारियों से 9959226150, 9959226130 और 99592226152 डायल करके संपर्क किया जा सकता है। संचार केंद्र से सेलफोन नंबर 9959226160 या 9959226154 पर संपर्क किया जा सकता है। शेड्यूल के मुताबिक, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाइंट्स 8 मई को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आईपीएल मैच खेलने जा रहे हैं, जिसके लिए टीएसआरटीसी बसों की व्यवस्था की गई है।

चंद्रबाबू की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

10 हफ्ते बाद की तारीख दी गई, आंध्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायुडू को हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह इस मामले को 10 हफ्ते बाद सुनेगी। यह याचिका आंध्र प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल की गई है। नायुडू को स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन घोटाला मामले में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

31 अक्टूबर को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दी थी। तब वे राजमंड्री जेल से करीब 53 दिन बाद बाहर आए थे। 20 नवंबर को हाईकोर्ट ने उन्हें रेगुलर बेल दे दी। नायडू के खिलाफ आंध्र प्रदेश की जांच एजेंसियों ने पांच अलग-अलग मामलों में जांच चल रही है।

इसके बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने के निर्देश की मांग की थी। सरकार ने कहा है कि नायुडू एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे एक सरकारी कर्मचारी सहित अपने दो प्रमुख सहयोगी पहले ही देश से भागने की व्यवस्था कर चुके हैं।

स्किल डेवलपमेंट घोटाला :

स्किल डेवलपमेंट घोटाले में नायुडू को सीआईडी ने 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था। 73 वर्षीय नायुडू पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने साल 2015 में मुख्यमंत्री रहते हुए स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के फंड का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया था, जिससे के कारण राज्य के खजाने को 371 करोड़ का नुकसान हुआ था। इस मामले में नायुडू को एक नवंबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में थे मगर बाद में 31 अक्टूबर को हाईकोर्ट

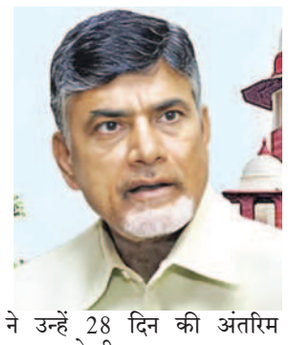

ने उन्हें 28 दिन की अंतरिम जमानत दे दी।

शराब लाइसेंस घोटाला :

चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ ताजा मामला शराब लाइसेंस घोटाले का है। सीआईडी ने केस दर्ज करते हुए सोमवार को औपचारिक रूप से एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट में याचिका दायर की और अदालत ने सीआईडी की नायुडू के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। नायुडू राजमंड्री सेंट्रल जेल से वर्चुअली इस सुनवाई में जुड़े।

अंगालू हिंसा केस :

अंगालू हिंसा केस में भी सीआईडी नायुडू के खिलाफ जांच कर रही है। हालांकि इस केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए नायुडू आंध्र हाईकोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने 12 अक्टूबर को मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था। अगले दिन यानी 13 अक्टूबर को इस केस में कोर्ट ने नायुडू को अंतरिम जमानत दे दी थी। अंगालू हिंसा मामला इसी साल अगस्त तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) की एक रैली से जुड़ा है। रैली के दौरान ही पथराव हुआ, जिसमें कई पुलिसवाले, टीडीपी और सत्ताधारी वाईएसआरसीपी समर्थक घायल हो गए थे। इसके बाद अन्नामय्या और चित्तूर जिलों में दंगे भड़क गए थे।

अमरावती इनर रिंग रोड केस :

अमरावती इनर रिंग रोड केस भी हाईकोर्ट में पेंडिंग है। नायुडू ने इस मामले में अंतरिम जमानत की याचिका लगाई है। कोर्ट इस मामले पर 7 नवंबर को सुनवाई करेगा। अमरावती इनर रिंग रोड घोटाला 2014-2019 के दौरान का है, जब नायुडू की सरकार थी। आरोप है कि सरकार में उच्च अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और इस दौरान अमरावती के मास्टर प्लान की डिजाइनिंग और रिंग रोड और अन्य सड़कों को जोड़ने की योजना में धांधली की गई।

फाइबर नेट स्कीम के पहले चरण के तहत कामों के ठेके देने में हुई अनियमितताओं के खिलाफ सीआईडी जांच कर रही है। सीआईडी ने नायुडू पर आरोप लगाया है कि अपने फायदे वाली कंपनी को इस योजना में 330 करोड़ रुपये के कामों का ठेका देने से राज्य को भारी नुकसान हुआ है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.